सूर्योदय : 6:56
सूर्यास्त : 5:32
अधिकतम तापमान : 17.0
न्यूनतम : 11.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-204 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 15 जनवरी 2025
14 रजब 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

महाकुंभ
पहला शाही स्नान

3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

- आस्था, भक्ति और प्रेम, संगम की बाहों में समा गई दुनिया
- चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस और कैमरे की पैनी नजर
- सीएम योगी ने मकर संक्रांति के अवसर पर दी हार्दिक बधाई

प्रयागराज। महाकुंभ में मकर संक्रांति के अवसर पर पहले शाही स्नान के दौरान संतों समेत 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखाड़ों, मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस, स्वच्छताकर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों का साधुवाद करने के साथ प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

सीएम ने सोशल मीडिया पर मंगलवार शाम को अपने संदेश में कहा कि आस्था, समता और एकता के महासमागम महाकुंभ-2025, प्रयागराज में पावन मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पवित्र संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाने वाले सभी पूज्य संतगणों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों एवं श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया है। वहीं दूसरी ओर सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर से महाकुंभ के बारे में पल-पल की जानकारी लेते रहे। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महाकुम्भ 2025 में गंगा स्नान करने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक भावपूर्ण पोस्ट के जरिए आस्था, समता और एकता के इस महासमागम में शामिल पूज्य संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। सीएम योगी ने महाकुम्भ को सनातन धर्म की अनुपम शक्ति और आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा, प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों और श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया।

यूपी सरकार ने सभी घाटों और अखाड़ों पर हेलीकॉप्टर से करवाई पुष्पवर्षा

महाकुम्भ 2025 के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन मंगववार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर

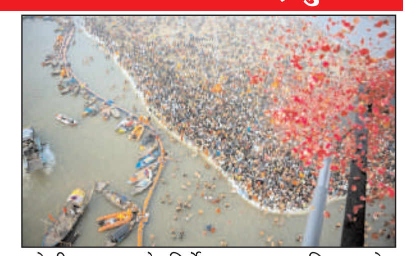

योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी।

उनके निर्देश पर डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद समेत तमाम अधिकारी भी मेले की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक के जरिए देर रात से ही भीड़ नियंत्रण की मॉनीटरिंग हो रही है।। रात में थर्मल इमेजिंग के हिसाब से क्राउड कंट्रोल किया गया तो दिन में टीथर्ड ड्रोन व सीसीटीवी से ट्रैफिक को मॉनिटर कर रहे हैं। घाटों की लंबाई अधिक होने के कारण संगम नोज पर इस बार अधिक दबाव नहीं है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार कर रहे हैं। श्रद्धालु अब प्रयागराज के साथ चित्रकूट, विंध्यवासिनी धाम, वाराणसी व अयोध्या की तरफ भी जाएंगे।

न्यूज डायरी

वी नारायणन ने इसरो प्रमुख के रूप में संभाला कामकाज

बंगलूरू। वी नारायणन ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने एस. सोमनाथ की जगह ली है। इसरो के मुताबिक, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (शीर्ष ग्रेड) डॉ. वी नारायणन ने 13 जनवरी 2025 को अंतरिक्ष विभाग के सचिव, अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष और इसरो के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले नारायणन ने इसरो के लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक के रूप में कार्य किया। यह प्रक्षेपण यानों और अंतरिक्ष यानों की प्रणोदन प्रणालियों के विकास के लिए जिम्मेदार एक प्रमुख केंद्र है। उन्होंने भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय स्तर के ह्यूमन रेटेड सर्टिफिकेशन बोर्ड (एचआरसीबी) के अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह 1984 में इसरो से जुड़े थे।

आसाराम को अंतरिम जमानत

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 2013 के बलात्कार मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम को मंगलवार को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दे दी। अब 11 साल बाद वो जोधपुर की सेंट्रल जेल से बाहर आएगा। एक सप्ताह पहले उच्चतम न्यायालय ने बलात्कार के एक अन्य मामले में आसाराम को 31 मार्च तक जमानत दी थी और कहा था कि वह कई बीमारियों से ग्रस्त है और उसे उपचार की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत द्वारा चिकित्सा आधार पर राहत दिए जाने के तुरंत बाद आसाराम के वकीलों ने उच्च न्यायालय में सजा निलंबित करने के लिए याचिका दायर की।

राहुल गांधी ने 'आप' के खिलाफ दिखाए तीखे तेवर

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सरकार के साथ इसके मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आक्रामक सियासी हमले की शुरुआत कर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने विपक्षी आईएनडीआईए खेमे में शामिल सहयोगी दलों के आप से नरमी बरतने के दबाव को नकार दिया है। साथ ही दो टूक यह संदेश भी दे दिया है कि राष्ट्रीय गठबंधन की दुहाई देकर राज्यों में कांग्रेस को हाशिए पर रखने की सहयोगी दलों की दबाव की रणनीति पार्टी अब सहजता से स्वीकार नहीं करेगी।

सीलमपुर की रैली ही अपवाद न रह जाए इसके मद्देनजर राहुल गांधी ने मंगलवार को दिल्ली के रिठाला जैसे बाहरी इलाकों में लोगों के बीच जाकर राजधानी की नागरिक सुविधाओं की बदहाली की तस्वीर खुद देश को दिखाई। साथ ही दिल्ली को पेरिस बनाने के केजरीवाल के किए वादे पर तीखा तंज कसा। जाहिर तौर पर राहुल गांधी का राजधानी चुनाव में यह तेवर आप के अलावा सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद, शिवसेना यूबीटी आदि को पसंद नहीं आएगा क्योंकि ये सभी चाहते थे कि भाजपा को हराने के नाम पर कांग्रेस पूरी तरह केजरीवाल के आगे समर्पण कर दे।

दिल्ली से पहले हरियाणा चुनाव में भी आईएनडीआईए के इन दलों ने कांग्रेस पर गठबंधन के लिए दबाव बनाया। इस दबाव में कांग्रेस ने आप के साथ सीटों के तालमेल को लेकर कई दौर की बैठकें भी कीं। इसमें अशोक गहलोत, मुकुल वासनिक जैसे उसके वरिष्ठ नेता शामिल रहे।

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाकर सीएम योगी ने की लोकमंगल की कामना

महाकुंभ के प्रति देश और दुनिया का आकर्षण अद्भुत व अकल्पनीय : योगी

- सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार शिवावतार महायोगी गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई।

इस अवसर पर उन्होंने भगवान गोरखनाथ से लोकमंगल, सभी नागरिकों के सुखमय और समृद्धमय जीवन तथा राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की।

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मीडियाकर्मियों से बातचीत में सीएम ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पावन पर्व और त्योहारों की श्रृंखला में जगतपिता सूर्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक उत्सव है। पूरे देश के अंदर अलग-अलग नामों और स्वरूपों में आज सनातन धर्मावलंबी पूरी श्रद्धा के साथ इस आयोजन के साथ जुड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के अंदर उत्तर हो, दक्षिण हो, पूरब हो या पश्चिम हो, अलग-अलग नाम और रूपों में मकर संक्रांति पर्व को लोग मनाते हैं तथा उत्सव के साथ जुड़ते हैं। यह उत्सव भारत की सनातन धर्म की परंपरा में आनंद के क्षणों को एकजुटता और एकता के साथ आयोजित करने तथा अपनी खुशी के साथ पूरे समाज को जोड़ने का विशिष्ट और विराट आयोजन है। पूरब के असम में बिहू के रूप में, पंजाब में लोहड़ी के रूप में, सुदूर दक्षिण में पोंगल के रूप में, बंगाल व महाराष्ट्र में तिलवा संक्रांति के रूप में तथा उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में इस महापर्व को श्रद्धालुजन आयोजित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन मौसम का किया शुभारंभ

आज व्हाट्सऐप पर मिलता है वेदर अपडेट : मोदी

- पीएम मोदी ने मौसम वैज्ञानिकों को दी सलाह
- विश्व में भारत को लेकर भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में भाग लिया और मिशन मौसम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मौसम वैज्ञानिकों से भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि इससे देश को प्राकृतिक आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज मौसम से जुड़ा हर अपडेट व्हाट्सऐप पर मिल जाता है। यहा कारण है कि पिछले 10 सालों में कई साइक्लोन आए पर जनहानि या तो जीरो रही या सबसे कम। मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता का सबसे जरूरी सामर्थ्य होता है। प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम से कम करने के लिए हमें मौसम विज्ञान की कार्यकुशलता को अधिकतम करने की आवश्यकता होती है। विज्ञान में प्रगति और इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने से देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि अब भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने मिशन मौसम की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य अत्याधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और सिस्टम विकसित करके, उच्च-रिजोल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों एवं उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटरों को कार्यान्वित करते हुए उच्च स्तरीय क्षमता को हासिल करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मिशन का मकसद भारत को मौसम के प्रति तैयार और जलवायु के प्रति स्मार्ट राष्ट बनाना है। मिशन मौसम का उद्देश्य मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ को बेहतर बनाने, वायु गुणवत्ता डेटा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा जो लंबे समय में मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप की रणनीति बनाने में सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी मौसम संबंधी प्रगति के साथ हमारी आपदा प्रबंधन क्षमता का निर्माण हुआ है। इसका फायदा पूरी दुनिया को मिल रहा है। आज हमारा फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी मदद दे रहा है।

बिना पीओके जम्मू-कश्मीर अधूरा : राजनाथ सिंह

- आतंकवाद बंद करे पाकिस्तान, नहीं तो होंगे गंभीर परिणाम

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जम्मू के अखनूर बॉर्डर क्षेत्र में 108 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया और एक धरोहर संग्रहालय का उद्घाटन किया। और तांडा आर्टिलरी ब्रिगेड में आयोजित 9वें सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिक दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। इस संग्रहालय में जम्मू और कश्मीर में विभिन्न युद्धों में इस्तेमाल किए गए हथियारों और युद्ध नायकों की मूर्तियों का प्रदर्शन किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अतीत में जम्मू और कश्मीर के साथ पिछली सरकारों द्वारा अलग व्यवहार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र के लोग दिल्ली से उस तरह नहीं जुड़ पाए, जैसा उन्हें जुड़ना चाहिए था। मैं अतीत में नहीं जाना चाहता क्योंकि हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि हम कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच दिलों की दूरी को मिटाने के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सराहना की और कहा कि उन्होंने जम्मू और कश्मीर के लोगों और दिल्ली के बीच की दूरी को कम करने के लिए सही कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली और कश्मीर को समान रूप से देखती है।

रूसी सेना में शामिल भारतीयों को रिहा करो

- युद्ध में केरल के युवक की मौत के बाद भड़का विदेश मंत्रालय
- भारतीय दूतावास मृतक व्यक्ति के परिवार के संपर्क में है : रंधीर जायसवाल

नई दिल्ली। अगस्त, 2024 में राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के साथ हुई मुलाकात में पीएम नरेन्द्र मोदी ने रूस की सेना में भारतीयों को गलत तरीके से भर्ती किये जाने का मुद्दा सीधे तौर पर उठाया था। तब पुतिन के निर्देश के बाद रूस ने आधिकारिक तौर पर बताया था कि सेना में जितने भी भारतीय हैं, उन सभी को वापस भेजा जाएगा। लेकिन हाल ही में रूस की सेना की तरफ से बताया गया है कि एक भारतीय की मौत हो गई है। वह व्यक्ति केरल का नागरिक है। जबकि केरल का ही एक दूसरा नागरिक युद्ध में घायल है जिसका इलाज चल रहा है।

भारत सरकार ने जताई मौत पर चिंता

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि हमें रूस की सेना में भर्ती किये गये केरल के एक नागरिक की मौत होने की दुर्भाग्यपूर्ण मौत की खबर का पता चला है। भारत का एक और नागरिक जो केरल का है, घायल हुआ है और उसका इलाज वहां के अस्पतालों में चल रहा है। हम मृतक व्यक्ति के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास मृतक व्यक्ति के साथ संपर्क में है और हरसंभव मदद करने की कोशिश कर रहा है।

भारत ने इस मुद्दे को फिर से रूसी पक्ष के साथ सख्ती के साथ उठाया है। बताया जा रहा है कि भारत की आपत्ति के बाद तब रूस की सेना के लिए भर्ती करने वाली एजेंसियों ने कुछ समय के लिए भारतीय युवाओं को निशाना बनाना बंद कर दिया था लेकिन अब जब यह मामला शांत हो गया है तो उनकी तरफ से फिर से दुबई व खाड़ी के दूसरे शहरों के जरिए भारतीयों को लुभाने का काम शुरू हो गया है। रंधीर जायसवाल ने आगे बताया, मृत भारतीय के शरीर को जल्द से जल्द स्वदेश लाने की कोशिश हो रही है। घायल भारतीय को शीघ्रता से वहां से छोड़े जाने की भी कोशिश की जा रही है। साथ ही नई दिल्ली में रूसी दूतावास के साथ उठाया गया है। हमने अपनी यह मांग फिर से सामने रखी है कि जो भी भारतीय वहां की सेना में हैं, उनको जल्द से जल्द छोड़ा जाना चाहिए। भारत ने पिछले साल जब यह मुद्दा उठाया था तब रूस के नई दिल्ली स्थित दूतावास ने कहा था कि रूसी सेना को भारतीयों की जरूरत नहीं है। जो भारतीय वहां गये हैं वह अपनी मर्जी से असैनिक कार्यों के लिए ठेके पर गये हैं। जबकि रूस की सेना से जिन भारतीयों को यहां लगाया गया उनमें से कई ने बताया था कि उन्हें यह नहीं बताया गया था कि उनकी तैनाती युद्ध भूमि में होगी और वहां युद्ध में हिस्सा लेना होगा। कई भारतीयों ने भाषा की समझ नहीं होने और रूस-यूक्रेन युद्ध में सीधे भेजे जाने की बात भी कही थी। यह मुद्दा भारत ने रूस के समक्ष उठाया था। प्राप्त सूचना के मुताबिक केरल के त्रिशुर के रहने वाले बिनिल बाबू की मौत युद्ध भूमि में हुई है जबकि इसी शहर के जैन कुरियन गंभीर तौर पर घायल हुए हैं।

कुरियन ने मॉस्को स्थित एक अस्पताल में भर्ती होने के बाद अपने परिजनों से संपर्क किया जिसके बाद पूरे प्रकरण का खुलासा हुआ है।

गृह मंत्रालय ने दी सीआईएसएफ के विस्तार को मंजूरी

बल की क्षमता होगी दो लाख, पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के विस्तार के लिए दो नई बटालियनों के गठन को हरी झंडी दी है। इस निर्णय के बाद बल की क्षमता को और बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में काफी मदद मिलेगी। खास बात यह है कि इस निर्णय के बाद 2000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इस मंजूरी के बाद, सीआईएसएफ की कुल ताकत अब 2 लाख कर्मियों तक पहुंच जाएगी। यह निर्णय बल पर बढ़ते दायित्वों और सुरक्षा आवश्यकताओं को देखते हुए लिया गया है। दो नई बटालियनों के गठन के साथ बल की कार्यक्षमता में सुधार होने की उम्मीद है। गृह मंत्रालय के इस कदम से कुल 2050 नए पदों का सृजन होगा। इनमें प्रत्येक बटालियन में 1025 पद होंगे। इससे न केवल बल की ताकत बढ़ेगी, बल्कि कर्मियों के बीच काम के दबाव को भी कम किया जा सकेगा। सीआईएसएफ के महानिरीक्षक अजय दहिया ने कहा, नई बटालियनों के गठन से मौजूदा कर्मियों पर काम का दबाव कम होगा और उन्हें अधिक छुट्टियां और साप्ताहिक अवकाश के अवसर प्राप्त होंगे। हाल ही में सीआईएसएफ में महिला बटालियन के गठन को भी स्वीकृति दी गई थी। वर्तमान में बल में महिलाओं की भागीदारी केवल 7 प्रतिशत है।

कैग रिपोर्ट को जनता के लिए सुलभ क्यों नहीं बना सकते: दिल्ली हाईकोर्ट

- हाईकोर्ट ने सीएजी से दागा सवाल
- आबकारी घोटाला से जुड़े रिपोर्टों का दिल्ली सरकार पर सीधा प्रभाव

नई दिल्ली। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 14 रिपोर्टों को लेकर सार्वजनिक करने की मांग को लेकर दायर की गई ताजा याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को कैग का रुख पूछा है। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा व न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की ने कैग को यह बताने को कहा कि उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की जा सकती। अदालत ने उक्त निर्देश याचिककार्ता बृज मोहन की याचिका पर दिया। बृज मोहन ने कहा कि दिल्ली में मतदाताओं को आगामी विधानसभा चुनावों में वोट डालने से पहले राजधानी की वित्तीय स्थिति की जानकारी होनी चाहिए। याचिका में कहा गया कि कैग की रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की कुछ नीतियों की आलोचना की गई है। इसमें सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने वाली नई आबकारी नीति भी शामिल, जिसे उपराज्यपाल द्वारा जांच की सिफारिश के बाद समाप्त कर दिया गया था। याचिका में कहा गया कि आबकारी घोटाला से जुड़ें रिपोर्टें का दिल्ली सरकार पर सीधा प्रभाव पड़ा है। आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने 2 दिन पहले इस मसले पर कहा था कि यह ऐसी कौन सी कैग रिपोर्ट है जिसे अभी तक ना मुख्यमंत्री ने देखी ना ही कैग की वेबसाइट पर उपलब्ध है. ऐसी कौन सी रिपोर्ट उनके पास आ गई? उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह वही कागज है जो बीजेपी अपने ऑफिस में मैन्युफैक्चर करती है, इस कागज को कोई मानता नहीं है और तो और उन पर आरोप लगाकर बीजेपी खुद भाग जाती है।

तीन बच्चों की मौत के बाद गोविंद शुगर मिल ऐरा के गन्ना सेंटर देवीपुरवा को बंद कराने के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। धौरहरा क्षेत्र में गन्ने का ट्रक पलटने से हुई तीन बच्चों की मौत के बाद गोविंद शुगर मिल ऐरा के गन्ना सेंटर देवीपुरवा को बंद कराने के लिए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मंगलवार को टेगनहा गांव की सड़क पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। हालांकि प्रशासन के समझाने के आधे घंटे बाद ग्रामीण मान गए धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के टेगनहा गांव में सोमवार को सड़क किनारे खेल रहे चार बच्चों पर देवीपुरवा गन्ना सेंटर से गन्ना लादकर आ रहा ट्रक पलट गया था। जिससे तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि एक बच्ची घायल है। पोस्टमॉर्टम के बाद मंगलवार को शव गांव पहुंचे। सुबह करीब आठ बजे बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने देवीपुरवा गन्ना सेंटर बंद कराने और गांव से गन्ना भरे ट्रक न गुजरने देने की मांग को लेकर सड़क पर जाम लगा दिया सूचना पर एसडीएम राजेश कुमार, तहसीलदार आदित्य विशाल, सीओ प्रीतम पाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक धौरहरा सुरेश कुमार मिश्रा, खमरिया प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार उपाध्याय, ईसानगर प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार गंगवार पुलिस बल के साथ गांव पहुंच गए और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया सीओ प्रीतम पाल सिंह और एसडीएम राजेश कुमार ने चीनी मिल ऐरा के यूनिट हेड आलोक सक्सेना से देवीपुरवा गन्ना सेंटर बंद कराने के कहा जिस पर यूनिट हेड ने ग्रामीणों की मांगें मानकर सेंटर बंद कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया देवीपुरवा गन्ना सेंटर से गन्ना लादकर ओवरलोड ट्रक टेगनहा गांव में सोमवार शाम पांच बजे पलट गया था। जिसके नीचे दबने से सड़क किनारे खेल रहे रूहान, मेहनूर, आयशा और फरहीन दब गए थे।

सूचना पर प्रशासन ने जेसीबी हैड्रा लगाकर रेस्क्यू अभियान चला कर फरहीन को तो बचा लिया पर तीन बच्चों की मौत हो गई थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा ने तीनों बच्चों के शव रात पोस्टमार्टम के लिए भेजा पोस्टमार्टम के बाद तीनों शव रात गांव पहुंचे तो पूरे गांव में मातम छा गया। सुबह मृतक आयशा पुत्री हुसैन निवासी चितलहा बहराइच और मेहनूर पुत्री आरिफ़ निवासी महराज नगर धौरहरा के शव उनके परिजन अपने-अपने घर ले गए। दोपहर में तीनों बच्चों, रूहान, आयशा, मेहनूर के शव सुपुर्दे खाक किए गए।

कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूल सुबह 10.30 बजे से लेकर तीन बजे तक किए जाएंगे संचालित

लखीमपुर खीरी। जिले में सर्दी के चलते डीएम के निर्देश के बाद डीआईओएस डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने सभी स्कूलों के समय में परिवर्तन किया है। अग्रिम आदेशों तक कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूल अब सुबह 10.30 बजे से लेकर तीन बजे तक संचालित किए जाएंगे। सर्दी के मौसम में नरमी आने पर समय पहले की तरह कर दिया जाएगा।डीआईओएस डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तापमान में गिरावट, सर्द हवा ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। ऐसे में सबसे ज्यादा दिक्कतें बच्चों को होती हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए स्कूलों का समय परिवर्तित किया गया है। कहा कि जिन स्कूलों में प्रयोगात्मक परीक्षाएं संपन्न हो रही हैं, वहां पर छात्र-छात्राओं को निर्धारित समय से पूर्व बुलाने की छूट होगी।

व्यापार महोत्सव की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक में आगामी 28 जनवरी को आयोजित होने वाले व्यापार महोत्सव की तैयारियो को अंतिम रूप दिया गया। स्थानीय रेलवे रोड स्थित व्यापार भवन में आयोजित संचालन समिति की बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा ने कहा कि व्यापार महोत्सव का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक सद्भावना को बढ़ाना और नगर की प्रतिभा को उचित मंच दिलवाना हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बेस्ट कपल, बेस्ट फीमेल, बेस्ट मेल और 10 सुंदर किड्स अवार्ड भी निकाले जाएंगे। साथ ही तोल मोल के बोल फन गेम आदि का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए दिल्ली और प्रसिद्ध एंकर विनोद बजाज को आमंत्रित किया गया है और सुंदर प्रस्तुतियों के लिए भी डांस ग्रुप यहां पर बुलाया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष यशपाल मैनी व कार्यक्रम संयोजक राजकुमार विज एवं संजय भसीन ने कहा कि सभी एकजुट होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के सह संयोजक सूरज प्रकाश ठक्कर, नीरज जैन, दीपक खेड़ा, महामंत्री पुनीत चौहान व कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य अनुशासन में रहकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। सभा में मुख्य रूप से युवा के अध्यक्ष अनुभव शर्मा महामंत्री कुबेर नरूला, भारत मिगलानी, मदन लांबा, पवन गोयल, अशोक नारंग, यशपाल डाबरा, नीरज गुप्ता, मुकेश दत्ता, राघव शंकर सिंघल, जतिन गोयल, नीरज गुप्ता, अमित बजाज, संजय जुनेजा, अनिल चोपड़ा आदि व्यापारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अवैध तमंचा-कारतूस बरामद कर किया गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना भीरा पुलिस द्वारा अभियुक्त बल्ला पुत्र मंगू को अवैध तमंचा-कारतूस बरामद कर ग्राम पडरिया तुला के पास से गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना भीरा पर मु0अ0सं0 19/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मौसम विभाग ने घने कोहरे का जारी किया ऑरेंज अलर्ट

लखीमपुर खीरी। जिले में मंगलवार सुबह शहर समेत सभी ग्रामीण इलाकों में घना कोहरा दिखा। कई स्थानों पर तो दृश्यता शून्य रही, जिसके चलते हाईवे पर वाहन चालकों को आवागमन में काफी दिक्कतें हुईं। सुबह तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आज और कल घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सहारनपुर। कोतवाली रामपुर मनिहारान पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका चालान काटकर जेल भेज दिया।

कोतवाली रामपुर मनिहारान पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार, विजय सिंह, लक्ष्मण सिंह, जसपाल सिंह व आनन्दपाल सिंह के नेतृत्व में अलग-अलग मामलो में तीन वारंटी आरोपियों सूर्यकान्त पुत्र चन्द्रप्रकाश निवासी ग्राम मौहल्ला कायस्तान कस्बा व थाना रामपुर मनिहारान, गुलजार अहमद पुत्र आशिक निवासी ग्राम लण्ढौरा गुर्जर थाना रामपुर मनिहारान व यशपाल पुत्र उघल निवासी ग्राम सलेमपुर थाना रामपुर मनिहारान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया।

थाना भुता पुलिस द्वारा कुख्यात अपराधी को किया गया गिरफ्तार

बरेली। थाना प्रभारी भुता राजकुमार सिंह द्वारा अपनी टीम के साथ कुख्यात अपराधी वीरेंद्र कुमार पुत्र श्री कृष्णा निवासी बहादुरपुर थाना भुता को नाजायज असलाह व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। अपराधी वीरेंद्र कुमार के खिलाफ थाना भुता में,हत्या,लूट जैसी संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तार अपराधी वीरेंद्र कुमार थाना भुता मे शीर्ष दस अपराधियों में दर्ज है, थाना प्रभारी भुता द्वारा बताया गया की वरिष्ठतम अधिकारियों के निर्देशानुसार थाने के शीर्ष अपराधियों को जल्द से जल्द चिन्हित कर सलाखो के पीछे भेजा जाएगा ताकि कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

प्रतिबंधित चाईनीज मांझा बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। देवबन्द कोतवाली पुलिस ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने वाले एक दुकानदार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 06 चरखी प्रतिबन्धित चाइनीज मांझा बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया।

देवबंद कोतवाली प्रभारी सुनील नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक रविन्द्र कसाना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गांधी कॉलोनी से प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री करने वाले एक दुकानदार सोमपाल पुत्र मोल्हड़ निवासी मौ.गांधी कालोनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे व निशानदेही पर 06 चरखी प्रतिबन्धित मांझा बरामद कर उसका चालान काटकर जेल भेज दिया।

चाईनीज मांझे के बहिष्कार को विभिन्न संगठनों ने निकाली जागरूकता रैली

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। विभिन्न सामाजिक संगठनों व पुलिस प्रशासन द्वारा चाइनीज मांझे के विरोध में रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से चाईनीज मांझे का बहिष्कार करने की अपील की गई। पुलिस लाइन में परख रक्षा फाउण्डेशन, बजाज ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल व पुलिस प्रशासन द्वारा निकाली गई रैली को एसपी सिटी व्योम बिंदल, एसपी ट्रैफिक्र सिद्धार्थ वर्मा, सीओ अशोक कुमार सिसोदिया, प्रिंसिपल सुषमा बजाज परख संस्था अध्यक्ष अनु बजाज, डायरेक्टर सौरभ बजाज, व्यापारी रजत मित्तल, चेतन विरमानी, जिला मंत्री गुरु मेहर सिंह ने हरी झंडी रवाना कियां जागरूकता रैली पुलिस लाइन से कलेक्ट्रेट, दीवानी तिराहे से होते हुए घंटाघर पर जाकर समाप्त हुई। रैली के माध्यम से छात्रों व शिक्षकों ने लोगों को जागरूक किया कि चाइनीस मांझा हमारे लिए बहुत खतरनाक है, इसका प्रयोग बंद होना चाहिए। पार्श्वनाथ प्लाजा में सेंट मैरिज स्कूल के छात्रों ने एक नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को संदेश दिया कि चीनी मांझे का प्रयोग बंद करना होगा। इससे मानव जाति के साथ-साथ पशु पक्षियों की जान को भी खतरा है। इस अवसर पर

अधिकारियों द्वारा आम जनता से अपील की गई और लोगों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एसपी सिटी व्योम बिंदल, एसपी ट्रैफिक्र सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि चाइनीज मांझे के लिए अभियान चलाया जा रहा है कहीं पर भी अगर इसकी बिक्री की सूचना मिले, तो आम जनता द्वारा 112 पर इसकी सूचना दें।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, चार बाईके बरामद

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना नानौता पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। पुलिस ने दबोचे गये आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार बाईक व एक फर्जी नम्बर प्लेट बरामद कर उनका चालान काटकर जेल भेज दिया।

थाना नानौता प्रभारी सचिन पुनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात्रि उनके व उपनिरीक्षक धीरज सिंह व लोकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान देवबंद रोड, रेलवे फाटक के पास से दो शातिर वाहन चोरों संजू पुत्र करन व कृष्ण पुत्र मोहर सिह निवासीगण ग्राम खुडाना थाना नानौता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दबोचे गये आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार बाईक व एक फर्जी नम्बर प्लेट बरामद कर ली। थाना प्रभारी सचिन पूनिया ने बताया कि पूछताछ में दबोचे गये आरोपियो ने खुलासा किया कि हमने अपने दो अन्य साथियो के साथ मिलकर बरामद एक बाईक करीब 04 माह पहले झबरेडा के पास मन्दिर से चोरी की थी तथा अन्य बाईके सहारनपुर व आसपास के जनपदो से चोरी की थी। उन्होने बताया कि हम बाईको को बेचने की फिराक में थे कि तभी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया।

100 चरखी चाईनीज मांझे के साथ दो दुकानदार दबोचे

सहारनपुर। मण्डी कोतवाली पुलिस ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने वाले दो दुकानदारों को दबोचकर उनके कब्जे से 100 चरखी प्रतिबन्धित चाइनीज मांझा बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनो आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया। मण्डी कोतवाली प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक अतुल कुमार, राजकुमार त्यागी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर खाताखेड़ी जाने वाले रास्ते से स्कूटी सवार दो आरोपियों फरहान पुत्र अतीक अहमद निवासी सराय मर्दान अली थाना मण्डी व मौहम्मद सुहेल पुत्र अब्दुल हफिज निवासी पुरानी मण्डी सराय हिसामुद्दीन थाना मण्डी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो प्लास्टिक के कट्टे मे प्रतिबन्धित चाईनीज माँझे की 100 चरखी बरामद कर ली तथा दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 223 (बी)/125 बीएनएस व 5/15 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम-1986 के तहत मुकदमा दर्ज कर उनका चालान काटकर जेल भेज दिया।

नेहरु मार्किट व रायवाला क्षेत्रों में आज भी नहीं लगा मंगल बाजार

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा आज भी नेहरु मार्किट, जुबली

पार्क, लोहानी सराय, तिब्बती मार्किट, प्रताप मार्किट, रायवाला व प्रताप नगर आदि बाजारों में मंगल बाजार नहीं लगने दिया गया। जिलाधिकारी का साप्ताहिक बंदी का आदेश भी पूरी तरह लागू कराया गया।

नगरायुक्त संजय चौहान के आदेश पर आज भी अपर नगरायुक्त राजेश यादव के नेतृत्व में निगम के अधिकारी, प्रवर्तन दल व थाना कोतवाली तथा थाना मण्डी पुलिस ने रायवाला, प्रताप नगर तथा नेहरु मार्किट, जुबली पार्क, लोहानी सराय, प्रताप मार्किट, तिब्बती मार्किट व भगत सिंह मार्ग की पूरी तरह नाकेबंदी कर उक्त बाजारों में सुबह से ही डेरा डाल लिया था। जिसके कारण आज उक्त बाजारों में किसी भी वेंडर को फड़ (थला) नहीं लगाने दिया गया। निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को भी समझाया कि जिलाधिकारी के साप्ताहिक बंदी के आदेशों का उल्लंघन कर यदि कोई दुकानदार अपनी दुकान खोलता है तो उसका चालान करया जायेगा।

नगर निगम द्वारा गत् दिवस ही सुबह और को ही एनाउंस करा दिया गया था कि मंगल बाजार केवल मेला गुघाल स्थल पर मंगल बाजार के लिए आरक्षित स्थान पर ही लगेगा और साप्ताहिक बंदी भी पूरी तरह लागू करायी जायेगी, जिसके चलते आज वेंडर तो उक्त बाजारों में नहीं आये लेकिन कुछ दुकानदार अपनी दुकानों पर पहुंचे, पर निगम और श्रम विभाग की सख्ती देखते हुए उन्होंने भी दुकान खोलने का प्रयास नहीं किया। अपर नगरायुक्त राजेश यादव ने बताया कि फड़ लगाने वाले वेंडरों ने आज मंगल बाजार के लिए आरक्षित मेला गुघाल स्थल पर ही अपनी फड़ लगायी है। इसके अलावा दुकानदार भी अब व्यवस्था को बनाये रखने में सहयोग कर रहे हैं। आज रायवाला क्षेत्र और नेहरु मार्किट क्षेत्र के बाजारों में साप्ताहिक बंदी पूरी तरह लागू रही है।

नेहरु मार्किट में अपर नगरायुक्त राजेश यादव के अतिरिक्त अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा, प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच बी गुरुंग, इंस्पैक्टर कोतवाली धर्मेन्द्र गौतम तथा रायवाला में कर अधीक्षक सुरेंद्र सिंह, प्रवर्तन दल के कैप्टन नरेश व दल के जवान, निगम के सुरक्षा अधिकारी हरिप्रकाश कसाना, राजस्व निरीक्षक लोकेश व मनीष तथा थाना मण्डी पुलिस के जवान मौजूद रहे।

पांच स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर बाबा साहेब को सम्मान दियाः धर्मवीर

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के होम गार्ड्स व नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब से जुड़े पांच स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर बाबा साहेब को सम्मान दिया।

धर्मवीर प्रजापति आज यहां सेठ गंगा प्रसाद माहेश्वरी सभागार में भाजपा द्वारा संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बाबा साहेब के सपनों का भारत बनाने की दिशा में काम कर रही है। बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया है जिनमे एक सुदूर लंदन में है जहां उन्होंने उच्च शिक्षा ग्रहण की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृव में भाजपा सरकार ने भारत की संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने के

उपलक्ष्य में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया। उन्होंने कहा कि डॉ भीम राव अम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने सामाजिक और लैंगिक न्याय को बढ़ावा दिया, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण और विधायिकाओं में महिलाओं के लिए तेंतीस प्रतिशत आरक्षण जैसे कदम उठाए जो कि भारत को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में कारगर हैं। मोदी सरकार ने अनुछेद 370 को हटाया और इसने जम्मू कश्मीर में जनजातीय समुदायों को आरक्षण का लाभ सुनिश्चित किया और इस क्षेत्र को भारत के संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ा गया। भाजपा सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पेश किया जो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में उत्पीडन का सामना कर रहे अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करता है। इस अधिनियम के तहत अधिकांश लाभार्थी दलित और जनजातीय समुदाय से हैं।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि भाजपा समान नागरिक संहिता को लागू करने के प्रयास कर रही है जिसे डॉ आंबेडकर ने बढ़ावा दिया। यूसीसी सभी समुदायों के लिए व्यक्तिगत कानूनों में समानता और एकरुपता सुनिश्चित करता है।

संगोष्ठी में नगर विधायक राजीव गुम्बर, एससी आयोग के सदस्य महिपाल वाल्मीकि, कार्यक्रम संयोजक महामंत्री विपिन कुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, शीतल विश्नोई, योगेश कुमार, जयराम गौतम, गौरव गर्ग, हंसराज गौतम, विश्वदयाल छोटन, नरेश धनकर, संजय सूर्या, मुकुल वाल्मीकि, अमित चौधरी, मनीष साहनी, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा आदि मौजूद रहे। संचालन भाजपा जिला महामंत्री पवन सवई ने किया।

पुलिस की शानदार पहलः मकर संक्रांति पर खिचड़ी सहभोज का आयोजन

भावना

> कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच सामुदायिक भावना को बढ़ावा देना और मकर संक्रांति की परंपरा को जीवंत रखना था।

अवधनामा संवाददाता

बरेली। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कोतवाली परिसर में एक भव्य खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच सामुदायिक भावना को बढ़ावा देना और पर्व की परंपरा को जीवंत रखना था।

इस आयोजन में एडीजी रमित शर्मा, आईजी राकेश सिंह, डीएम रविन्द्र कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक, और क्षेत्राधिकारी (सीओ) पंकज श्रीवास्तव ने सहभागिता की और पुलिसकर्मियों व अन्य अतिथियों के साथ मिलकर खिचड़ी भोज का आनंद लिया।

सामुदायिक भावना को बढ़ावा

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच सामुदायिक भावना को बढ़ावा देना और मकर संक्रांति की परंपरा को जीवंत रखना था। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा, मकर संक्रांति सिर्फ एक पर्व नहीं है, यह हमारे समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन न केवल पुलिस परिवार को एकजुट करते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक संदेश देते हैं।

पुलिसकर्मियों और परिवारों की सहभागिता

इस अवसर पर पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों ने भी हिस्सा लिया। कोतवाली परिसर में माहौल बेहद उत्साहपूर्ण और उत्सवमय रहा। खिचड़ी के साथ तिल-गुड़ के लड्डुओं और पारंपरिक व्यंजनों ने इस आयोजन को और खास बना दिया।

समाज और पुलिस के बीच संबंधों को मजबूत बनाना

सहभोज में स्थानीय लोगों और गणमान्य अतिथियों ने भी भाग लिया, जिससे पुलिस और समाज के बीच सहयोग और समरसता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत हुआ। मकर संक्रांति के इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं और पर्व की मंगलकामना की।

इस तरह के आयोजनों से समाज और पुलिस के बीच संबंध मजबूत होते हैं और आपसी विश्वास बढ़ता है। यह पहल पुलिस की सामुदायिक भावना और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आगरा से अहमदाबाद फ्लाइट शुरू, फ्लाइट सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी

आगरा। आगरा से अहमदाबाद फ्लाइट मगंलवार से शुरू हो गई है। आगामी फ्लाइट के लिए भी बुकिंग चल रही है। आगरा से अहमदाबाद के लिए यह फ्लाइट 78 सीटर का प्लेन है। यह फ्लाइट सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। आगरा से यह चौथे महानगर के लिए फ्लाइट शुरू हुई। पहले आगरा से बंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद के सीधे फ्लाइट थी। जानकारी अनुसार अहमदाबाद से आगरा के लिए फ्लाइट सुबह 11 बजकर 35 मिनट से उड़ान भरेगी जो कि आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पर दो घंटे बाद यानी दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर आ जाएगी। आगरा से दोपहर 1 बजकर 55 मिनट पर अहमदाबाद के लिए फ्लाइट जाएगी जो कि वहां शाम 4 बजे तक पहुंच जाएगी। आगरा से गोवा, कोलकाता, वाराणसी, अमृतसर, देहरादून के साथ ही इंदौर, जयपुर, रांची और पटना के लिए सबसे अधिक फ्लाइट की डिमांड की जा रही है। बता दें कि आगरा और आसपास के कपड़ा व्यापारी लंबे समय से अहमदाबाद और सूरत तक फ्लाइट चलाने की मांग कर रहे हैं। व्यापारी अपनी मांग केंद्रीय मंत्री के सामने भी रख चुके हैं। इसके शुरू होने से आगरा और आसपास के कपड़ा व्यापारियों का अब समय बचेगा। क्योंकि, सूती कपड़ों के कारोबार के लिए व्यापारी गुजरात के सूरत और अहमदाबाद आते-जाते रहते हैं। अभी व्यापारी ट्रेन से अहमदाबाद और सूरत जाते हैं। मगर, अब फ्लाइट शुरू होने से एक दिन रुककर ही व्यापारी आगरा लौट सकेंगे। इससे उनके समय की बचत होगी।

ट्रेनी महिला दारोगा व आरक्षी ने ली रिश्वत तो पुलिस कमिश्नर ने किया निलंबित, पासपोर्ट सत्यापन के दौरान घूस लेने के आरोप

अवधनामा संवाददाता

आगरा। आगरा पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड लगातार पुलिस की छवि को सुधारने के लिए पहल कर रहे हैं। मगर, पुलिसकर्मी सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। पुलिस कमिश्नर के आदेश के बाद भी पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर घूस ली गई। फीडबैक सेल में ये शिकायत आई तो पुलिस कमिश्नर ने छाता थाने में तैनात प्रशिक्षु महिला दरोगा दीप्ति रानी और लोहामंडी थाना के आरक्षी अजय बालियान को सोमवार देर शाम निलंबित कर दिया। आरोप है कि दोनों ने पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर तीन आवेदकों से घूस मांगी थी।

बता दें कि पुलिस कमिश्नर ने रिश्वत और अन्य कार्य को लेकर फीड बैक सेल बनाई थी। इसमें शिकायत आई कि पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही है। पुलिस कमिश्नर ने प्रशिक्षु आइपीएस आलोक राज से शिकायतों की जांच कराई। आरोप सही पाए गए। जिसके बाद पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने आरोपी पुलिसकर्मियों के निलंबन की कार्रवाई की है। इसके साथ ही दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच कराई जा रही है। आगरा में पुलिस कर्मियों द्वारा अवैध वसूली के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं।

जानकारी अनुसार पहला मामला लोहामंडी थाना क्षेत्र के गोकुलपुरा स्थित कंघी गली का है। यहां की सगी बहन हबीबा और अफीफा ने पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। लोहामंडी थाना में तैनात आरक्षी अजय बालियान को फाइल मिली। जिस पर आरक्षी अजय बालियान सत्यापन के लिए आवेदिका के घर पहुंचे।आरोप है कि आरक्षी ने दोनों बहन से 400-400 रुपये मांगे। कहा कि तभी सत्यापन की रिपोर्ट लगाई जाएगी। बहनों ने फीड बैक सेल में शिकायत की। इस पर जांच की गई। जांच रिपोर्ट के बाद पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने आरक्षी अजय बालियान को निलंबित करके विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

वही दूसरा मामला छाता थाना क्षेत्र में जीवनी मंडी की कृष्णा कॉलोनी का है। यहां के अवनीश कौर ने पासपोर्ट बनाने के लिए आवेदन किया था। पासपोर्ट सत्यापन करके रिपोर्ट लगाने के लिए फाइल छाता थाने में तैनात प्रशिक्षु महिला दरोगा दीप्ति रानी को मिली। अवनीश कौर का आरोप है कि महिला दरोगा ने एक हजार रुपये घूस ली। घर आकर सत्यापन तक नहीं किया। एसआई दीप्ति रानी ने आवेदिका की बहन और मां को 10 दिसंबर 2024 को थाना पर बुलाकर और घूस ली।

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि फीडबैक सेल ने आवेदकों को कॉल करके पासपोर्ट सत्यापन की जानकारी ली। इस दौरान आवेदकों ने सत्यापन के नाम पर रुपये लेने की बात बताई। इसकी जांच कराने पर आरोप सही पाए गए। इसके बाद प्रशिक्षु दरोगा और आरक्षी पर निलंबन की कार्रवाई की गई। दोनों पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय जांच भी कराई जा रही है।

नये साल में संगठन टीम का कैप्टन बदल देगी भाजपा और कांग्रेस

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियां नये साल में जिले में संगठन का कैप्टन बदल देंगी। दोनों पार्टियों में जिला अध्यक्ष के नाम पर मंथन चल रहा है। दलितों के बीच खोए हुए जनाधार को वापस लाने के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए दलित कार्ड खेल सकती है। भाजपा में ओ बी सी को संगठन की कमान सौंपने के लिए मंथन चल रहा है।

भाजपा में लगातार तीन टर्म से ब्राह्मण जिला अध्यक्ष पद पर हैं। कांग्रेस ने योगेन्द्र मिश्र के बाद व्यवसाई प्रदीप सिंघल को जिला अध्यक्ष बनाया है। भाजपा इस बार किसी ओ बी सी तो कांग्रेस दलित लीडर को संगठन की कमान सौंपने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा में 23नेताओं ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है, जबकि कांग्रेस में 17 नेताओं ने कांग्रेस हाईकमान तक अपना बायोडाटा पहुंचाया है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस इस बार किसी दलित लीडर को जिला अध्यक्ष बनाएगी।एक पूर्व विधायक का नाम जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे है। अमेठी और रायबरेली के संगठन में किसी को पदाधिकारी बनाने में गांधी परिवार की सहमति अनिवार्य मानी जाती है। राहुल गांधी और प्रियंका का हाथ किसके सिर पर जाएगा।

इस बात को लेकर कांग्रेस खेमे में कयासों का दौर तेज है। जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल के साथ डा नरेंद्र मिश्र,डा देवमणि तिवारी, विजय पासी , अनिल सिंह, अशोक सिंह हिटलर, राजकुमार यादव सहित सत्रह नेता जिला अध्यक्ष बनने की लाइन में हैं। कई युवा चेहरे भी दौड़ में शामिल हैं। पार्टी नेतृत्व का फैसला 26 जनवरी के बाद आने की संभावना है।

बसपा -सपा में कोई चर्चा नहीं

बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी में संगठन में फेरबदल को लेकर कोई चर्चा नहीं है। दोनों दलों में जिला अध्यक्ष बदलने की बात करने वाले नेताओं को साइलेंट होकर संगठन का काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

मकर संक्रान्ति के शुभ अवसर पर निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर

अवधनामा संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। संत रविदास समाज कल्याण संस्थान सलेमपुर देवरिया के सौजन्य से स्थानीय आजाद नर्सिंग होम एण्ड आई केयर सेन्टर के चिकित्सको की टीम द्वारा रामपुर बुजुर्ग स्थित सन्दीप सिह के आवास के प्रांगण मे निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। आजाद नर्सिंग होम के डा. विशाल कुमार सिह (पूर्व चिकित्सक राज आई हास्पिटल गोरखपुर) की टीम मे सहायक पवन कुमार, सौरभ कुमार, रिया सिह,रागीनी पाण्डेय एवं ब्यवस्थापक झुल्लन पाण्डेय उपस्थित थे। इस शिविर में रामपुर बुजुर्ग, रजडीहा, बालेपुर के कुल 47 लोगो की आंखो की जाँच किया गया और परामर्श दिया गया। लगभग 9 लोगो को निशुल्क दवा भी उपलब्ध करायी गयी , एवं जरूरतमंद लोगो को मात्र 200 रूपये में नजर का जनता चश्मा भी उपलब्ध कराया गया ।इस शिविर की अध्यक्षता ओमप्रकाश सिंह ने किया। इस अवसर पर राजेश सिंह विकास सिह, शंभू गुप्ता, दीनदयाल सिंह इत्यादि गणमान्य लोगो के साथ अनेक महिलाए और पुरुष उपस्थित थे। अन्त मे संस्था के ब्यवस्थापक डा. अवधेश कुमार गौतम ने सभी आगन्तुको का आभार ब्यक्त करते हुए कहा कि संत रविदास समाज कल्याण संस्थान जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य मे ऐसे आयोजन और भी होते रहेगें। शिविर के आयोजक सन्दीप सिंह ने आजाद नर्सिंग होम सलेमपुर की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने अल्प समय मे हमारे अनुरोध को स्वीकार कर इतना सफल आयोजन सम्पन्न कराकर संस्था ने हमे और समस्त ग्रामवासियो को अभिभूत कर दिया है।

ओमप्रकाश सिंह ने समस्त ग्रामवासियो की तरफ से संस्थान और आजाद नर्सिंग होम के समस्त टीम का आभार व्यक्त किया।

नोडल अधिकारी ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

अमेठी। सोमवार को शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी पंकज कुमार, प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड लखनऊ की अध्यक्षता नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों (सीएम डैशबोर्ड), राजस्व कार्यों, निर्माण कार्यों व कानून व्यवस्था को लेकर जनपदीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी निशा अनंत, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नोडल अधिकारी ने सर्वप्रथम पूर्वदशम/दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा किया योजना के तहत लंबित आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि सभी पात्र बच्चों का आवेदन कराया जाए कोई भी बच्चा छात्रवृत्ति से छूटने न पाए। शासन स्तर से छात्रवृत्ति को लेकर जो भी अंतिम तिथि निर्धारित की गई है उससे पूर्व सभी आवेदन पत्रों को फॉरवर्ड कर दिया जाए।

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत अनुशासन और गुरुजनों का सम्मान करने का दिया संदेश

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवां ब्लॉक के शारदा प्रसाद रावत जनता इंटरमीडिएट कॉलेज सिधौली में नए सत्र की शुरुआत फीता काटकर के पारंपरिक अंदाज में रामायण एवं हवन में आहुति देने के साथ नए सत्र का शुभारंभ किया गया । इस मौके पर विद्यार्थियों को शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत और खुद पर विश्वास के साथ गुरुजन का सम्मान का संदेश भी इस बार दिया गया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यशपाल सिंह रावत ने कहा कि गांव स्तर पर स्कूल का संचालन सराहनीय कार्य है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा। मौके पर प्रबंधक अजीत सिंह यादव संचालक हरेंद्र शुक्ला सहसंचालक सनत कुमार उर्फ राजन प्रधानाचार्य प्रशांत कुमार राम सिंह तारकेश्वर प्रसाद गनेश यादव प्रदिप यादव सिंटू मिश्रा राधेश्याम यादव शैलेंद्र प्रताप सिंह वीरेंद्र राय इंद्रजीत बारी सहित अन्य मौजूद थे।

तहसीलदार विक्रम सिंह चाहर ने कम्बल वितरित किये

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद की तहसील कायमगंज प्रांगण में मकर संक्रांति के अवसर पर कायमगंज तहसील के तहसीलदार विक्रम सिंह चाहर ने बुजुर्ग गरीब बेसहारा एवं विधवा महिलाओं को कम्बल वितरित कर सर्दी से बचने की सलाह दी। इस मौके पर देश के प्रथम मुस्लिम देहदानी एवं समाजसेवी डॉ अरशद मंसूरी, गौरव कुमार गुप्ता, कानूनगो जगदीप यादव व लेखपाल मौजूद रहें।

चिंतन शिविर में ट्रांसजेंडरों ने रखी मांग मुझे भी मिले पहचान और सम्मान

अवधनामा संवाददाता

बस्ती। मकर संक्रांति के अवसर पर ट्रांसजेंडरों के उत्थान के लिए कार्य कर रही संस्था इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी और समाज कल्याण के संयुक्त तत्वाधान में बस्ती के भव्या पैलेस में एक दिवसीय ट्रांसजेंडर उत्थान चिंतन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग प्रतिभाग कर अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। मुख्य अतिथि रहे समाज कल्याण अधिकारी श्री प्रकाश पांडे ने सरकार की ओर से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए चलाई जा रही योजनाओं को साझा करते हुए कहा कि टीजीटी कार्ड बनवाकर समुदाय के सभी लोग योजनाओं का लाभ लें।

श्री पांडे ने अभी कहा की इंदिरा चैरिटेबल सोसायटी संस्था की पहल पर अन्य जनपदों की अपेक्षा बस्ती में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों के लिए तमाम योजनाएं लाई जा रही हैं। जिसमें संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने ट्रांसजेंडर सुविधा के लोगों से अपील किया कि वह शिक्षा से जुड़े सरकार हर स्तर पर उनके सहयोग के लिए तैयार है। संस्था की सचिव गुरू काजल किन्नर ने समुदाय के विभिन्न समस्याओं को चिंतन शिविर में रखा। चिंतन शिविर का शुभारंभ समाज कल्याण अधिकारी श्री प्रकाश पांडे ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में आधा दर्जन से अधिक ट्रांसजेंडर ने समाज कल्याण अधिकारी से सरकार की नीतियों को लेकर सवाल किया। इंदिरा चैरिटेबल सोसायटी के सीईओ अजय पांडे ने कहा कि संस्था का उद्देश्य है ट्रांसजेंडर समुदाय को उनकी पहचान दिलाना और उचित मंच दिलाना जिससे वह आत्मनिर्भर बन सके। शिविर के बाद खिचड़ी सहभोज का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ दिनेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तीन तस्कर गिरफ्तार

भाटपार रानी, देवरिया। श्रीरामपुर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मोटरसाइकिल व ट्रक पर लादकर बिहार ले जा रहे अवैध शराब के साथ कुल तीन तस्करों को धर दबोचा। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब के अवैध धंधेबाजों में खलबली मची हुई है।
वहीं आए दिन श्रीरामपुर पुलिस द्वारा शराब तस्करों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की क्षेत्र में खूब चर्चा हुई हो रही है। श्रीरामपुर थानाध्यक्ष कल्याण सिंह सागर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाना के एसआई अंकित सिंह,हेड कांस्टेबल शाहनवाज अली द्वारा थाना क्षेत्र के बंकूल पुल स्थित झरही नदी के पास मोटरसाइकिल पर लादकर बिहार ले जा रहे शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया।
उसकी पहचान बिहार के सिवान जिले के नौतन थाना क्षेत्र के खलवा गांव निवासी सोनू कुमार पुत्र स्व0 मोहन भगत के रूप में हुई।उसके पास से कल 63 लीटर अवैध देशी शराब बंटी बबली व एक अदद मोटरसाइकिल बरामद की गई।

भूतपूर्व सैनिकों से की सड़क सुरक्षा की अपील एनसीसी कैडेट्स ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत आज डी एन पी जी कॉलेज फतेहगढ़ के मैदान पर आर्म्ड फोर्सज वेटरन्स डे के अवसर पर एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत ने सभी पूर्व सैनिकों से सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन करने की अपील की। एआरटीओ ने कहा की अनुशासन सशस्त्र बलों की नींव है यदि हम मार्ग पर अनुशासन से अपने वाहनों का संचालन करेंगे तो हम स्वयं तथा अपने देशवासियों को सड़क दुर्घटनाओं के दंश से मुक्त कर सकेंगे। जनपद फर्रुखाबाद में वर्ष 2024 में 390 सड़क दुर्घटनाओं में 213 व्यक्तियों की मृत्यु से हुई अपूर्णीय क्षति का उल्लेख भी किया गया ।सभी पूर्व सैनिकों से अपील की गई कि वह रोड सेफ्टी चैंपियन के रूप में अपने कर्तव्य को निभाएं तथा देश के नागरिकों के अमूल्य जीवन की रक्षा करें। डीएन कॉलेज के मैदान में उपस्थित एनसीसी कैडेट्स को भी सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई तथा उन्हें सड़क सुरक्षा शपथ दिलायी गई । यूपी 12 बटालियन एनसीसी के कैडेट्स ने प्रण लिया कि वे सदैव सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करेंगे तथा अन्य को भी प्रेरित करेंगे। म्युनिसिपल इंटर कॉलेज के प्राचार्य लेफ्टिनेंट गिरजा शंकर ने भी कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर 12 यूपी बटालियन के सूबेदार सुरेश कुमार ने भी अपने विचार रखें।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसन्धान परिषद के चेयरमैन का कायमगंज में हुआ भव्य स्वागत

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद के कस्बा कायमगंज में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसन्धान परिषद के चेयरमैन दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री कैप्टेन विकास गुप्ता का कायमगंज स्थिति भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के नेता एवं समाजसेवी डॉ अरशद मंसूरी के आवास पर स्वागत किया गया। भाजपा नेता डॉ अरशद मंसूरी ने पुष्पमाला पहनाकर राज्यमन्त्री कैप्टन विकास गुप्ता का स्वागत कर मकर संक्रांति की बधाई दी। इस दौरान राज्यमन्त्री ने डॉ अरशद मंसूरी के पुत्र बी. ए. ए. अज़हर से भी मुलाक़ात कर हालचाल जाना। कायमगंज के बाद राज्यमन्त्री शैलेन्द्र गुप्ता के खिचड़ी भोज कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फतेहगढ़ रवाना हो गये।

ग्राम रोजगार सेवकों का प्रतिनिधि मण्डल सूर्यप्रताप शाही से मिला

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। आज ग्राम रोजगार सेवकों के मानदेय वृद्धि करने हेतु कृषिमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सूर्यप्रताप शाही से ब्लाक अध्यक्ष पथरदेवा बड़े भाई विनोद राव के नेतृत्व में ग्राम रोजगार सेवकों का प्रतिनिधि मण्डल ने शिष्टाचार भेंट कर मकर संक्रांति की शुभकामनाए व साथ ही मानदेय वृद्धि करने हेतु सम्बोधित ज्ञापन दिया गया। इस दौरान साथ में जिला उपाध्यक्ष रंजित राव, सूरज प्रताप यादव, विजय बहादुर गौतम, अनोखेलाल भारती, श्रीनिवास सिंह, हृदयानंद सिंह व बड़ी संख्या में पथरदेवा ब्लाक के ग्राम रोजगार सेवक साथी गण उपस्थित रहे।

एकजुटता का संदेश देतें हैं हमारे पर्व : शशांक

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। भारतीय संस्कृति की पहचान हैं हमारे पर्व और त्यौहार। मकर संक्रांति जैसे महापर्व हमारे समाज में एकजुटता और आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। उक्त बातें सदर सांसद शशांक मणि ने शहर के नई बाजार सब्जी मंडी में आयोजित खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों और ऋषि मुनियों ने भारतीय त्यौहारों को मनाने की जो परंपरा बनाई है उसमें वैज्ञानिकता छुपी हुई है। मकर संक्रांति पर खिचड़ी बनाने और खाने की परंपरा के पीछे धार्मिक, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक कारण छिपे हैं, खिचड़ी में दाल, चावल, और सब्जियों का संतुलित मिश्रण होता है, जो ठंड के मौसम में शरीर को गर्म और ऊर्जावान बनाए रखता है। तिल और गुड़ के साथ इसका सेवन पाचन और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। उन्होंने गोरखपुर रोड स्थित ओवरब्रिज के नीचे सब्जी व्यवसाई सेवा समिति द्वारा आयोजित सेवा व दान कार्यक्रम एवं कंबल व महाप्रसाद वितरण के कार्यक्रम में लोगों को खिचड़ी खिलाई और गरीबों को कंबल वितरित किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेम अग्रवाल, नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा, दिवाकर मिश्रा, दीपक वर्मा, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खिचड़ी सहभोज व कम्बल वितरण का हुआ आयोजन

भटनी (देवरिया) अवधनामा संवाददाता। स्थानीय विकास खण्ड के ग्राम साहोपार टोला महदेवा में पूर्व की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम का आयोजन पूर्व ग्राम प्रधान रामनरेश सिंह के आवास पर आयोजित हुआ। इसके साथ गरीब और जरूरतमंद लोगों में तीन सौ कम्बल वितरित किया गया। कम्बल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी सहभोज का आयोजन विजय प्रताप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हुआ। कड़ाके की ठंड को देखते हुए इस मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान रामनरेश सिंह ने गरीबों में तीन सौ कम्बल वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर उदय प्रताप सिंह, तेजप्रताप सिंह, अशोक तिवारी, राम एकबाल कुशवाहा, अर्जुन यादव, अमित उर्फ बड़े, राम सनेही कुशवाहा, अवध कुशवाहा, सुशील कुमार सिंह, जगदीश यादव, राजेन्द्र खरवार, वीरेंद्र प्रसाद, सुखारी प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डाबर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से अनुरागिनी संस्था ने वितरित किए न्यूट्रीशनल ड्रिंक

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। मकरसंक्रांति के अवसर पर उपायुक्त सहकारिता कानपुर मण्डल कानपुर रविन्द्र सिंह सेंगर की अध्यक्षता में मॉडल ग्राम पंचायत जलालपुर डेरापुर सन्दलपुर के मिनी गेस्ट हाउस में आयोजित सहकार समरसता खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें सहकारी समिति सन्दलपुर से जुड़े क्षेत्रीय किसान साथियों से समिति पर आधारित विषयों पर चर्चा की गयी साथ ही सैकड़ों किसान साथियों को कम्बल वितरित किए गये। कार्यक्रम में डाबर इंडिया लि के सहयोग से अनुरागिनी संस्था द्वारा जूस वितरित किए गए। इस मौके पर उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ प्रवीण सिंह जादौन ने सभी को सहकारिता से सामाजिक समरसता की बात कही। कार्यक्रम का संयोजन सहकारिता के जनमेजय सिंह गौर ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष क्रय-विक्रय झीझक नरेश सिंह सेंगर अपर जिला सहकारी अधिकारी मनोज कुमार अध्यक्ष सहकारी समिति सन्दलपुर विनोद कटियार, सचिव मुकेश गुप्ता, विवेक तिवारी, आनंद तिवारी डा गौरव सरोवर सिंह आदि उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या C4604355 में त्रुटिवश मेरे पति का नाम MO SHADIK दर्ज हो गया है मेरे पति का सही नाम MOHAMMAD SADIQ है जो मेरे सभी अन्य दास्तांवेजो मे दर्ज है।

शबनूर पत्नी मोहम्मद सादिक़ ग्राम सोनखरी रामपुर भगन अयोध्या।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या M4376779 में मेरा नाम की स्पेलिंग त्रुटिवश IMTIAZ HUSAIN दर्ज हो गई है मेरे नाम की सही स्पेलिंग IMTIAZ HUSSAIN जो मेरे सभी अन्य अभिलेखों मे दर्ज है।

इम्तियाज़ हुसैन
पुत्र मुख्तार हुसैन
50/99 हुसैनगंज थाने के पीछे
हुसैनगंज, लखनऊ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम जायदा अंसारी से बदलकर जायदा रख लिया है अब भविष्य मे मुझे जायदा (JAIDA) के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

जायदा
मो रियाज़ भकारिया
टोला बेल्हारा जिला बाराबंकी।

खिचड़ी मेले में श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

- योगी सरकार की तरफ से हुए इस अभिवादन पर अभिभूत हुए श्रद्धालु
- श्रद्धालुओं ने खूब लगाए शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ के जयकारे

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले में आए लाखों श्रद्धालु योगी सरकार की तरफ से किए गए अभिवादन से अभिभूत हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खिचड़ी मेले में आए श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। इस अभूतपूर्व स्वागत से हर्षित श्रद्धालुओं ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ के खूब जयकारे लगाए और मुख्यमंत्री के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की। गोरखनाथ मंदिर का खिचड़ी मेला श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में अभूतपूर्व रहा तो उनका स्वागत भी दिल जीतने वाला रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देश पर मेले में आए श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। आसमान से अपने ऊपर स्वागत के फूल गिरते देख श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। पुष्पवर्षा के साथ पहले से गुंजित गुरु गोरक्षनाथ के जयकारे की गति तेज और ध्वनि गगनभेदी हो गई। श्रद्धालुओं ने कहा कि मुख्यमंत्री की यह पहल हृदय को स्पंदित करने वाली है।

मक़सूद भोपतपुरी को पूर्व जिला जज ने किया सम्मानित

देवरिया। मंगलवार को मकर संक्रांति के मौके पर भाटपार रानी तहसील क्षेत्र के भवानी छापर गांव निवासी पूर्व जिला जज व उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य दिनेशचन्द्र सिंह ने भवानी छापर बाजार स्थित हनुमान धाम मंदिर के प्रांगण में आयोजित खिचड़ी भंडारा के दौरान कवि, शायर, पत्रकार व समानिक चिन्तक मक़सूद अहमद भोपतपुरी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।इस दौरान पूर्व जिला जज श्री सिंह ने कहा कि मक़सूद भोपतपुरी उत्कृष्ट पत्रकारिता का मिसाल पेश करते हुए क्षेत्र की जन समस्याओं के साथ ही दबे-कुचले,असहाय व पीड़ित लोगों की आवाज को अपनी लेखनी के माध्यम से बुलन्द करते रहते हैं। वहीं हिंदी व उर्दू साहित्य के जरिए समाज में अमन, शांति, प्यार, भाईचारे, समाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता, देशभक्ति, सर्वधर्म समभाव व मुल्क की गंगा-जमुनी तहजीब को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे कलमकार का सम्मान करना प्रत्येक जिम्मेदार लोगों का कर्तव्य है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

अनारक्षित कुम्भ मेला स्पेशल रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

महाकुम्भ–2025 के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा पूर्वघोषित अनेक अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियों के साथ–साथ निम्नलिखित अतिरिक्त अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

04251/04252 प्रयाग जं. – अयोध्या कैंट – प्रयाग जं. अनारक्षित कुम्भ विशेष एक्सप्रेस — 80 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04251 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04251 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04252 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04252 प्रस्थान
----	20:30	प्रयाग जं.	19:55	----
23:55	----	अयोध्या कैंट	----	15:45

चलने के दिन : 04251 प्रयाग जं. से एवं 04252 अयोध्या कैंट से दिनांक 17.01.2025 से 28.02.2025 तक (28, 29 व 30.01.2025 को छोड़कर)।
ठहराव: फाफामाऊ जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. और सुल्तानपुर स्टेशन।
स्थान: सामान्य।

04253/04254 फाफामऊ जं. – अयोध्या कैंट – फाफामऊ जं. अनारक्षित कुम्भ विशेष एक्सप्रेस — 80 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04253 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04253 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04254 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04254 प्रस्थान
----	11:15	फाफामऊ जं.	10:15	----
14:45	----	अयोध्या कैंट	----	06:15

चलने के दिन : 04253 फाफामऊ जं. से एवं 04254 अयोध्या कैंट से दिनांक 17.01.2025 से 28.02.2025 तक (28, 29 व 30.01.2025 को छोड़कर)।
ठहराव: माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. और सुल्तानपुर स्टेशन।
स्थान: सामान्य।

04255 प्रयाग जं. – प्रयाग जं. कुम्भ मेला रिंग रेल विशेष एक्सप्रेस (वाया अयोध्या कैंट – लखनऊ – राय बरेली जं. – ऊंचाहार जं.) — 40 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04255 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04255 प्रस्थान	स्टेशन
----	05:35	प्रयाग जं.
14:10	14:40	लखनऊ जं.
21:30	----	प्रयाग जं.

चलने के दिन : 04255 प्रयाग जं. से दिनांक 17.01.2025 से 28.02.2025 तक (28, 29 व 30.01.2025 को छोड़कर)।
ठहराव: फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुन्डौर, सुल्तानपुर, कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, अयोध्या कैंट, सालारपुर, सोहावल, देवराकोट, बड़ागांव, रुदौली, रौजागांव, पटरंगा, दरियाबाद, सैदखानपुर, सफदरगंज, रसौली , बाराबंकी जं., सफेदाबाद, मल्हौर, लखनऊ जं., उतरेटिया, मोहनलालगंज, कनकहा, निगोहां, श्रीराजनगर, बछरावां, कुनिनगंज, हरचंदपुर, गंगागंज, रायबरेली जं., रूपामऊ, फुरसतगंज, जायस, बनी, गौरीगंज, तालाखजुरी, अमेठी, मिसरौली, मां चन्दिका देवी धाम अन्तू, जगेशरगंज, चिलबिला जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., शनिदेव धाम बिशनाथगंज, मऊ आइमा, सेवाइत और फाफामऊ जं. स्टेशन।
स्थान: सामान्य।

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल एवं गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हज़रत अली अलै. सलाम का जन्मदिन बड़े हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया

महमूदाबाद अवधनामा संवाददाता। आज ही की वो तारीख थी 13 रजब जब मोहम्मद मुस्तफा के दामाद हज़रत अली का जन्म काबे मे हुआ था जो सऊदी अरब के मक्का शहर मे स्थित काबे मे हुआ। काबा पूरी दुनिया के मुसलमानो का किबला है। इस अवसर पर राजा महमूदाबाद के बारादारी मे एक महफ़िल हुई जिसमे मौला अली की शान मे शायरो ने कसीदे पढे महफ़िल के बाद एक दूसरे को मिठाई खिला कर गले मिलकर जन्म दिन की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर घरों मे महिलाओ ने मीठे पक्वॉन आदि बना कर नज़र दिलवाई और एक दूसरे के घर जाकर नज़र चखी और मौला अली के जन्म दिन की बधाई दिया अपने घरों को खूब सजाया। मौलाना सज्जाद हुसैन मौलाना मुजाहिद मौलाना फ़ैज़ अब्बास मौलाना जूहेर आबदी पप्पू रिज़वी वली चौधरी आदि ने लोगो को मुबारक बाद दी।

शराब के नशे में घर में घुसकर पीटा, केस दर्ज

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवा थाना क्षेत्र के घुरियापार में रविवार को रात्रि में 8 बजे करीब शराब के नशे में पुरानी रंजिश को लेकर देवर ने शोभा देवी पत्नी सुभाष चौहान के घर में घुसकर मारा पीटा। पुलिस ने आरोपी रामानंद के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अखिल भारतीय चाणक्य परिषद ने आयोजित किया ब्राह्मण सम्मेलन व खिचड़ी भोज

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के सूर्यकुण्ड पर धूमधाम से अपना 31 वां स्थापना दिवस ब्राम्हण सम्मेलन तथा खिचड़ी भोज का आयोजन कर मनाया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर अयोध्या जिले के साथ-साथ अन्य निकटवर्ती जिलों से भी ब्राम्हण भारी संख्या में जुटने लगे। परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पं. राम अनुज तिवारी एव राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य राधेश्याम मिश्र के नेतृत्व में तथा बीरेन्द्र द्विवेदी के मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन सम्पन्न हुआ। उसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी सूर्य प्रकाश शुक्ला एव विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय पवन, पू0 विधायक जयशंकर पाण्डेय, महन्त सुनील पाठक, और पू. जिला पंचायत सदस्य विश्वेश्वर मिश्र सुड्डू ने अध्यक्ष रामनारायण शुक्ला उपाध्यक्ष काशीनाथ तिवारी , सतीश चन्द्र पाण्डेय, जयप्रकाश तिवारी के साथ मिलकर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।सभी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप राम त्रिपाठी ने सरकार से राम जन्मभूमि परिसर में भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित करन की मांग की। सभी प्रमुख वक्ताओं ने सभी दलो में ब्राह्मणों की उचित भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।परिषद ने अपनी वार्षिक कार्यवृति जैसे गरीब कन्या विवाह,गरीबो के इलाज के लिये सहायता, यज्ञोपवीत संस्कार का सामूहिक आयोजन और वर्ष भर में लगाये गये सेवा शिविर आदि का ब्योरा प्रस्तुत किया। मंच संचालन जिला महामंत्री अम्बरीष चंद पाण्डेय ने किया। परिषद के क्षीरेश्वर दत्त मिश्र, महन्त ओमप्रकाश मिश्र, आशीष पाण्डेय, आचार्य राकेश पाण्डेय, घनश्याम मिश्र, सचिन तिवारी आदि ने माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया इस अवसर पर संस्था की वार्षिक पत्रिका चाणक्य धारा का विमोचन भी किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले खेल के क्षेत्र में ऋषभ दुबे, समाज सेवा में तक्षशिला आई ए एस के सन्तोष मिश्रा , चिकित्सा में डा0 शेषधर पाण्डेय, जितेंद्र दुबे मिट्टू प्रधान, प्रतिमा शुक्ला, घनश्याम मिश्रा, रिषि पाण्डेय, सरोज द्विवेदी , विधि के क्षेत्र से बार एसोशिएशन अयोध्या के महामंत्री गिरीश चंद्र तिवारी को सम्मानित किया गया।

चन्द्रभानु पासवान मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार घोषित

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी ने मिल्कीपुर उपचुनाव में चन्द्रभानु पासवान को उम्मीदवार बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा के बाद भाजपा नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया। चन्द्रभानु पासवान की पत्नी कंचन पासवान वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य है। 2015 के चुनाव में भी वह जिला पंचायत सदस्य की चुनाव जीती थी। चन्द्रभानु पेशे से अधिवक्ता है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि पार्टी में पूर्ण आंतरिक लोकतंत्र है। पार्टी का छोटा से छोटा कार्यकर्ता पार्टी के प्रति अपने समर्पण से आगे बढ़ सकता है। चन्द्रभानु पासवान ने कहा डबल इंजन की सरकार में हुए विकास को हर व्यक्ति ने किसी न किसी तरह से महसूस किया है। सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा उसके सफल क्रियान्वयन से जनता में पार्टी के प्रति उत्साह का माहौल है।मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने बताया कि पार्टी चुनाव को लेकर लगातार एक्टिव मोड में है। चुनाव प्रबंधन समिति का गठन हो गया है। कार्यकर्ता व पदाधिकारी चुनाव को लेकर लगातार एक्टिव है। टोली बनाकर हर घर हर मतदाता तीन बार सम्पर्क का लक्ष्य लेकर घर-घर सम्पर्क व संवाद किया जा रहा है। मतगणना के दिन भारी अंतर से मिल्कीपुर में भगवा लहराएगा। पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने कहा भाजपा कार्यकर्ता चुनाव को लेकर लगातार क्षेत्र में सम्पर्क व संवाद कर रहें है। चुनाव में पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वहन किया जाएगा। टिकट की घोषणा होने के बाद पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्द्र यादव, अमित सिंह चौहान, पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी बब्बू, रामू प्रियदर्शी महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, अवधेश पाण्डेय बादल, ओम प्रकाश सिंह, कमला शंकर पाण्डेय, अभिषेक मिश्र, इंद्र भान सिंह, नीरज कन्नौजिया, राधेश्याम त्यागी, बब्लू पासी, कांशीराम रावत, राघवेन्द्र पाण्डेय, सहित अन्य पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है।

डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में सभी ने देखा अभूतपूर्व विकासः लल्लू सिंह

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र में दो स्थानों पर चौपाल लगाया। मिल्कीपुर मंडल के उर्धुउ स्थित तथा कुमारगंज मंडल के भखौली पूरे कुरांव में जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद किया। जनचौपाल में पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीण द्वारा उनका स्वागत किया गया। चौपाल में पूर्व सांसद ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में सभी ने अभूतपूर्व विकास देखा। देश के नागरिक इस विकास के साक्षी है। अयोध्या को विश्व की धार्मिक पर्यटन की राजधानी के रूप में विकसित किया जा रहा है। अयोध्या के ग्रामीणांचलों को विकास की धारा से जोड़ा गया है। सरकार ने अन्त्योदय के उद्देश्य को साकार करने और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया है। डबल इंजन की सरकार में युवाओं को नए अवसर मिले है, किसान समृद्धशाली हुए हैं। गरीबों के जीवन में सुधार हुआ है। महिलाओं का उत्थान हुआ है। श्रमिकों को सम्मान मिला है। चौपाल में मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी, जिला पंचायत सदस्य बब्लू पासी, दीपक पाठक, बंशीधर शर्मा, सर्वेश तिवारी, संतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एनटीपीसी टांडा का रजत जयंती वर्ष समारोह धूमधाम से मनाया गया

अयोध्या। एनटीपीसी टांडा परियोजना ने 14 जनवरी 2025 को अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं? इस अवसर पर विश्वकर्मा पार्क प्रांगण में रजत जयंती वर्ष समारोह विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (टांडा) जयदेव परिदा ने एनटीपीसी का ध्वज फहराया। तत्पश्चात कर्मचारियों ने एनटीपीसी गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने केक काटकर व सुरक्षा शपथ दिलाकर सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी।इस अवसर पर परिदा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने अधिग्रहण काल से लेकर अब तक हुई परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से टांडा परियोजना शत-प्रतिशत क्षमता पर सुरक्षा मानकों के साथ काम कर रही है।

जनसामान्य की सेवा करके मन को मिलती है शान्तिः अधिराज ठाकुर

अवधनामा संवाददाता

शाहजहाँपुर। जनसेवा के लिए मशहूर कनेग फार्म के अधिराज ठाकुर के सौजन्य से शहर के घंटाघर चौराहे पर निशुल्क वस्त्र वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ददरौल विधायक अरविन्द सिंह ने भी शिरकत की। विधायक ने जरूरतमंदों को वस्त्र वितरण करते हुए कहा कि आयोजक मण्डल द्वारा किया जा रहा यह कार्य सराहना का पात्र है। कार्यक्रम की व्यवस्थापक मीनू गुप्ता ने बताया कि जनसमाम्य की सेवा करके मन को असीम शान्ति मिलती है। ज्योति गुप्ता ने बताया कि शिविर में सैकड़ो घरों से आये वस्त्रों को हम लोगों के द्वारा साफ करके व उनके पैकेट बनवा कर गरीवो एवं जरुरत मंदो तक बाँटा गया। इस कार्यक्रम में करीब सात से आठ हज़ार वस्त्रों को जरुरतमंदो लोगों को बाँटा गया। यह एक बहुत बढ़ी संख्या है। कार्यक्रम में ददरौल विधायक अरविन्द कुमार सिंह भी उपस्थित हुए और साथ ही कई सम्मानित समाजसेवी इस कार्य में लगे रहे। मीनू गुप्ता तथा ज्योति गुप्ता ने विधायक सहित अधिराज को इस नेक कार्य में भूमिका निभाने और प्रतिभाग करने की सराहना की। कार्यक्रम में समाजसेवी रानी लक्ष्मीबाई महिला विंग की महिला पदाधिकारियों का भी सहयोग रहा।

रेल यात्रियों संग मनाई मकर संक्रांति, खिचड़ी पैकेट वितरित किया

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रेल यात्रियों को खिचड़ी पैकेट वितरित करके मकर संक्रांति मनाई।वसुधैव कुटुंबकम् के भारतीय दर्शन का समर्पित भाव लिए स्वयंसेवक काफी संख्या में मंगलवार को रेलवे स्टेशन पहुंचे। जो भी यात्री ट्रेन स्टेशन पर रुकती ,स्वयंसेवक उसमें बैठे यात्रियों को मकर संक्रांति की बधाई देते और उनको खिचड़ी का पैकेट देने का आग्रह करते दिखाई दिए।पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू हुआ यह सिलसिला अपराह्न 2 बजे तक चला।आरएसएस के महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य (माविक) विभाग के तत्वाधान में आयोजित समरसता भोज के इस कार्यक्रम में दो हजार से अधिक यात्री सहभागी बने।आरएसएस के जिला कार्यवाह सुधीर ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के पीछे मूल भावना यह है कि जो यात्री सनातन परंपरा के इस आलौकित पर्व के दिन अपने घरों पर नहीं है उनके साथ स्वयंसेवक मकर संक्राति मनाते हैं। इस अवसर पर सह विभाग प्रचारक अमरजीत, सामाजिक समरसता संयोजक श्रवण सिंह, आशुतोष सिंह,नगर प्रचारक विभम, पारितोष, शिवम, कर्तव्य, अमन वर्मा, दिलीप यादव, कौशल किशोर, चंदन,सुधांशु, अंकित, मनीष आदि

मकर सक्रांति पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया

बाराबंकी। मसौली में मंगलवार को मकर संक्रांति(खिचड़ी) का त्यौहार क्षेत्र में परम्परागत एव उल्लास के साथ मनाया गया। जगह जगह खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। मकर संक्रांति का पर्व गुरुवार को क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने तड़के स्नान कर विधि विधान से पूजन अर्चन किया। साथ ही मंदिरों में मत्था टेककर मंगलमय जीवन की कामना की। ग्राम पंचायत अमदहा स्थित शिरडी साई मन्दिर में समरसता भोज का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी वर्ग के लोगो ने एक साथ खिचड़ी खाई।

पूर्व प्रधान ने गरीबों में बाटा कम्बल

निचलौल (महराजगंज)। ठंड व शीतलहर के मद्देनजर पूर्व ग्राम प्रधान ओमप्रकाश गुप्त ने ठूठीबारी धमौली, अराजी बैरिया, सड़कहवा, कालीगंज आदि गांव के करीब 151 गरीब असहाय लोगों में कम्बल वितरण किया। उन्होंने बताया कि करीब 25 वर्षों से परम्परा का निर्वाह किया जा रहा है। जिससे में को बेहद शांति मिलती है। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष भवन प्रसाद गुप्त, वीरेंद्र गुप्त संजय रौनियार, गंगा सागर, बिरेंद्र रौनियार, दिनेश कुमार रौनियार बिरेंद्र कसौधन, डा. इन्द्रासन सहानी, सहित अन्य तमाम लोग उपस्थित रहे।

हजरत अली का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, महफ़िल आयोजित

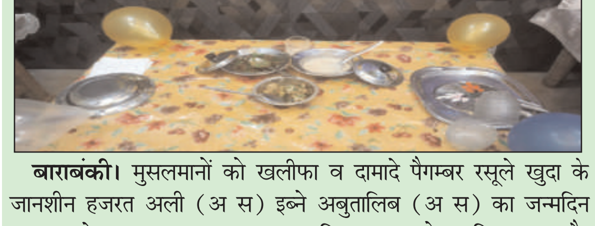

बाराबंकी। मुसलमानों को खलीफा व दामादे पैगम्बर रसूले खुदा के जानशीन हजरत अली (अ स) इब्ने अबुतालिब (अ स) का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। जगह जगह महफ़िल का आयोजन किया गया और नये कपड़े पहनकर एक दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद दी। बताते चले कि आज के ही दिन 13 रजब को हजरत अली (अ स) इब्ने अबुतालिब (अ स) का जन्म सऊदी अरब स्थित खानाये काबा में हुई थी। खानाये काबा को हजरत अली का घर भी कहा जाता है। उस दिन से दुनिया भर के मुसलमान खुशी मानते है और अपने घरों में नए नए पकवान बनाकर लोगो को घर बुलाकर दावत देते है। इससे पूर्व बीती रात्रि सोमवार को मौलाना गुलाम अस्करी हाल में एक महफ़िल आयोजित की गई थी जिसमे बाराबंकी के शायरों ने अपना अपना कलाम पेश किया। महफ़िल के बाद मौलाना इमामे जूमा मौलाना मोहम्मद रज़ा रिज़वी ज़ैदपुरी ने मौला अली के बारे में बयान किया। मंगलवार को स्व काज़िम हुसैन इमामबाड़ा में नज़र का मेहतमाम किया गया। वही बेलहरा हाउस कम्पाउंड बाक़र साहब के अजाखाने में एक महफ़िल का आयोजन हुआ। मोहल्ला कटरा स्थित मीर मासूम अली इमामबाडे भी महफ़िल हुआ जिसमें हिंदुस्तान के शायरों ने हजरत अली की शान में क़सीदा पढा जिसे सुनकर लोगो ने खूब तारीफ की महफ़िल के अंत मे मौलाना अता मेहंदी ने हजरत अली के बारे में खिताब किया। आबिद हुसैन, नाज़िम हुसैन, क़मर इमाम आसिफ हुसैन (पत्रकार) के अजाखाने में भी नज़र का मेहतमाम किया गया था। वही जैदपुर, नई सड़क, असंदरा, सिधौर, आलमपुर, मोतिकपुर, देवा, फतेहपुर, मिताई, कुर्सी, बदोसराय, किन्तुर, हजरतपुर में भी 13 रजब धूमधाम से मनाई गई।

ब्राह्मण का दायित्व समग्र समाज का हित चिंतनः संजय पांडेय एडीएम

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। ब्राह्मण समाज उत्तर प्रदेश द्वारा परशुराम धाम शाहजहांपुर में मकर संक्रांति उत्सव केसाथ संगठन का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया। सर्व प्रथम संगठन के पदाधिकारियों द्वारा देव पूजन के साथ लोक कल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण केहवन यज्ञ किया। इसकेपश्चात आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे एडीएम प्रशासन संजय कुमार पांडेय भगवान परशुराम सहित सभी देव विग्रहों का पूजन के साथ माल्यार्पण किया और उसके पश्चात ब्राह्मण समाज के संस्थापक पंडित राजाराम मिश्र की परिसर स्थित मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।इसके बाद हुए गोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण और ईश प्रार्थना से किया गया।इसके बाद मंचासीन अतिथितियों व पदाधिकारियों का परिचय राकेश कुमार पांडेय द्वारा क राया गया।इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीएम संजय कुमार पांडेय का माल्यार्पण व अंगवस्त्र द्वारा स्वागत संरक्षक केशव चंद्र मिश्र व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ के के शुक्ल व रवि मिश्र द्वारा किया गया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ विजय पाठक का माल्यार्पण द्वारा स्वागत महानगर अध्यक्ष आरेंद्र मिश्र द्वारा किया गया। संरक्षक केशव चंद्र मिश्र द्वारा अपना स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज संगठन की स्थापना को 35 वर्ष पूर्ण हो गए, परम श्रद्धेय स्मृति शेष पंडित राजाराम मिश्र द्वारा जो पौधा रोपा था आज वह उनकी विचारधारा की छाया में बृहद रूप ले चुका है हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम इस संगठन को मजबूत करने के लिए तन मन और धन से यथा संभव अनवरत सहयोग करें जिससे ये संगठन अपने सामाजिक उद्देश्यों को प्राप्त कर सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीएम संजय कुमार पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय योग्यता का समय है जो योग्य होगा वही आगे बढ़ेगा, हम सबका दायित्व है कि हम सब अपनी भावी पीढ़ी को सुशिक्षित और सुसंस्कारी बनाएं ये हमारा प्रथम दायित्व है साथ ही उन्होंने ये भी कहा किहमारा राष्ट्र तभी मजबूत होगा जब हम संकीर्णता से ऊपर उठकर समाज के सभी लोगों के कल्याण के लिए चिंतन करें और उनके कल्याण केलिए कार्य करें हमारा दायित्व है हम सभी जाति वर्ग का मार्गदर्शन करें उनका सहयोग करें। हमारा दृष्टिकोण संपूर्ण मानव जाति का कल्याण करने वाला रहा हमने संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए कार्य करने की शिक्षा अपने पूर्वजों से प्राप्त की है। हमें समाज और देश हित में कार्य करना चाहिए।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ विजय पाठक ने कहा कि संगठन का विस्तार समय की आवश्यक्ता है। प्रत्येकपदाधिकारी को संगठन विस्तार केलिए कार्य करना होगा साथ हित समाज की समस्याओं के निराकरण के कार्य के साथ समाज जागरण के कार्यक्रम करने होंगे। कार्यक्रम के संरक्षक डॉ एस पी मिश्र, ज्ञानेश बाजपेई अवधेश दीक्षिक, रवि मिश्र,आदि सम्बोधित किया। गोष्ठी के बाद आए सभी बंधुओं द्वारा मकर संक्रांति का प्रसाद खिचड़ी भोज ग्रहण किया गया। आज कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ के के शुक्ल, राकेश कुमार पांडेय,एड सतेंद्र शुक्ल, रवि मिश्र, ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, अजय अवस्थी,राजकमल बाजपेई, अशोक मिश्र, रजनीश शुक्ल, ब्राह्मण समाज के प्रदेश महामंत्री हरिशरण बाजपेई, आलोक मिश्र डा आदर्श पांडेय, सत्यम शर्मा, गौरव पांडेय, मुकेश दीक्षित, आशीष मिश्र, मनोज पांडेय, अजय मिश्र, विपुल त्रिवेदी, राधा रमण मिश्र , मनुज कुमार, राहुल मिश्र सहित सैकड़ों गणमान्य जन उपस्थित हुए और सभी ने एक दूसरे को मकर संक्रांति पर्व की बधाई दी। पूर्व महामंत्री राकेश कुमार पांडेय के संचालन में हुए कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष डा के के शुक्ल द्वारा पधारे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

लोक आस्था और समरसता का प्रतीक है खिचड़ी पर्वः एडीएम

शाहजहाँपुर। भगवान भास्कर के प्रति अगाध श्रद्धा का पर्याय मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया गया। शहर के लाला रामचरण लाल खिरनी बाग धर्मशाला में मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया।पर्व के शुभ अवसर पर एडीएम प्रशासन संजय पाण्डेय ने गरीबों को कम्बल वितरण कर खिचड़ी भोज कराया। इस दौरान एडीएम ने कहा कि खिचड़ी पर्व लोक आस्था और समरसता का प्रतीक है। पूरे विश्व में यह त्यौहार विभिन्न नामों से मनाया जाता है। कारागार अधीक्षक मिजाजी लाल ने कहा कि जगत पिता भगवान सूर्य के प्रति देशवासियों की अगाध श्रद्धा का उदाहरण है मकर संक्रांति का पर्व। इस पर्व को पूरे देश में बफी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम के आयोजक आदर्श दिव्यांग कल्याण के प्रदेश महामन्त्री हरिशरण बाजपेई ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व से लोक कल्याण और सांस्कृतिक उठान की भावनाएं जुडी हैं। नीरज बाजपेई ने कार्यक्रम में आतीथयों का सत्कार करते हुए खिचड़ी भोज कराया।नीरज बाजपेई ने इस मौके पर परमपिता से प्राथना की कि वह सभी के जीवन में सुख,शांति, समृद्धि एवं आरोग्यता का संचार करे।विश्व मोहन बाजपेई,वेणु गोपाल त्रिपाठी,अखिलेश सिंह, गौरव त्रिपाठी, अरविंद गुप्ता,एडवोकेट विकास गुप्ता,विष्णु कुमार मिश्रा, गौरव सिंह, रंजन पाठक, सोनू प्रजापति,मीनू सक्सेना, मून शर्मा, नन्ही देवी, अशोक कुमार यादव आदि की उपस्थिति रही।

सद्भावना खेल प्रतियोगिता मे घुंघटेर टीम जीती मनोज को मिला मैन द ऑफ का खिताब

बाराबंकी। यूपी सिविल सर्विसेज प्लेयर्स एसोसिएशन बाराबंकी द्वारा आयोजित छठे कर्मचारी व अधिकारी सद्भावना खेल प्रतियोगिता मे आज दूसरे दिन नॉकआउट लीक मैचों के क्रम में आज 4 मैच खेले गए। पहला मैच घुंघटेर 11 एवं इरिगेशन वॉरियर्स के बीच खेला गया। घुंघटेर 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 152 बनाए। जिसके जवाब में इरिगेशन वॉरियर्स 89 रन ही बना सकी और मैन ऑफ द मैच मनोज कुमार के धुआंधार 97 रनों की बदौलत घुंघटेर 11 ने 63 रनों से विजय हासिल की। आज के दिवस का दूसरा मैच पारिजात 11 एवं एजुकेशन वॉरियर्स के बीच खेला गया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एजुकेशन वॉरियर्स ने निर्धारित 10 ओवर में 89 रन बनाए जिसके जवाब में पारिजात 11 ने बिना विकेट खोए 93 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की।इस मैच में मैन ऑफ द मैच रितेश ने 18 गेंद पर 40 रन बनाकर धुआंधार बल्लेबाजी की। तीसरा मैच में एमआईडी 11 और गोल्डेन ग्लेडिएटर्स के बीच खेला गया।

गोपालपुर मंदिर में श्रद्धालुओं ने चढ़ाया खिचड़ी

अवधनामा संवाददाता

निचलौल (महराजगंज)। पड़ोसी देश नेपाल नवल परासी जिले के गोपालपुर गांव स्थित गोरक्षनाथ मंदिर में श्रद्धा की खिचड़ी चढाने के लिये भारी भीड़ उमड़ी दिखाई दी। इस मौके पर नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्रराज कंडेल अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर में पहला खिचड़ी चढ़ाकर आशीर्वाद लिया साथ ही मेले में आए सभी श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति पर्व की शुभकामना दी। इस अवसर पर नेपाल के नवलपरासी, सेमरी, त्रिवेणी धाम, बर्दघाट, दाउने, बुटवल वर्दघाट, भैरहवा, सुनवल, बाल्मीकि नगर बिहार समेत भारत के ठूठीबारी, रामनगर, धरमौली, सडकहवां, झूलनीपुर, खैरहवा जंगल, किसुनपुर, गडौरा, बरगदवां, नौनीया, सिहाभार आदि क्षेत्र के श्रद्धालू भक्त बार्डर से सटे गोरक्षनाथ मंदिर मे आस्था की खिचड़ी चढा अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी रामसुरत वर्मा ने बताया की कोरोना कल के पूर्व के दो वर्ष बहुत ही भयावह रहे। इस साल बिना खौफ के श्रद्धालु भक्त बाबा गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढा परिवार, देश की खुशहाली वह सलामती की दुआ मांगी। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल व आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान मुस्तैद रहे। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए मेले में झूला, चरखी और दंगल आदि की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ नाथ द्वारा 6 नवम्बर 2012 को इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। जिसका शिलान्यास नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र विक्रम शाह द्वारा किया गया था। तब से लेकर आज तक उक्त मन्दिर मे भारतीय क्षेत्र सहित नेपाल के श्रद्धालु हर वर्ष यहां दर्शन के लिए आते है। इस बार विगत् वर्ष की अपेक्षा श्रद्धालुओं की संख्या में काफी इजाफा हुआ हैं। वही मन्दिर परिसर मे मनोरंजन के लिए आर्केस्ट्रा, नौटंकी, जादूगर, सर्कस, झूला , चरखी का बच्चो द्वारा खूब आनंद लेते दिखाई दिए।

चौक गुरु गोरक्षनाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मकर संक्रांति के पावन अवसर में खिचड़ी चढ़ाकर श्रद्धालु लेते है आशीर्वाद

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज (मिठौरा)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर मंगलवार को जनपद के चौक बाजार स्थित गुरु गोरक्षनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालु दूर दूर से आकर ब्रह्ममुहुर्त में ही गुरु गोरक्षनाथ नाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाकर अपनी आस्था प्रकट कर आशीर्वाद लिया। प्राचीन मान्यता है कि मकर संक्रांति के अवसर पर बाबा गुरु गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाने से वह प्रसन्न होते है और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हैं।

मंदिर परिसर के भव्य मेला में लोगों के उठाया लुफ्त

मंदिर परिसर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य मेला लगा रहा। क्षेत्र के पिपरा, चौक, मधुबनी, परसौनी, खजुरिया, टीकर, सोनरा, झंझनपुर, सहित अन्य गांव के लोगों के साथ साथ दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद मेले में खूब आनन्द लिया। मेले में बड़ा झूला और मौत का कुआं खूब ध्यान आकर्षित कर रहा था। मिठाई की दुकानों से भी लोगों ने खूब खरीदारी की।

पुलिस प्रशासन दिखा चुस्त दुरुस्त

मंदिर से लेकर मेला परिसर में पुलिस प्रशासन दुरुस्त दिखा। सुबह ही जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा और शांति व्यवस्था के लिए मातहतों को कड़े निर्देश दिए मेले की सुरक्षा की प्रभारी पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर आभा सिंह ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए 3 निरीक्षक, 6 थानाप्रभारी, 40 उपनिरीक्षक 190 हेड कांस्टेबल, 3 ट्रैफिक पुलिस कर्मी व 1 प्लाटून पीएसी व फायर टेंडर के साथ सिविल ड्रेस में भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगायी गई हैं ।

सोनौली सीमा से चीनी नागरिक गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। सोनौली बॉर्डर पर पुलिस ने नेपाल से भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस जांच में जुट गई हैं। जानकारी के एसएसबी फोर्स के गश्त के दौरान सीमा स्तम्भ संख्या-519 के पास मंगलवार सुबह एक संदिग्ध व्यक्ति को साइकिल पर भारत की ओर आते देखा गया। गश्त पार्टी के रोकने पर व्यक्ति घबरा गया और पूछताछ में उसने किसी भी भारतीय प्रवेश दस्तावेज़ के होने से इनकार किया। जांच में उसके पास से चाइनीज पासपोर्ट चाइनीज रेसिडेंट, नेपाली मुद्रा और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पासपोर्ट के अनुसार, व्यक्ति की पहचान पेंग मिनहुई उम्र 35, निवासी डोंगटाओ, लोंगशान काउंटी, चीन के रूप में हुई। चीन से नेपाल होते हुए भारत आने का प्रयास कर रहे इस व्यक्ति के खिलाफ थाना स्थानीय पर मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने कहा कि घुसपैड करने वाले व्यक्ति के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला हैं। मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस जांच कर रही हैं।

सिद्धार्थनगर ने सेमीफाइनल मैच में देवरिया को हराया

अवधनामा संवाददाता

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर। विरेन्द्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को दूसरा सेमीफाइनल मैच के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्याम जायसवाल विशिष्ट अतिथि शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने फीता काटकर देवरिया व सिद्धार्थ नगर के किक्रेट खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हुए परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। मंगलवार को दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला देवरिया व सिद्धार्थ नगर के बीच खेला गया जिसमें सिद्धार्थनगर के कप्तान हर्ष उपाध्याय ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। देवरिया के कप्तान को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए देवरिया की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 106 रन बनाए। देवरिया की तरफ से अयान चौधरी 31,आकाश ओझा19 , अखिलेश यादव ने 19 रनों का योगदान दिया। सिद्धार्थनगर की तरफ से वत्सल सिंह ने चार संदीप पासवान ने दो, हर्ष और हर्षित ने दो, दो विकेट लिया। जबाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिद्धार्थनगर की टीम प्रशांत श्रीवास्तव के 38, मानस 20, गोविंद व हर्ष के 13- 13 रन की बदौलत 7 विकेट खोकर निर्धारित 20ओवर में 16.3 ओवर में देवरिया की हराकर सेमीफाइनल मुकाबले जीत लिया।मैन ऑफ द मैच सिद्धार्थनगर के वत्सल सिंह को दिया गया। इस मैच के अंपायर आशीष चौधरी व रवि कौशिक, स्कोरर गंगेश्वर कुशवाहा, कॉमेंटेटर धर्मेंद्र सिंह व प्रयाग भास्कर और इस प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण रेहान ज़ादरान ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि समाजसेवी श्याम जायसवाल, विशिष्ट अतिथि शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी, सिद्धार्थ नगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि शोहरतगढ़ रवि अग्रवाल, श्यामसुंदर चौधरी, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, मनीष श्रीवास्तव, अंबिका त्रिपाठी, संजय कौशल, राजेश उपाध्याय, सुनील अग्रवाल, बेचन प्रसाद,वकील खान, बाबू जी अंसारी, केशवराम यादव, सोनू महंतों, महावीर वर्मा, मनोज कुमार, दिनेश कुमार, श्रवण कुमार जायसवाल, लवकुश चौधरी, अरविन्द चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य 3.67 लाख से बढ़कर 4.61 लाख हुआ

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त भेजे जाने का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य करीब एक लाख बढ़ा दिया गया है। अचानक लक्ष्य बढ़ने से विभागीय अफसर परेशान हैं और इसके लिए मंथन का दौर शुरू किया गया है। फार्मर रजिस्ट्री में बाधा बन रही नेटवर्क की समस्या से निपटने के लिए भी प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त 3,67,827 किसानों को गई थी। इनकी फार्मर रजिस्ट्री प्राथमिकता पर कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन करीब डेढ़ माह बीतने के बाद भी अब तक 1,45,040 ही पंजीकरण किए जा सके हैं। शनिवार-रविवार को पोर्टल पर यह लक्ष्य बढ़ाकर 4.61 लाख कर दिया गया है। माना जा रहा है कि आज तक जितने भी लोगों को सम्मान निधि की किस्त गई है, उनका भी डेटा अपलोड कर दिया गया है। अचानक लक्ष्य बढ़ने के चलते अधिकारियों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। इसको लेकर सोमवार को उपनिदेशक कृषि डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने डीएम अविनाश सिंह से मुलाकात कर चर्चा की।

क्षय रोगी अपने खानपान पर दें विशेष ध्यान : डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा

अवधनामा संवाददाता

- भनवापुर के सीएचसी सिरसिया में क्षय रोगियों को बांटा पोषण पोटली

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। क्षय रोग का समय से जानकारी होने पर इलाज संभव है। इलाज के दौरान मरीजों को अपने पोषण पर विशेष ध्यान देने की अवश्यकता है। यह बातें मंगलवार को भनवापुर ब्लाक अंतर्गत सीएचसी सिरसिया में क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण के दौरान अधीक्षक डॉ शैलेंद्र मणि ओझा ने बताया। पोषण पोटली वितरण के दौरान उपस्थित ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश ओझा ने कहा कि किसी तरह के बीमारी की समस्या होने पर झोला छाप डाक्टरों से इलाज ना करा कर अपने नजदीकी पीएचसी या सीएचसी पर ही इलाज कराएं। अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने बताया कि लोग अपने गांव,मोहल्ले में लोगों जागरुक करें क्षय रोग लाइलाज बिमारी नहीं है,समय से इलाज आरंभ कर नियमित दवाओं के इस्तेमाल से छह माह में इसे ठीक किया जा सकता है। क्षय रोग के मरीजों को निश्चय पोषण योजना के तहत खान पान के लिए प्रत्येक माह एक हजार रूपए मरीज को दिया जाता है। ब्लाक क्षेत्र के टीबी चैम्पियन नागेंद्र व पंकज ने बताया कि करीब आठ माह पूर्व हमें खांसी,की शिकायत रहती थी, जिसका इलाज कर रहे थे मगर ठीक नही हो रहा था।सीएचसी सिरसिया में डाक्टर को दिखाया तो बताया गया कि आप बलगम की जांच कराएं। डाक्टर के सलाह पर बलगम जांच में क्षय रोग के लक्षण पाए गये जिसके बाद इलाज आरंभ किया। आज हम लोग पूरी तरह ठीक व स्वास्थ हैं। इस दौरान डॉ.पीएन पटेल, राजीव कुमार त्रिपाठी, प्रेम कुमार तिवारी, मैराज अहमद, प्रिंस पाण्डेय, रेखा पाण्डेय, सबिता मौर्या, रूपम पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

अली जयंती के अवसर पर अली-डे का हुआ आयोजन
हजरत अली को जानने के लिए कुरआन को समझना जरूरी : मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी

अवधनामा संवाददाता

- हजरत अली को दुनिया में सभी लोग अल्लाह की अनोखी रचना मानते हैं : मौलाना आदिल अब्बास
- कड़ाके के ठंड के बावजूद अली जयंती पर निकाला मोटरसाइकिल का भव्य जुलूस

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा स अ के दामाद और शिया मुसलमानों के पहले इमाम हजरत अली अलैहिस्लाम. के जयंती के मौके पर मंगलवार को हल्लौर में जश्न का माहौल रहा। गांव में जगह-जगह मस्जिदों और घरों, प्रतिष्ठानों को विशेष रूप से सजाया गया। जगह जगह महफिल का आयोजन किया गया शायरों ने हजरत अली की शान में कलाम व कसीदे पढ़कर खूब वाहवाही बटोरी। इस मौके पर डुमरियागंज बस्ती मुख्य मार्ग स्थित हल्लौर के जाफर मार्केट में अली ब्वायज कमेटी के तत्वावधान में अली डे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां धर्म गुरुओं ने हज़रत अली की जिंदगी में प्रकाश डाला वही शायरों ने उनके शान में कसीदे पढ़े।

अली जयंती के पूर्व संध्या पर सोमवार की रात हल्लौर स्थित जामा मस्जिद में जश्ने अली का आयोजन किया गया। इस कदीमी महफिल के आयोजन तशबीब हसन के नेतृत्व में मुकामी शायरों द्वारा कलाम व कसीदे पढ़े गए। इसी रात मोहम्मद हैदर के आवास पर भी महफ़िल का आयोजन हुआ। वहीं मंगलवार की सुबह से नमाज के बाद मस्जिदों व घरों में महफ़िल का सिलसिला चलता रहा।इस दौरान फातिमा मस्जिद, जमाल ऑपरेटर, नसीम पंजतन, इमाम बारगाह सेठ बाबा आदि जगहों पर महफिल का दौरा चला। मंगलवार दोपहर ढाई बजे जुलूसे हैदरी दरगाह परिसर हल्लौर से अली ब्वॉयज़ कमेटी के नेतृत्व में सैकड़ो मोटर साइकिल के साथ कड़ाके की ठंड के बावजूद निकला। जो बैदौला होते हुए डुमरियागंज पहुँचा जहाँ जमाल हैदर करबलाई ने तकरीर की। तकरीर के बाद जुलूस वापस हल्लौर आकर मुख्य मार्ग पर अली बॉयज समिति द्वारा आयोजित हज़रत अली जयंती अली डे कार्यक्रम में सम्मिलित हो गया। इस दौरान आयोजित हज़रत अली जयंती अली डे के मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी ने कहा कि हज़रत अली ने हमेशा दुनियां को सच्चाई और इंसाफ के रास्ते पर चलने का पैगाम दिया।

उन्होंने कहा की हजरत अली की शख्सियत को पहचानने के लिए कुरान को समझना जरूरी है। मौलाना आदिल अब्बास व मौलाना मोहम्मद शारिब ने सभी को मुबारक देते हुए मौलाए कायनात का जिक्र करते हुए कहा कि हमें अपने अंदर की बुराइयों को खत्म करने की जरूरत है और हज़रत अली के बताए रास्ते पर चलें। कार्यक्रम में ज़ाकिरे अहलेबैत जमाल हैदर ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व शादाब संजू, हसन सादिक, कामयाब, हानी, फरहान कदर और हसन जमाल ने कलाम पेश किया। कार्यक्रम की शुरुआत शकील अहमद कारी नई तिलावत ए कुरान ए पाक से किया व संचालन मजबूब अलीग ने किया। इस मौके पर कायम रज़ा, ताक़ीब रिज़्वी, खुर्शीद अहमद, हसन ताक़ीब, माहताब हैदर एडवोकेट, मो0 आसिफ, शबलू, तसकीन हैदर, इंतेज़ार शबाब, काज़िम रज़ा, कैफ़ी मोजिज़ा, शाहिद अंजू, तशबीब हसन, मोहम्मद, मीसम, अब्बास एचएनएफ, खुशबू, शानू, राहिब रिज़्वी, नफासत, शाहरुख बबलू, जानशीन किसान, पप्पू, बबलू विलियम, अली सहित तमाम लोग मौजूद रहे। अंत मे कार्यक्रम आयोजक शबाब ने आये हुए लोगो का शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम के अंत में हसन ताक़ीब रिजवी ने शायरों व धर्म गुरुओं सहित प्रशासन के लोगों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया।

अली जयंती पर हुआ भव्य भंडारा

हल्लौर में शिया मुसलमानों के पहले इमाम हज़रत अली अस के जन्मदिन के मौके पर मोमनीन हल्लौर द्वारा आयोजित भव्य भंडारा में क्षेत्र के सभी धर्मों के लोगों ने शिरकत कर पूरी सब्ज़ी हलवा का स्वाद चखा। इस मौके पर मौलाना महबूब हल्लौरी ने आये हुए लोगों को हज़रत अली अस के जीवन और क्यों मनाया जाता है को विस्तार से उपस्थित लोगों को बताया। इस मौके पर आसिफ, कामयाब, अमानत, नफीसुल हसन, बबलू, गुड्डु, शानू, उम्मीद,कैफ़ी का विशेष योगदान रहा। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना डुमरियागंज श्याम सुंदर तिवारी भारी पुलिस बल के साथ कार्यक्रम के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहे।

जल जीवन मे काम कर रही विंध्या टेलीलिंक होगी ब्लैक लिस्ट

अंबेडकरनगर दानिश मेहदी। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को डीएम अविनाश सिंह ने जल जीवन मिशन योजना के तहत परियोजनाओं के प्रगति की फेजवार समीक्षा की। डीएम ने लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति कम मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्यदायी संस्थाओं को प्रत्येक परियोजना पर अलग-अलग टीमों, अधिक से अधिक मानव संसाधन एवं मशीनरी लगाकर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। विंध्या टेलीलिंक लिमटेड को ब्लैक लिस्ट करने के लिए शासन को पत्राचार करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि योजनावार कार्य कर रहे कार्मिकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता व जेई को नियमित भ्रमण करने को कहा। एक्सईएन जल निगम कमलाशंकर ने विभागीय प्रगति का ब्योरा प्रस्तुत किया। डीएम ने कहा कि पूर्ण हो चुकीं परियोजनाओं का रेंडम आधार पर सत्यापन किया जाएगा। डीपीआरओ और डीडीओ हैंडओवर के लिए पोर्टल पर अपलोड परियोजनाओं का शीघ्र भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला, डीडीओ सुनील कुमार तिवारी समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया लोहड़ी पर्व

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर नगर के अक़बरनगर वार्ड में स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में लोहड़ी पर्व सोमवार की रात बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम के समय पवित्र अग्नि जलाकर फिर उस अग्नि में मूंगफली, तिल, गुड़, गजक, चिड़वे, मक्के आदी को समर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने अग्नि की परिक्रमा भी किया। इसके बाद लोगो में प्रसाद वितरण किया। लोहड़ी पर्व मना रहे ज्ञानी कुलवंत सिंह ने कहा कि यह जीवन, फसल और सामुदायिक उदारता और भावना का उत्सव है। उन्होंने सभी के सुख समृद्ध की कामना किया। सरदार गुरमीत सिंह, गुरुदत्त चंदवानी, विजय बाधवा, निर्मल बाधवा, गुलशन,मोंटू बादल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वतंत्र देव सिंह ने किया निरीक्षण

बस्ती अवधनामा संवाददाता। जल शक्ति मंत्री, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश स्वतंत्र देव सिंह द्वारा जनपद में सिल्ट सफाई एवं नहरों के संचालन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने बस्ती शाखा के कि0मी0 160.868 के टेल भाग से निकलने वाली महुली राजवाहा एवं महुली राजवाहा के कि0मी0 0.700 से निकलने वाली ऊंचगांव माइनर को देखा। ऊंचगांव माइनर की लंबाई 2.650 कि0मी0 एवं सीसीए 265 हे0, डिस्चार्ज 8.85 क्यूसेक है।

जिले में पैरा ओलम्पिक एसोसिएशन का हुआ गठन

अवधनामा संवाददाता

- सर्वसम्मत से डॉ अरुण कुमार प्रजापति को जिला अध्यक्ष एवं डॉ अरुण कुमार त्रिपाठी को चुना गया जिला सचिव

सिद्धार्थनगर। सोमवार की देर शाम जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्धार्थनगर में क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय में पैरा ओलम्पिक एसोसिएशन की द्वितीय बैठक कर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गयी। डॉ अरुण कुमार प्रजापति ने बताया कि पैरा ओलम्पिक की प्रथम बैठक उत्तर प्रदेश पैरा ओलम्पिक के महासचिव डॉ विपिन गुप्ता के निर्देश के क्रम में जिला क्रीड़ा अधिकारी के पर्यवेक्षण, ओलम्पिक एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष एवं जनपद के संभ्रांत लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला कार्यकारिणी के गठन के सन्दर्भ में विस्तृत चर्चा हुई एवं निर्णय हुआ कि अगली बैठक में सर्वसम्मत से जिला कार्यकारिणी की घोषणा की जाये। जिसके क्रम में द्वितीय बैठक कर सर्वसम्मत से कार्यकारी जिला सचिव डॉ0 अरुण कुमार त्रिपाठी को चुना गया। डॉ0 अरुण कुमार प्रजापति बतौर अध्यक्ष के रुप में सर्वसम्मत से जिले के अन्य दायित्वों की घोषणा किये। जिला संरक्षक इटवा नगर व्यवसायी अनिल जायसवाल एवं वरिष्ठ ठीकेदार ओमप्रकाश चौबे को चुना गया। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष इटवा नगर स्वर्ण व्यवसायी शम्भू नाथ सोनी, जिला उपाध्यक्ष युवा समाजसेवी सत्य प्रकाश राही एवं युवा समाजसेवी/ व्यवसायी राकेश दत्त त्रिपाठी, जिला कोषाध्यक्ष एडवोकेट शेषमणि प्रजापति, संयुक्त सचिव सुनील पाल (दिव्यांग) एवं मोनी वर्मा (दिव्यांग) को चुना गया। सचिव डॉ0 अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि चयन समिति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। जिसकी जिम्मेदारी होती है कि वह सही खिलाड़ी को चुने। जिससे जिले के क्षमतावान खिलाड़ियों का मनोबल बढ़े और उसके भविष्य का रास्ता प्रशस्त हो सके। चयन समिति का अध्यक्ष जिले के वरिष्ठ आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी को चुना गया। चयन समिति में चार अन्य सदस्यों में जिला समन्वयक बालिका शिक्षा सुरेन्द्र श्रीवास्तव, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा करुणापति त्रिपाठी, बुद्ध का सन्देश के संपादक राजेश शर्मा, फर्मासिस्ट गोविन्द प्रसाद ओझा को चुना गया। टेक्निकल समिति का जिला अध्यक्ष जीशान खलील एवं समन्वयक उपेन्द्र नाथ उपाध्याय को चुना गया। टेक्निकल समिति के अन्य सदस्यों में खेल शिक्षक रविन्द्र गुर्जर, खेल शिक्षक दौलत गुप्ता, खेल शिक्षक रत्नेश सिंह, खेल शिक्षक राजकुमार यादव, खेल शिक्षक सतेन्द्र गुप्ता, खेल शिक्षक शम्भू नाथ गुप्ता, खेल अनुदेशक अरविन्द गुप्ता, खेल अनुदेशक माहेश्वरी पाठक, खेल अनुदेशक शशिकान्त पाण्डेय को चुना गया। खेल एवं विकास समिति का अध्यक्ष सोनू त्रिपाठी को चुना गया। खेल एवं विकास समिति के अन्य सदस्यों में दिव्यांग शिक्षक विनोद मिश्रा, शैलेन्द्र गुप्ता, प्रदीप सिंह, डॉ0 रवि श्रीवास्तव, अभय त्रिपाठी, रवि कुमार को चुना गया।

सौरभ तुलस्यान को शिल्पकार अवार्ड से सम्मानित

बस्ती अवधनामा संवाददाता। दिल्ली में आयोजित एशिया के सबसे बड़े एआई, रोबोटिक्स, कोडिंग और गेम्स डिज़ाइन कार्निवल में, अविष्कार द्वारा सौरभ तुलस्यान को शिल्पकार अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उनके शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है। सौरभ तुलस्यान ने सुपरकिड्ज़ एकेडमी और लर्नशाला की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अगली पीढ़ी के कौशल से सशक्त बनाना है। उनकी इन पहल का उद्देश्य नवाचार, तकनीकी ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देना है, जो 21वीं सदी की शिक्षा के लिए आवश्यक हैं। इस मौके पर सौरभ तुलस्यान ने कहा, यह पुरस्कार मेरे और मेरी टीम के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। हमारा उद्देश्य शिक्षा को अधिक प्रासंगिक और भविष्य-उन्मुख बनाना है। यह सम्मान हमें और भी बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

अतिक्रमण कार्यवाई हेतु डीएम को दिया ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर को प्रार्थीगण ग्राम पंचायत रमवापुर तिवारी तहसील शोहरतगढ द्वारा अतिक्रमण कार्रवाई हेतु आनलाइन ज्ञापन दिया है। आपको बता दें कि प्रार्थीगण ग्राम पंचायत रमवापुर तिवारी तहसील शोहरतगढ, सिद्धार्थनगर ने गाटा सं0- 485/1.7130 हे0 स्थित ग्राम रमवापुर तिवारी तप्पा बंजरहा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर का संक्रमणीय भूमिधर कब्जा है। प्रार्थी के बगल मे चक सं0-484/1.480हे0 व गाटा संख्या-493/0.121 हे0 ग्रामवासी रामकरन का है। प्रार्थी के गाटा संख्या 485 में विधायक निधि से गेट, चार मीटर पक्की सड़क और बिजली के चार खम्मे भी लगा है जो राजस्वकर्मी (एसडीएम व तहसीलदार) द्वारा बताया जा रहा है। जिससे रक्बा और भी कम हो गया है, और राजस्व अभिलेखक में नक्शे की शीट भी छोटी बन गई है। जिसका लाभ उठाकर रामकरन ने चोरी-चोरी निशानदेही का मुकदमा दाखिल करके एकपक्षीय आदेश बिना किसी समन सूचना के प्राप्त कर राजस्वकर्मी (एसडीएम व तहसीलदार) की साजिश में रखकर पत्थर लगवाकर बलपूर्वक कब्जा करने हेतु प्रयासरत है। प्रार्थी ने अपने क्षेत्र सं0-485/1.7130 हे0 के लिए पैमाईश वो नक्शा दुरुस्त का मुकदमा प्रस्तुत किया है, जो मेरे कार्यवाही है। ऐसी सूरत मे बिना नक्शा दुरूस्त हुए पत्थर नसल की कार्यवाही स्थगित किया जाना आवश्यक एवं न्यायसंगत है। वहीं प्रार्थीगण उक्त मामले को दृष्टिगत रखते हुए गाटा सं0-485 के नक्शे की शीट दुरूस्त किये बिना पत्थर नसब की कार्यवाही को स्थगित किया जावे तथा गाटा सं0-484 के काश्तकार रामकरन को मना किया जाये कि वे प्रार्थी के क्षेत्र संख्या 485 में कोई अतिक्रमण न करें। इस दौरान परमात्मा कहार, राम दयाल चौधरी, किशोर राजभर, मनोज गुप्ता, प्रमोद उपाध्याय, अनूप त्रिपाठी शिवा राजभर, बृजमती, बूटी राजभर, अकाली यादव, गुजराती राजभर, शान्ति, प्रभावती, फूलमती कहार सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

विधायक विनय वर्मा ने दो सरकारी बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी बाजार के भारत नेपाल सीमा पर स्थित माल गोदाम तिराहे पर मंगलवार की सुबह को शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने बढ़नी से प्रयागराज एवं गोरखपुर को नियमित जाने वाली दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

क्षेत्रीय जनता की मांग पर जनहित को देखते हुए विधायक विनय वर्मा के अथक प्रयास से परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के आदेशानुसार बढ़नी से प्रयागराज एवं बढ़नी से गोरखपुर नियमित बस सेवा की शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विनय वर्मा ने करते हुए मकर संक्रांति के शुभ व अवसर पर बढ़नी क्षेत्र की जनता को एक सौगात दिया है। जिससे क्षेत्र की जनता को प्रयागराज महाकुंभ व हाईकोर्ट आने जाने एवं पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को प्रयागराज व गोरखपुर आने जाने में सुविधाजनक होगी। बढ़नी से प्रयागराज जाने वाली एक बस प्रतिदिन नौ बजे रात्रि में बढ़नी से चलकर हरैया, अयोध्या, प्रतापगढ़ होते हुए अगले दिन सुबह 6:15 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। प्रयागराज से यह रात्रि में नौ बजे चलकर दूसरे दिन सुबह छह बजे बढ़नी पहुंचेगी। दूसरी बस बढ़नी से सुबह सात बजे चलकर 10:30 बजे गोरखपुर पहुंचाएगी। 7:30 बजे चलकर रात को 11 बजे बढ़नी पहुंचेगी।

उक्त अवसर पर विधायक विनय वर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व में भी बीते कुछ माह पहले इन बसों को नियमित रूप से चलाने के लिए प्रयास किया गया था। लेकिन प्राइवेट बस संचालकों के मनमानी की वजह से सवारी न मिलने के कारण सेवा ठप हो गई थी। लेकिन अब समय आ गया है कि जल्द ही प्राइवेट संचालकों पर कार्रवाई कर लगाम लगाई जायेगी। और नगर पंचायत बढ़नी में बस स्टेशन की भूमि पूजन भी जल्द होने वाली है। इसके अलावा पीएचसी बढ़नी को सीएचसी में अपग्रेड करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिससे क्षेत्रीय जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा।

मकर संक्रांति के अवसर पर विविध कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अंबेडकरनगर। मकर संक्रांति के अवसर पर नगर में जगह-जगह खिचड़ी भोज आयोजित की गई। अन्य विभिन्न स्थानों पर विविध आयोजन किया गया। नगर स्थित प्रसिद्ध मंदिर श्री शीतला माता मठिया मंदिर मोहल्ला,घसियारी टोला के प्रांगण में कमेटी अध्यक्ष रविकांत जायसवाल और बेचू गुप्ता के टीम द्वारा खिचड़ी भोज, कम्बल का वितरण समारोह आयोजन किया गया । आशीर्वाद सेवा ट्रस्ट के कृष्ण कुमार गुप्त रिन्नू के टीम द्वारा जरूतमंदों में कंबल वितरण के साथ खिचड़ी भोज आयोजन किया। मुख्य अतिथि महंत रामप्रसाद दास ने मकर संक्रांति की बधाई देते हुए बताया कि सनातन संस्कृति के पर्वो में दान पुण्य के माध्यम से वंचित लोगों की सहायता का विधान बनाया गया है।गंगा स्नान करने व गरीबों को पीला भोजन खिचड़ी, मिष्ठान्न आदि का दान महत्वपूर्ण माना जाता है। मेरी कामना है कि यह त्योहार सभी के जीवन में सफलता और खुशियां लाए।

सन्त की 100वी जयन्ती

अटल जी का नाम आता है तो मुझे उनके राजनीतिक कद से ज्यादा उनका निजी गुण और व्यवहार आकर्षित करता है। चतुर राजनीतिज्ञ के साथ कुशल कवि और आकर्षक वक्ता थे। उनके कविता की लाइन मुझे बहुत आकर्षित करती है मै कूच से क्यों डरू लौट कर आऊंगा। वह अक्सर कहा करते थे जीवन बनजारा का डेरा आज यहा कल कहां कूच है कौन जानता किधर होगा सबेरा है। उन्होंनें एनडीए पार्टी बनाकर देश में चल रहे अस्थिर सरकार को स्थिरता प्रदान की। सोचिये नौ साल के अन्दर चार चुनाव अस्थिरता की वजह से कराना पड़ा था। उन्होंने देश को स्थिरता और सुशासन का माडल दिया। उन्होंने अपने काल में देश को आईटी टेली कम्युनीकेशन और दूरसंचार को आम आदमी तक पहुंहचाने का काम किया। उन्होंनें स्वर्णिम चतुरभुज योजना बनवा कर भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना भी चलाई। उनके शासन काल में ही दिल्ली मेट्रो शुरू हुई जिसका अब जाल बिछ रहा है। वह शिक्षा को बहुत महत्व देते थे। वे गुणवत्ता वाली शिक्षा देश के हर वर्ग जाति को मुहैया कराना चाहते थे। उनके साहस का नमूना है पोखरा परमाणु परिक्षण किया। इसकी वजह से प्रतिबन्ध भी लगे। सबका साहस के साथ सामना किया। अगर उनके शासन काल की उपलब्धियां साक्षेस में बतायें तो इस प्रकार होगी। गठबन्धन सरकार में सबका सहयोग हासिल किया, सुशासन का माडल दिया, बिना किसी दबाव में आये परमाणु परिक्षण किया, भाजपा के सफलता का आधार रक्खा, आर्थिक सुधार किये, राजनैतिक अस्थिरता खत्म की।

अपने मृदु व्योहार बोलचाल मे विनम्रता से दुश्मन को भी मित्र बना लेते थे। बीच बीच मे कविताओं का सहारा ले लिया करते थे। विनम्र थे पर बातों में स्पष्टता रखते थे। राजनीति जैसे राजनय और कूटनीति जैसे संसार में इमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का उदाहरण रक्खा। वह कहा करते थे सरकारें आयेगी जायेगी। बिगड़ेगी मगर देश रहना चाहिये। यह बात संसद मे भी कही थी। कांग्रेस का विरोध किया फ्लस्वरूप ज्यादतियां झेली पर झुके नहीं। जेल जाकर दोहराते रहे संविधान संकल्प एनडीए की स्थापना कर गठबन्धन की राजनीति को पूरी तरह से परिभाषित किया। पर आज के संसद सब मूल धक्का मुक्की कुश्तीबाजी से लगे है। एनडीए के विकास के लिये क्षेत्रीय आकांक्षाओं पर जोर दिया। पीएम पद पर रहते हुये आलोचनाओं का जवाब शालीनता से बुद्धिमता के साथ दे सभी को अवाक कर देते थे। उनका ज्यादा कार्यकाल विपक्षी के रूप में रहा पर एक बार कांग्रेस ने उन्हें गद्दार भी कहा पर वे जवाब संसदीय और शालीन शब्दों मे दिया। उन्हें पद प्रतिष्ठा की लालसा कभी नही रही। 1996 में एक बार मौका आया जोड़ तोड़ कर सरकार में बने रहने का पर एक वोट की कमी पूरा करने के लिये जोड़ तोड़ का सहारा नही लिये जो कि बहुत आसान होता। जनता ने उनके गुणो को महत्व को समझा। अगले चुनाव मे उन्हें मजबूत जनादेश देकर अपनी कृतज्ञता जाहिर की।

1977 के चुनाव के पहले जनसंघ को जनता पार्टी मेबिलय की सहभाति दे दी। उनका मत था दल से बड़ा देश और संगठन से बड़ा संविधान होता है। विदेश मंत्री की हैसियत से यूएनओ में पहलीबार हिन्दी भाषण दे लोगो को चौकया और भरपूर प्रशंसा प्राप्त की। बीजीपी आज जिस मुकाम पर है उसका श्रेय उन्ही को जाता है। आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के साथ रहकर भाजपा को आज का दिन दिखाया है। उस समय कांग्रेस इतनी सशक्त थी फिर भी विकल्प के रूप में भाजपा का उभारा। उनके चुनौतियो से निपटते हुये पार्टी प्रेम और देश प्रेम को सर्वापरि रक्खा। जब भी सत्ता और विचार धारा में टकराव पैदा हुआ बिना किसी अगर मगर के विचाराधारा को वरीयता दी। आज 100वी जयन्ती के अबसर पर मुल्क अपनी कृतज्ञता जाहिर कर रहा है। अटल जी थे तो मानव ही उन्हे एक महिला टीचर से प्रेम भी रहा, उसके बच्चे को गोद लिया। वाजपेयी जी की कथा हरि अनन्त, हरि कथा अनाबा है। दैव पुरूष को अवधनामा परिवार का श्रद्धासुमन समर्पित है। मोदी जी को अटल जी की आदर्शो पर चलने के लिये बधाई।

कर्नाटक में देवी को आमंत्रित!

के. विक्रम राव

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए अब केवल कांग्रेस हाईकमान (प्रियंका, राहुल और सोनिया) ही निर्णायक नहीं होंगे। उपमुख्यमंत्री और धनाढ्य राजनेता डी.के. शिवकुमार ने दौड़ तेज कर दी। उनका पलड़ा भारी रहा उनकी संपत्ति के कारण, जो घोषित तौर पर चौदह हजार तेरह करोड़ है। वे भारत के सबसे धनी विधायक कहलाते हैं। गत सप्ताह ही पत्नी उषा के साथ शिवकुमार पड़ोसी तमिलनाडु के कुंभकोणम मंदिर में होम किया। शक्तिमठ प्रत्यंगिरा देवी की पूजा की। कुंभकोणम का यह मंदिर भाग्यदायक माना जाता है। दक्षिण भारत की यह अधिष्ठात्री देवी बड़ी उदार हैं। शिवकुमार बस सपरिवार दरबार में पहुंचे गए। इसका कारण भी था सिद्धरमय्या की पत्नी एक भूमि घोटाले में नामित हो गई। हाईकोर्ट में मामला दायर है। उन्हें हटाने की मुल्मी चली। सिद्धरामय्या ने कहा कि उन्हें सोनिया गांधी ने पूरे पाँच वर्ष हेतु मुख्यमंत्री बनाया था। कर्नाटक कांग्रेसियों का कहना है कि ढाई-ढाई साल के सौदे की बात हुई थी। शिवकुमार की पत्नी का खास आग्रह रहा कि आमंत्रित विपत्ति को टालने हेतु देवी की मदद ली जाए। अतः वैकुंठ एकादशी (10 जनवरी) को शिवकुमार ने कहा कि तमिलनाडु के एक मंदिर में किया गया होम उनकी सुरक्षा और मानसिक शांति के लिए था।

उपमुख्यमंत्री ने तमिलनाडु के कुंभकोणम और कांचीपुरम में मंदिरों का दौरा किया, जिसके बाद केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी गौड़ा ने आरोप लगाया कि होम का आयोजन अपने दुश्मनों को नष्ट करने के लिए किया गया था। मगर शिवकुमार ने कहा, मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो रोजाना पूजा करता हूं और नियमित रूप से होम करता हूं। मैंने यह होम अपने मन की शांति और सुरक्षा के लिए करवाया था। मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं हर दिन भगवान से अच्छी ख़बरों के लिए प्रार्थना करता हूं। मैं भगवान से यह भी प्रार्थना करता हूं कि वे मुझे उन लोगों से बचाएं जो मेरा बुरा चाहते हैं। इसमें कुछ भी छिपा नहीं है। पत्रकारों पर कटाक्ष करते हुए शिवकुमार ने कहा, आप (मीडिया) भी मुझे काफी परेशान करते रहते हैं और नई-नई खबरें बनाते रहते हैं। मैंने मीडिया से सुरक्षा के लिए भी प्रार्थना की है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, शक्ति स्वरूपिणी (शक्ति का अवतार) और उग्र स्वरूपिणी (क्रूरता का अवतार) के रूप में पूजित देवी के बारे में माना जाता है कि वे अपने शत्रुओं का नाश करने के लिए पृथ्वी पर अवतरित होती हैं। देवी को भगवान शिव, विष्णु और आदिशक्ति का अवतार भी माना जाता है। शिवकुमार की मंदिर यात्रा ने कर्नाटक के राजनीतिक हलकों में चर्चा छेड़ दी है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने टिप्पणी की कि जब से कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में आई है, तब से अस्थिरता और आंतरिक कलह बनी हुई है, जिससे सवाल उठ रहा है कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का धैर्य आखिरकार कब खत्म होगा ? तुलनात्मक रूप से मुख्यमंत्री सिद्धरमैया अनीश्वरवादी हैं। डॉ राममनोहर लोहिया के अनुयाई रहे। जॉर्ज फर्नांडिस के कारण समाजवादी बने। मगर खुले तौर पर उनका मानना है कि कर्नाटक के लिंगायत और वक्कलिगा मठ अंधविश्वास पर पनपते हैं। हारूँ के खजाने से कई गुना अधिक धन उन सबके पास है। एकदा हमारी कर्नाटक पत्रकार यूनियन के सम्मेलन का मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या उद्घाटन कर रहे थे। मैं अध्यक्षता कर रहा था। वहां खुले तौर पर इस लोहियावादी नेता ने अंधविश्वास पर हमला बोला था। क्या संयोग है कि वे आज सोनिया कांग्रेस में हैं ?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

भारत में, सहकारी समितियाँ ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं । उदाहरण के लिए, अमूल ने न केवल भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक भी बन गया है। अमूल जैसी डेयरियां उन सभी महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला नेतृत्व वाले विकास का समर्थन करती हैं, जो महिलाएं व्यावसायिक दूध उत्पादक के लिए ऐसी समितियों से जुड़ी हुई हैं।

सहकारिताः एक सतत और समावेशी वैश्विक भविष्य की कुंजी

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन का वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024, सौ से अधिक देशों से आए वैश्विक नेताओं की एक सभा मात्र न होकर कहीं अधिक मायने रखता है; यह एक सतत एवं न्यायसंगत भविष्य को आकार देने में सहकारी समितियों के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है जिसका मूल उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यानाकर्षित कराना है। यह वर्ष वैश्विक, आर्थिक और सामाजिक विमर्श का वह महत्वपूर्ण अध्याय बन रहा है, जहाँ सहकारी समितियों को न केवल स्थानीय विकास के साधन बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में भी पहचान दी जा रही है।

मुरलीधर मोहोल

सहकारी मॉडल- आस्तित्व में समुदायिक पर वैश्विक बदलाव के लिए तैयार : सहकारी मॉडल के मूल में एक सरल लेकिन शक्तिशाली अवधारणा निहित है - परस्पर लाभ के लिए एक साथ काम करते लोग। सहकारिता सामूहिक स्वामित्व, साझा जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक निर्णय लेने पर जोर देती है। इन सिद्धांतों ने दुनिया भर में कृषि, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं से लेकर ऊर्जा उत्पादन तक उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाई हैं।

भारत में, सहकारी समितियाँ ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं । उदाहरण के लिए, अमूल ने न केवल भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक भी बन गया है। अमूल जैसी डेयरियां उन सभी महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला नेतृत्व वाले विकास का समर्थन करती हैं, जो महिलाएं व्यावसायिक दूध उत्पादक के लिए ऐसी समितियों से जुड़ी हुई हैं। अपने सहकारी मॉडल के माध्यम से ये सहकारी समितियाँ नेतृत्व की भूमिकाएँ, कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, जिससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिलती है और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका और मजबूत होती है।

सहकारी मॉडल को बढ़ावा देने में भारत का नेतृत्व : भारत ने लंबे समय से आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सहकारी समितियों के

मूल्य को पहचाना है। नई दिल्ली में आयोजित आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति ने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के शुभारंभ के दौरान उनके संबोधन ने एक आत्मनिर्भर, समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण ने हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की सहकारी क्षेत्र की क्षमता पर भी प्रकाश डाला, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ सहकारी समितियाँ, कृषि और डेयरी फार्मिंग जैसे क्षेत्रों की रीढ़ बनी हुई हैं। श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सरकार द्वारा सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए लिए जा रहे कदम इस मान्यता को उजागर करते है कि सहकारी समितियाँ केवल अतीत की निशानी नहीं हैं, बल्कि समकालीन आर्थिक और सामाजिक विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

सहकार से समृद्धि का विजन - भारत के सहकारी क्षेत्र का आधुनिकीकरण : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन ने देश के सहकारी परिदृश्य को नया आयाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कुशल दिशानिर्देशों में, भारत एक आधुनिक सहकारी ढांचे की ओर बढ़ रहा है जो डिजिटल अर्थव्यवस्था की मांगों के अनुरूप है। सहकारी समितियों की पहुँच और प्रभावशीलता का विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रधानमंत्री और सहकारिता मंत्री की सोच तेजी से डिजिटल होती दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सहकारी समितियों का भविष्य, बदलते समय के साथ इनके विकसित होने, और दक्षता में सुधार के लिए आधुनिक उपकरणों को समाहित करने की उनकी क्षमता में निहित है।

वैश्विक एजेंडा - सहकारिता और सतत विकास लक्ष्य : विश्व जब आर्थिक असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक अशांति से जूझ रहा है, तो सहकारिता, विकास के लिए एक वैकल्पिक मॉडल पेश करती है जोकि समावेशी, लोकतांत्रिक और लचीला है। सहकारी मॉडल का जोर एकजुटता, आपसी सहयोग और लोकतांत्रिक भागीदारी पर है, जो इसे प्रमुख वैश्विक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अद्वितीय बनाता है। सहकारी समितियां वित्तीय लाभ से अधिक लोगों की प्राथमिकताओं पर जोर देती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आर्थिक गतिविधियों के लाभ और व्यापक रूप से वितरित हो सके, जिससे वंचित सशक्त बनें और सामाजिक अंतर को कम करने में मदद मिले। सहकारिता आंदोलन को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़कर भारत ने खुद को सतत और समावेशी विकास के लिए वैश्विक अधिवक्ता के रूप में स्थापित किया है। संक्षेप में, सहकारिता एक समावेशी और टिकाऊ वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में एक अहम भूमिका निभाती है।

आगे की राह- एक सहकारी भविष्य : सहकारिता केवल एक आर्थिक उपकरण नहीं हैं - वह सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने का एक शक्तिशाली साधन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में 'सहकार से समृद्धि' के विजन से ही 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश को एक बेहतर भविष्य दिया जा सकता है । एक ऐसी दुनिया बनाई जा सकती है जहाँ विकास को साझा किया जाता है, जहां असमानताएँ न्यून होती हैं और जहां समुदाय सहकार से सशक्त होकर जनमानस समृद्ध होते हैं।

डल्लेवाल : प्रतिरोध का तरीका बदलना चाहिए

प्रेम सिंह

प्रतिरोध की नई रणनीति के साथ कृषि-क्षेत्र पर आयद संकट के तात्कालिक और दूरगामी समाधान के बारे में भी किसानों को सोचना होगा। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कर्ज-माफी आदि तात्कालिक उपाय जरूर होने चाहिए, लेकिन वह संकट का समाधान नहीं है। यह लंबा संघर्ष है। अभी तक का अनुभव है कि किसान आंदोलन नवउदारवादी शक्तियों के पक्ष में इस्तेमाल हुआ है।

यह अच्छी बात है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) खनौरी बॉर्डर और शंभू बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे किसानों के प्रतिरोध आंदोलन के प्रति सहयोगी रुख का संकेत दिया है। नेतृत्व के बीच बातचीत सकारात्मक वातावरण में चल रही है। आशा की जानी चाहिए कि पिछले अनुभवों से सबक लेकर और मतभेदों (अगर कोई हैं) को भुला कर देश के सभी किसान संगठन खेती-किसानीं की समस्याओं को सुलझाने की दिशा में एकजुट होंगे। जिस तरह किसानों की प्रमुख मांगों पर सहमति है, उसी तरह केंद्र और राज्य सरकारों से उन मांगों को मनवाने की रणनीति पर भी किसान नेतृत्व में सहमति होना जरूरी है। किसान आंदोलन की ऊर्जा का कारपोरेट राजनीति के खिलाड़ी बार-बार अपने पक्ष में इस्तेमाल न कर सकें, इसकी समझदारी भी किसान नेतृत्व में बननी चाहिए। यानि किसान नेतृत्व को संकट के तात्कालिक समाधान के साथ दूरगामी समाधान के प्रति भी सतत प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

लेकिन फिलहाल दोनों संयुक्त किसान मोर्चों के नेताओं के सामने सबसे बड़ा काम वरिष्ठ किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, जो खनौरी बॉर्डर पर पिछले 50 दिनों से आमरण अनशन पर हैं, की जान बचाना है। आंदोलन के साथ आए एसकेएम नेताओं को डल्लेवाल के आमरण अनशन को ÷मरण-व्रत÷ नहीं बनने देना चाहिए। देश में पिछले साढ़े तीन दशकों से जारी अंधाधुंध उदारीकरण/निजीकरण की प्रक्रिया में किसानों की जान की कुर्बानियां कम नहीं हुई हैं। लाखों किसान और खेतिहर मजदूर आत्महत्या कर चुके हैं। यह सिलसिला रुक-रुक कर अभी भी जारी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर ही धरने में शामिल तीन किसान आत्महत्या कर चुके हैं। किसान नेताओं के मुताबिक तीन कृषि-कानूनों के खिलाफ चले साल भर लंबे किसान आंदोलन में 700 किसान शहीद हुए थे। अपनी ही सरकारों के खिलाफ छिड़ी जल-जंगल-जमीन की लड़ाई में बहुत से किसान सुरक्षा बलों की गोलियों का निशाना बन चुके हैं। 2020-21 के किसान प्रतिरोध के ट्रिगर पॉइंट मंदसौर गोलीकांड में 6 किसान पुलिस की गोली से मारे गए थे। अगर जान देने से जमीनों के अधिग्रहण और फसलों के कम दाम मिलने की समस्या का समाधान होना होता तो कब का हो चुका होता। अभी तक का अनुभव यही बताता है कि किसानों की जान की कुर्बानियों का असर शासक-वर्ग पर नहीं पड़ता है।

लिहाजा, सबसे पहले जगजीत सिंह डल्लेवाल के मरण-व्रत को तुड़वा कर उनकी जान बचाई जानी चाहिए। जान बचाने का मतलब आंदोलन समाप्त करना नहीं है। संघर्ष जारी रहे इसका नया रास्ता खोजा जा सकता है। एक रास्ता समूह सत्याग्रह-उपवास का हो सकता है। एक निश्चित संख्या में किसानों का समूह 21 (या कम-ज्यादा) दिनों का सत्याग्रह-उपवास करे। 21 दिन बाद दूसरा समूह सत्याग्रह-उपवास पर बैठे। यह सिलसिला चलता रहे जब तक सरकार के साथ मांगों पर संतोषजनक सहमति न बने। देश के दूसरे भागों के किसान अपनी-अपनी जगह सत्याग्रह-उपवास में शामिल हो सकते हैं। देश की खेती-किसानी का संकट खेतिहर मजदूरों से लेकर संगठित-असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और खुदरा क्षेत्र की ब्रांड-खिलाड़ी राष्ट्रीय/बहुराष्ट्रीय कंपनियों की सेवा में जुते रहने वाले मजदूरों के जीवन को सीधे प्रभावित करता है। लिहाजा, कम से कम संगठित-असंगठित क्षेत्र की मजदूर यूनियनें सत्याग्रह-उपवास में शामिल हो सकती हैं। छोटे व्यापारी और उद्यमी भी अपनी सहूलियत और रणनीति के अनुसार हिस्सेदारी कर सकते हैं। सेवा और व्यापार-उद्योग क्षेत्र के सरोकारधर्मी नागरिक चाहें तो सत्याग्रह-उपवास में सहयोग कर सकते हैं। यह नहीं तो प्रतिरोध की कोई अन्य कार्य-प्रणाली (मोड ऑफ एक्शन) अपनाई जा सकती है। लेकिन डल्लेवाल का मरण-व्रत तत्काल टूटना चाहिए। प्रतिरोध की नई रणनीति के साथ कृषि-क्षेत्र पर आयद संकट के तात्कालिक और दूरगामी समाधान के बारे में भी किसानों को सोचना होगा। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कर्ज-माफी आदि तात्कालिक उपाय जरूर होने चाहिए, लेकिन वह संकट का समाधान नहीं है। यह लंबा संघर्ष है। अभी तक का अनुभव है कि किसान आंदोलन नवउदारवादी शक्तियों के पक्ष में इस्तेमाल हुआ है। किशन पटनायक का कहना है किसान आंदोलन को अपनी राजनीति भी गढ़नी चाहिए। किशन पटनायक का आशय नवउदारवाद विरोध की राजनीति गढ़ने से है। चाहे अस्सी और नब्बे के दशकों का किसान आंदोलन रहा हो, या इक्कीसवीं सदी का किसान आंदोलन, अभी तक यही देखने में आया है कि किसान नेतृत्व केवल नवउदारवाद के विरोध तक जाता है। नवउदारवाद के विरोध की राजनीति गढ़ने में किसान नेतृत्व की रुचि प्रायः नहीं रही है। राजनीति के लिए वह मुख्यधारा राजनीति पर ही निर्भर रहता है। साथ ही वह धर्म, जाति, क्षेत्र और पितृसत्ता के कटघरों में कैद नजर आता है। फिर भी, नई राजनीति के निर्माण की संभावनाओं का सबसे बड़ा क्षेत्र भारत का किसान जीवन ही हो सकता है। किसान नेतृत्व को यह हकीकत समझनी होगी कि देश में नवउदारवादी सर्वसम्मति (निओलिबरल कंसेंसस) की स्थिति में कृषि जैसा विशाल क्षेत्र नवउदारवादी तंत्र से स्वायत्त बना नहीं रह सकता। देर-सवेर नवउदारवादी व्यवस्था के साथ उसका इंटिग्रेशन होना ही है। इंटिग्रेशन की प्रक्रिया को गति देने के लिए मोदी सरकार ने तीन कृषि-कानून संसद में पारित किए थे। किसानों के लंबे प्रतिरोध के चलते सरकार ने कानून वापस तो ले लिए थे, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया था कि उन कानूनों को जल्दी ही फिर से लाया जाएगा। ऐसा होगा भी। तीनों कृषि-कानून, भले ही कुछ बदले हुए रूप में, देर-सवेर फिर से आएंगे।

भारत का शासक-वर्ग कृषि-संकट का समाधान कृषि के निगमीकरण में देखता है। हालांकि, यूरोप-अमेरिका का अनुभव बताता है कि निगमीकृत खेती भी संकटग्रस्त है। भारी सब्सिडी के बावजूद वहां किसानों को बार-बार सड़कों पर आना पड़ता है। वाशिंगटन सहमति के एक दशक बाद नवंबर 1999 में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंत्री स्तरीय सम्मेलन स्थल पर निगमीकरण के खिलाफ हुआ मशहूर सिएटल प्रतिरोध भारत सहित दुनिया के सामने है। लेकिन शासक-वर्ग आयातित निगम मॉडल से अलग किसी वैकल्पिक मॉडल के बारे में सोचने को तैयार नहीं लगता। यह काम किसान नेतृत्व को ही करना है। भारत में कृषि-अर्थशास्त्रियों की मुख्यतः दो कोटियां हैं। एक वे हैं जो इस संकट को निगम-केंद्रित (कारपोरेट सेंट्रिक) नजरिए से देखते और कृषि के निगमीकरण में ही संकट का समाधान मानते हैं। दूसरे वे हैं जो संकट को संविधान-केंद्रित अर्थात राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों के नजरिए से देखते और हल करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री की कुवैत यात्राः खाड़ी क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका

प्रो बंदिनी कुमारी

कुवैत ने अपनी महत्वपूर्ण निवेश क्षमता के साथ, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में अवसरों की खोज में गहरी रुचि व्यक्त की। प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा और रसद जैसे क्षेत्रों को आपसी हित के क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया। कुवैत का संप्रभु धन कोष, जो दुनिया में सबसे बड़ा है, भारत के बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। चर्चाओं में बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने और व्यापार-से-व्यापार संबंधों को और बेहतर बनाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

बीते माह दिसंबर में प्रधानमंत्री मोदी की कुवैत यात्रा 1981 में इंदिरा गांधी की यात्रा के बाद 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। कुवैत के साथ भारत के पीढ़ियों से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंध हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। न केवल व्यापार और ऊर्जा क्षेत्रों में दोनों देशों की मज़बूत भागीदारी है, बल्कि पश्चिम एशिया भूभाग में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि जैसे क्षेत्रों में भी साझा हित हैं। कुवैत की अर्थव्यवस्था का अधिकांश हिस्सा तेल से संबंधित है, और इस संसाधन ने इसे एक मजबूत वित्तीय स्थिति में रखा है। ओपेक (ओपीईसी) में कुवैत की भूमिका भी इसे वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाती है। कुवैत का स्थान इराक, ईरान, और सऊदी अरब जैसे शक्तिशाली देशों के बीच स्थित है, जो इसे मध्य पूर्व की राजनीतिक और सैन्य गतिविधियों का केंद्र बनाता है। कुवैत विशेष रूप से अपनी रणनीतिक भू-राजनीतिक स्थिति के लिए भी जाना जाता है यह अरब खाड़ी के उत्तरी हिस्से में स्थित है, जहां से तेल टैंकर गुजरते हैं। इसका शत्त अल अरब और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकट संबंध इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। 1990 में इराक द्वारा कुवैत पर हमला (गल्फ वॉर) इसकी भौगोलिक स्थिति के महत्व को रेखांकित करता है। कुवैत, पश्चिम एशिया के महत्वपूर्ण देश ईरान के साथ एक संतुलित संबंध बनाए रखने की कोशिश करता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम और खाड़ी में तनाव कुवैत के लिए सुरक्षा चिंताएं पैदा करता है। कुवैत, शिया और सुन्नी बहुल समाज के बीच भी संतुलन बनाने की कोशिश करता है. ताकि घरेलू और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखी जा सके। संक्षेप में, कुवैत की जियोपोलिटिकल स्थिति इसे खाड़ी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण देश बनाती है। तेल संसाधन, रणनीतिक स्थान, और मध्यस्थता की नीति इसे क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक अनिवार्य भूमिका निभाने वाला देश बनाते हैं। हालांकि, इसे क्षेत्रीय तनावों, आंतरिक सुरक्षा और आर्थिक विविधीकरण जैसे मुद्दों पर संतुलन बनाना आवश्यक है।

भारतीय प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा ने भारत-कुवैत संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया जो पश्चिम एशिया में भारत के बढ़?ते प्रभाव और इस क्षेत्र में इसकी सक्रिय कूटनीति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक भारत-कुवैत संबंधों को ''रणनीतिक साझेदारी'' के स्तर तक बढ़ाने का समझौता है। यह कदम व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक और संरचित सहयोग के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत और कुवैत के बीच सदियों पुराने व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों में निहित घनिष्ठ संबंध रहे हैं। रणनीतिक साझेदारी में वृद्धि समकालीन वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करते हुए इस ऐतिहासिक बंधन को औपचारिक बनाती है। सहयोग पर संयुक्त आयोग (आईसीसी) की स्थापना द्विपक्षीय जुड़ावों की निगरानी और विस्तार के लिए एक प्रमुख संस्थागत तंत्र है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की अध्यक्षता में, आईसीसी का उद्देश्य रणनीतिक दिशा प्रदान करना और विभिन्न क्षेत्रों में पहलों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है। यह संस्थागतकरण एक संरचित और टिकाऊ तरीके से संबंधों को गहरा करने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। व्यापार लंबे समय से भारत और कुवैत के बीच एक स्थायी संबंध रहा है, और इस यात्रा ने आगे के विकास और विविधीकरण की क्षमता को रेखांकित किया। कुवैत ने अपनी महत्वपूर्ण निवेश क्षमता के साथ, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में अवसरों की खोज में गहरी रुचि व्यक्त की। प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा और रसद जैसे क्षेत्रों को आपसी हित के क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया। कुवैत का संप्रभु धन कोष, जो दुनिया में सबसे बड़ा है, भारत के बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। चर्चाओं में बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने और व्यापार-से-व्यापार संबंधों को और बेहतर बनाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। ऊर्जा भारत-कुवैत संबंधों की आधारशिला बनी हुई है. कुवैत भारत के कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। इस यात्रा ने पारंपरिक क्रेता विक्रेता संबंधों से हटकर अधिक व्यापक ऊर्जा साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा और भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व कार्यक्रम में भागीदारी शामिल है। अंतर्राष्टीय सौर गठबंधन (आईएसए) में शामिल होने का कुवैत का निर्णय स्थायी ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों राष्ट्र सौर ऊर्जा और कम कार्बन विकास पथों की तैनाती को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। यह भारत के नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में इसके वैश्विक नेतृत्व के साथ संरेखित है। रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर यात्रा का एक और प्रमुख आकर्षण था। एमओयू संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, तटीय रक्षा, समुद्री सुरक्षा और रक्षा उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन में सहयोग बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। यह रणनीतिक साझेदारी के रक्षा स्तंभ को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुरक्षा सहयोग पर भी काफी ध्यान दिया गया। दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। वे आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को बाधित करने, आतंकी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों, साइबर सुरक्षा और अंतरराष्टीय अपराधों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। चर्चाएँ क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। कुवैत में भारतीय डायस्पोरा की बात करे तो यहाँ भारत के दस लाख से अधिक लोगों का जीवत प्रवासी समुदाय द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएम मोदी की यात्रा ने भारत-कुवैत संबंधों के मूलभूत स्तंभ के रूप में लोगों से लोगों के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित किया।

बेदाग खूबसूरती के लिए चंदन के साथ करें इन चीज़ों का इस्तेमाल

स्किन पर किसी के दाग-धब्बे न हो, तो मेकअप करने का झंझट ही नहीं होता। लेकिन जिस तरह की लाइफस्टाइल और फूड हैबिट्स हमारी बन चुकी है उसमें बेदाग त्वचा की चाहत को पूरा कर पाना इतना आसान नहीं है। धूल-मिट्टी, प्रदूषण, सूरज की हानिकारक किरणें जैसी कई वजहें हैं, जिनसे हमारी स्किन प्रभावित होती है। यहां तक की इससे कील-मुहांसे भी हो जाते हैं। सर्दियों में त्वचा की ड्राइनेस से छुटकारा पाने के लिए लोग कई तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन अगर आप नेचुरल तरीके से स्किन को निखारना चाहती हैं और उसके दाग-धब्बे दूर करना चाहती हैं, तो चंदन को कर लें अपने ब्यूटी रूटीन में शामिल।

चंदन पाउडर और टमाटर का गूदा निकालकर फेस पैक बनाएं। इससे त्वचा की गहराई से सफाई हो जाती है। ये फेस पैक ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स दूर करने में भी मददगार होता है। इसे बनाने के लिए 2 चम्मच चंदन पाउडर में 1 चम्मच टमाटर का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद फेस को ताजे पानी से धो लें।

चंदन में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर लगाएं

ठंड में चंदन पाउडर और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक लगाकर आप त्वचा के दाग-धब्बों से पूरी तरह निजात पा सकते हैं। इसके लिए 1 चम्मच चंदन पाउडर में आधा चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 2 चम्मच दूध या गुलाब जल मिक्स करें। अब इस पैक को फेस पर अप्लाई करें और आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से फेस वॉश कर लें।

चंदन और शहद से बनाएं फेस पैक

कील-मुंहासों से छुटकारा पाने के साथ स्किन को मॉइश्चराइज रखने के लिए चंदन में शहद मिलाकर फेस पैक बनाएं। 2 चम्मच चंदन पाउडर में 2-3 चम्मच शहद मिलाकर फेस पर लगाएं और आधे घंटे बाद साफ पानी से चेहरा धो लें। इससे आपकी स्किन कोमल और चमकदार नजर आएगी।

गुलाब जल के साथ करें चंदन का इस्तेमाल

अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसे भी दूर करने में कारगर है चंदन फेस पैक। बस इसके लिए आपको चंदन के पाउडर में गुलाब जल मिक्स कर चेहरे पर अप्लाई करना है। 2 चम्मच चंदन पाउडर में 2-3 चम्मच गुलाब जल डालकर पेस्ट बनाएं और फेस पर लगाकर सूखने दें। इसके बाद पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से दाग-धब्बे कम होने लगेंगे। सर्दियों में त्वचा की नमी बरकरार रखने और निखार लाने के लिए चंदन को दही के साथ मिलाकर फेस पैक बनाएं। 2 चम्मच चंदन पाउडर में इतनी दही मिलाएं जिससे गाढ़ा सा फेस पैक बन जाए। चेहरे पर इसे अप्लाई करें और लगभग आधे घंटे बाद नॉर्मल पानी से धो लें। जल्द रिजल्ट के लिए हफ्ते में 2-3 बार इसे ट्राई करें।

गुलाब से बनने वाले इन फेस पैक को करें ट्राय

चेहरे की सुंदरता का असली मेकअप से नहीं बल्कि चेहरे की चमक, खूबसूरती और ताजगी से जुड़ा है। जिसे बढ़ाने के लिए महिलाएं पॉर्लर में तरह-तरह के मंहगे ट्रीटमेंट्स लेती हैं। जो नो डाउट कुछ ही समय में चेहरे का ग्लो तो बढ़ा देते हैं लेकिन लंबे समय तक इनका प्रयोग करते रहने से इनमें मौजूद कैमिकल की वजह से चेहरे की चमक फीकी होती जाती है। तो चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को बरकरार रखने, गुलाबी रंगत पाने के लिए जितना हो सके घरेलू और नेचुरल चीज़ों का इस्तेमाल करें। जिनमें से एक है गुलाब की पंखुड़ियां, जिनका इस्तेमाल बरसों से महिलाएं खूबसूरती निखारने के लिए करती आई हैं।

गुलाब की ताजी पंखुड़ियों को कच्चे दूध में डालकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। दूध बहुत ज्यादा मात्रा में नहीं डालना है। इसके अलावा दूसरा ऑप्शन है गुलाब की पत्तियों, कच्चा दूध और थोड़ा सा बेसन मिलाकर इसका पेस्ट बना लें। चेहरे के साथ गर्दन पर भी लगाएं। 15 - 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से धो लें।

गुलाबी निखार के साथ ही इससे डेड स्किन की प्रॉब्लम भी दूर होती है। गुलाब की पंखुड़ियों का पेस्ट बना लें। इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर कम से कम 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पानी से धो लें। त्वचा चमक उठेगी। दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है। जो त्वचा के नेचुरल ग्लो को बढ़ाने का काम करता है। तो इसके साथ भी गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल बेजान से चेहरे में जान डालता है। एक बाउल में गुलाब की पंखुड़ियों को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें दही और शहद मिलाएं। सारी चीज़ों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं।

सूखने के बाद पानी से धो लें। चेहरे की सुंदरता का असली मेकअप से नहीं बल्कि चेहरे की चमक, खूबसूरती और ताजगी से जुड़ा है। जिसे बढ़ाने के लिए महिलाएं पॉर्लर में तरह-तरह के मंहगे ट्रीटमेंट्स लेती हैं। जो नो डाउट कुछ ही समय में चेहरे का ग्लो तो बढ़ा देते हैं लेकिन लंबे समय तक इनका प्रयोग करते रहने से इनमें मौजूद कैमिकल की वजह से चेहरे की चमक फीकी होती जाती है।

क्यों निकलते हैं हिप्स पर पिम्पल्स, क्या है कारण

हिप्स में डार्क स्पॉट या पिम्पल्स आमतौर पर सामान्य समस्या है। यह देखने में भद्दे लगते हैं और समय पर इलाज नहीं करने पर काफी दर्दनाक हो जाते हैं। जिन लोगो को यह समस्या हो चुकी है उन्हें पता है हिप्स पिम्पल्स के दाग जल्दी से रिमूव नहीं होते हैं। कभी-कभी इनमे पस भर जाता है जो जल्दी ठीक नहीं होते हैं। आज हम आपको बताने वाले हैं हिप्स पर मुंहासे क्यों होते हैं और इनको किस तरह से दूर किया जा सकता है। चेहरे पर पिम्पल्स तो सुना होगा लेकिन हिप्स पर मुंहासे बहुत कम लोग जानते हैं जबकि यह एक आम समस्या है। सबसे पहले यह जानते हैं हिप्स पर मुंहासे क्यों होते हैं

टाइट कपड़ो के कारण

अगर आपको भी टाइट जींस जैगिंग्स या ट्राउजर्स पहनना पसंद है तो सावधान हो जाइये यह आपको बट पर मुहांसे की परेशानी का कारण हो सकता है। टाइट कपड़ो से स्किन में फ्रिक्शन होता है इस रगड़ के कारण हेयर फॉलिकल डैमेज होते है जिससे बट पर पिम्पल्स की समस्या हो सकती है। टाइट कपड़े में पसीना सूख नहीं पाता और यह बैक्टीरियल इंफेक्शन का कारण बन जाता है जिससे बट पर डार्कनेस और पिम्पल्स की दिक्कत हो जाती है।

देर तक वर्क आउट

अगर आप देर तक वर्क आउट करते हैं और उसके बाद शावर नहीं लेते है तो यह बट पिम्पल्स का कारण हो सकता है। वर्क आउट के दौरान पसीना अपने साथ बॉडी की गंदगी को भी बाहर निकलता है। अगर आप शावर नहीं लेंगे तो यह पसीना आपकी बॉडी में ही रह जाएगी और यह बैक्टेरियल इंफेक्शन का कारण बनते है। साथ ही अगर आप वर्क आउट के दौरान नायलॉन के कपड़े पहनना पसंद करते हैं तो उसको अवॉइड करें क्योकि नायलॉन पसीना नहीं सोखता है जिससे सीबम ब्लॉक होता है जो बट पिम्पल्स का कारण बन जाता है।

रोम छिद्र ब्लॉक होना

अगर आपकी स्किन ऑयली है और आपके फेस पर पिम्पल्स हैं तो आपको बट पिम्पल्स की परेशानी हो सकती है । स्किन पर बहुत ज्यादा ऑयल आपके रोम छिद्रो को बंद कर देता है जिससे स्किन सांस नहीं ले पाती और बट इन्फेक्शन्स हो जाता है।

हेयर फॉलिकल ब्लॉक होना

बहुत टाइट कपड़े स्किन से रगड़ करते हैं जिससे रोयें टूटते हैं जिससे बैक्टीरियल इंफेक्शन होता है। टाइट कपड़ो की वजह से पसीना नहीं सूख पाता और यह पसीना हेयर फॉलिकल को ब्लॉक करता है जो बट पिम्पल्स का कारण हो जाता है।

बट पिम्पल्स के लिए प्रीकॉशन्स

नहाने के लिए एंटी बैक्टीरयल सोप का इस्तेमाल करें। अगर आप केमिकल युक्त रिमूवर यूज करते हैं तो लेजर ट्राई करें। क्योकि केमिकल वाले रिमूवर भी बट एक्ने का कारण हो सकते है। यह बट डार्कनेस को भी बढ़ावा देते है। टाइट कपड़े आपको बट पिम्पल्स की परेशानी दे सकते हैं। ढीले कपड़े पहनें जिससे स्किन सांस ले सके और पसीना आसानी से सूख जाये। गरम पानी में नमक मिलाएं इसमें एक तौलिया भिगोकर बट के प्रभावित जगह पर सिकाई करें आपको आराम मिलेगा। अगर आपको बट पिम्पल्स की समस्या है तो आप नींबू के रस की कुछ बूंदे बट पर लगाएं। नहाते समय बट को अच्छी तरह से एक्सफोलिएट करें लेकिन बहुत ज्यादा रगड़े नहीं। यह ज्यादा हार्मफुल हो सकते है। कभी भी गीले कपड़े नहीं पहनें यह स्किन इंफेक्शन का कारण हो सकते है। नहाने के बाद अच्छी तरह से खुद को सूखाने के बाद ही कपड़े पहनें। मुहांसे एक ऐसी समस्या है, जो आपकी ब्यूटी बिगाड़ देती है। यह समस्या केवल फेस पर ही नहीं, बल्कि शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है, जिसमें हिप्स पोर्शन भी शामिल है। बट एक्ने छोटे-छोटे लाल रंग के दाने होते हैं, जिन्हें फॉलिकुलाइटिस कहा जाता है। इसके होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि हार्मोन प्रॉब्लम, यीस्ट इन्फेक्शन, फंगल इंफेक्शन और बैक्टीरियल इंफेक्शन।

फंगल इंफेक्शन में पिटिरियासिस या मालेसेजिया भी बट एक्ने का कारण बन सकते हैं। कई लोगों में यह प्रॉब्लम गर्म मौसम के कारण हो सकती है। अगर आप बार-बार अपने बटॉक्स को खुजलाते हैं, इससे एक्ने की प्रॉब्लम और भी ज्यादा बढ़ सकती है। यदि आप भी बट एक्ने की से परेशान हैं, तो जानिए इसके ट्रीटमेंट और बचाव के बारे में यहां। एक्ने के प्रॉब्लम के होम टिप्स काफी काम आते हैं। यदि आप बट पिंपल्स से परेशान हैं, तो डॉक्टर अपराजिता लांबा के बताए विकल्पों को चुन सकते हैं। उन्होंने पेरोबार-5 सोप, बेनजेक एसी जेल वॉश और पैनॉक्सिल-10 को इस्तेमाल करने की सलाह दी। डॉक्टर ने ये भी कहा कि ये समस्या बेहद आम है और इसमें किसी को भी शर्मिंदा होने की जरूरत नहीं है। इसका ट्रीटमेंट किया जा सकता है, जो एक्ने के साथ ही पिग्मेंटेशन से भी छुटकारा दिलाएगा। ये विकल्प कैसे काम करते हैं और इसके अलावा कौन से विकल्प हैं, जो काम के साबित हो सकते हैं, इस बारे में आगे जानें।

आप बेंजोयल पेरोक्साइड प्रोडक्ट से बट पिंपल्स का ट्रीटमेंट कर सकते हैं। इससे बने बॉडी वॉश या साबुन का यूज बट एक्ने के लिए सबसे अच्छा उपचार है। यह फॉलिकुलाइटिस के कारण होने वाली सूजन और फुंसियों के लिए सबसे अच्छा काम करता है। हालांकि, अगर आपके बट एक्ने बहुत गंभीर हैं, तो आपको डॉक्टर से मिलने की जरूरत है। हेयर फॉलिकल को ब्लॉक होने से बचाने के अपनी स्किन को एक्सफोलिएट करें। नियमित एक्सफोलिएशन से आप एक्ने की प्रॉब्लम को कंट्रोल कर पाएंगे। इसके लिए आप एक्सफोलीएटिंग स्क्रीन क्रीम का यूज कर सकते हैं। यदि आपके बट पर हल्के एक्ने हैं, तो उस जगह आप ग्लाइकोलिक एसिड, लैक्टिक एसिड या सैलिसिलिक एसिड युक्त ओटीसी क्रीम लगाएं। हालांकि, इससे चुनते वक्त एक्सपर्ट की मदद लेना ज्यादा बेहतर होगा।

जोजोबा ऑयल से बनाएं मेकअप रिमूवर

मेकअप रिमूवर बनाने के लिए जोजोबा ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए एक बाउल में जोजोबा ऑयल लें, इसमें विटामिन-ई का कैप्सूल मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें, चाहें तो आप इसे स्टोर भी कर सकती हैं। इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा को नमी मिलेगी।

सेब का सिरका मेकअप हटाने के लिए कारगर साबित हो सकता है। एक बाउल में एक चम्मच सेब का सिरका लें, इसमें तीन चम्मच पानी मिलाएं। आप इसका उपयोग मेकअप हटाने के लिए कर सकती हैं। इसे लगाने के कुछ देर बाद चेहरे को पानी से धो लें।

स्किन केयर रूटीन में शामिल करें काजू

काजू सेहत के साथ त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है। आप ग्लोइंग स्किन के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन, इसमें मौजूद केमिकल से आपकी स्किन डैमेज हो सकती है। अगर आप स्किन को अंदर से हेल्दी रखना चाहती हैं, तो नेचुरल उपाय अपना सकती हैं। हेल्दी स्किन के लिए आप काजू का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें आयरन, पोटैशियम, फॉस्फोरस, विटामिन-के और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

काजू से ऐसे बनाएं 3 फेस पैक

काजू और बेसन का फेस पैक- सामग्री 10 काजू, एक चम्मच कच्चा दूध, एक चम्मच बेसन बनाने की विधि इससे फेस पैक बनाने के लिए, सबसे पहले काजू को पानी में भिगो दें। 1-2 घंटे बाद इसे पीस लें, अब इसमें कच्चे दूध और बेसन मिलाएं।

इस मिश्रण को अच्छी तरह फेंट लें। फिर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं, करीब 15 मिनट बाद पानी से धो लें। हफ्ते में इस पैक का 2-3 बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

काजू और एलोवेरा

सामग्री 8-10 काजू, एक चम्मच एलोवेरा जेल

बनाने की विधि सबसे पहले भीगे हुए काजू का पेस्ट बना लें, इसमें एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। लगभग 15 मिनट बाद पानी से धो लें।

3. काजू , मुल्तानी मिट्टी और ओट्स

सामग्री 1-2 चम्मच काजू का पेस्ट, एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 चम्मच ओट्स पाउडर

बनाने की विधि एक कटोरी में काजू का पेस्ट लें, इसमें मुल्तानी मिट्टी और ओट्स पाउडर मिलाएं। पानी की मदद से गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इसे चेहरे पर लगाएं, 10-15 मिनट बाद पानी से धो लें।

काजू फेस पैक के फायदे

यह स्किन की कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल से चेहरे की झुर्रियां कम होती है। यह कील-मुंहासे, दाग-धब्बों को दूर करने में सहायक है। काजू फेस पैक बढ़ती उम्र के प्रभावों के कम करने में मददगार साबित हो सकता है। आप इसके नियमित इस्तेमाल से निखरी त्वचा पा सकती हैं।

मेकअप रिमूवर बनाने के आसान टिप्स

परफेक्ट मेकअप से चेहरे की सुंदरता बढ़ जाती है। लेकिन, स्किन को साफ-सुथरा रखने के लिए मेकअप हटाना भी काफी जरूरी होता है। अगर आप नियमित रूप से मेकअप करती हैं, तो रात में सोने से पहले चेहरे को जरूर साफ करें। इससे आपकी स्किन स्वस्थ रहेगी।

आजकल मार्केट में कई तरह के मेकअप रिमूवर उपलब्ध हैं, लेकिन चाहें तो आप घर पर भी मेकअप रिमूवर आसानी से बना सकती हैं। इसमें कोई केमिकल भी नहीं होगा और स्किन के लिए कारगर साबित हो सकता है।

कच्चा दूध और बादाम का तेल

इसके लिए एक कटोरी में एक चम्मच कच्चा दूध लें, इसमें बादाम का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को फेंट लें, इससे चेहरे पर मसाज करें। कुछ देर बाद साफ पानी से धो लें। इस आपकी स्किन डीप क्लीन होगी।

जैतून का तेल

मेकअप रिमूव करने के लिए आप जैतून के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे मेकअप रिमूवर बनाने के लिए एक बाउल में जैतून का तेल लें, इसमें बराबर मात्रा में नारियल तेल मिला लें। चाहें तो इस मिश्रण में बेबी शैम्पू भी डाल सकते हैं। अब इस मिश्रण को अच्छे से मिला लें। आप इसे किसी डिब्बे में स्टोर भी कर सकती हैं।

दोस्तों के साथ घूमने का मजा कुछ अलग ही होता है

अगर आप सस्ते में घूमने का मजा लेना चाहते हैं, तो ग्रूप में घूमना शुरू करें। रहने-खाने से लेकर आने-जाने तक हर एक चीज़ का खर्चा काफी कम हो जाता है और ये सेफ भी होता है। तो अगर आप ट्रैवलिंग का कुछ अलग और एक्सपीरियंस लेना चाहते हैं, तो एक बार इसे जरूर ट्राय करें। आपने देखा होगा कुछ लोगों का हर महीने ही घूमने-फिरने का प्लान बनता रहता है और कुछ उनसे भी आगे होते हैं जो हर हफ्ते ही किसी न किसी एडवेंचर पर निकल जाते हैं। इन्हें देखकर अक्सर ये ख्याल मन में आता था कि यार कैसे ये हर हफ्ते ट्रैवलिंग का खर्च मैनेज करते होंगे। किसी से कभी इस बारे में पूछा तो नहीं, लेकिन घूमने का कीड़ा मेरे अंदर भी था, तो जैसे-जैसे एक्सप्लोर करना शुरू किया खुद-ब-खुद बजट ट्रैवलिंग का आइडिया मिलते गया। जो मैं आज आपके साथ शेयर करने वाली हूं। फ्लाइट हो या होटल, बुकिंग जितना पहले करा लेंगे उतना ही फायदे में रहेंगे। अगर आप होली में वेकेशन प्लान कर रहे हैं, तो डेस्टिनेशन के साथ ही फ्लाइट या ट्रेन जिससे भी जाने की सोच रहे हैं उसका रिजर्वेशन करवा लें।

होमस्टे का चुनें ऑप्शन

रूकने के लिए मंहगे होटल्स में अरेंजमेंट की जगह होमस्टे का ऑप्शन चुनें। टूरिस्ट प्लेसेज पर आजकल मॉडर्न सुविधाओं वाले होमस्टे की भरमार होती है। इनमें रूकने का एक्सपीरियंस भी अलग होता है और होटल्स के मुकाबले यहां रहना काफी सस्ता होता है।

ऑफ सीज़न में करें ट्रैवल

क्रिसमस, न्यू ईयर, होली, दिवाली पर ट्रैवलिंग नॉर्मल ट्रैवलिंग की तुलना में ज्यादा मंहगा होता है। बेशक इस दौरान टूरिस्ट प्लेसेज पर ज्यादा मौज-मस्ती होती है लेकिन अगर कम पैसों में घूमना चाहते हैं, तो इस दौरान न करें प्लानिंग।

प्रकृति के खूबसूरत नजारों का करीब से दीदार करने के लिए हाइकिंग सबसे बेस्ट ऑप्शन ऑप्शन है। एडवेंचर के शौकीन तो किसी भी ट्रिप में ट्रैकिंग और हाइकिंग का मौका मिस नहीं करते। जहां कुछ लोग इस एडवेंचर को ग्रूप में बातचीत करते हुए करना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ लोग अकेले। हाइकिंग करने का एक मुख्य उद्देश्य प्रकृति के करीब जाना है। अकेले हाइकिंग का आइडिया बहुत एक्साइटिंग तो लगता है लेकिन इसके अपने रिस्क भी हैं और उनसे निपटने की पूरी तैयारी करना बेहद जरूरी है। अगर आपने भी अकेले हाइकिंग करने का सोच लिया है तो एक नजर नीचे दिए गए चेकलिस्ट को पर डाल लें कि इसके लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना है। यदि आपको पहले से हाइकिंग का एक्सपीरियंस है तो इसके अलग-अलग लोकेशन की कठिनाइयों का भी पता होगा। लेकिन अगर आप पहली बार हाइकिंग पर जा रहे हैं और वह भी अकेले, तो लोकेशन के बारे में पूरा रिसर्च बहुत जरूरी है। आपको स्थानीय लोगों, हाइकिंग के रास्तों और इमरजेंसी सेवाओं, मौसम आदि के बारे में अच्छी जानकारी चाहिए। इस तरह आप अकेले हाइकिंग के लिए पूरी तरह तैयार और सुरक्षित होंगे और आपका अनुभव मजेदार होगा। हाइकिंग के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक जरूरत के एक-एक सामान की चेकलिस्ट बनाना है। एक अकेले हाइकर को खुद खाना बनाना, टेंट लगाना और सभी सामानों की व्यवस्था करनी होती है इसलिए सभी चीजें पैक करना जरूरी है। और हां, यह भी ध्यान रखें कि बैग ज्यादा भारी ना हो जाए। बैग में जरूर रखें ये सामान अपना टेंट स्लीपिंग बैग खाने की चीजें खाना पकाने के लिए गैस कम्पस/नेविगेटर टॉर्च हाइकिंग काफी कठिन हो जाता है अगर मौसम अचानक बदल जाए, जो अक्सर देखा जाता है। तेज धूप से लेकर बरसात तक, बेहद ठंड या फिर झुलसाने वाली गर्मी पड़ सकती है। इसलिए याद से थर्मल कोट, जैकेट और रेनकोट पैक कर लें और कठिन से कठिन मौसम के लिए तैयार रहें। अक्सर सोलो हाइकर लोकल गाइड साथ कर लेते हैं। इससे भटकने का डर नहीं रहता और सफर आसान हो जाता है। गाइड चोरी या अन्य मुसीबत से भी बचाता है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि गाइड भरोसेमंद हो। इसलिए लोकल लोगों या फिर पहले हाइकिंग कर चुके/अनुभवी लोगों से गाइड का अता-पता जान लें। अकेले हाइकिंग करने के लिए यह जरूरी है कि हेल्दी हो और हर सिचुएशन का सामना करने के लिए तैयार भी। इसलिए हाइकिंग से 3-4 महीने पहले इसकी तैयारी शुरू कर दें जिससे सफर आसान हो जाएगा। महिला सोलो हाइकर के लिए स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बढ़ जाती है क्योंकि हाइकिंग के दौरान माहवारी की अनियमितता बढ़ने का खतरा रहता है। इसलिए जबरदस्त तैयारी के साथ हाइकिंग पर जाएं और अपने एक्सपीरियंस को यादगार बनाएं। दोस्तों के साथ घूमने का मजा कुछ अलग ही होता है आप भी अगर इस विंटर वेकेशंस में फेमिली या दोस्तों के साथ इंजॉय करना चाहते हैं कहीं बाहर घूमना चाहते हैं तो हम आपकी छुट्टियों को यादगार बनाने जा रहे हैं आपको कुछ ऐसी विजिटिंग प्लेस के बारे में बता रहे हैं जो आपके वेकेशंस का मजा दुगुना कर देंगे। वेकेशंस सेलिब्रेट करने के लिए गोवा यंगस्टर्स की पहली पसंद है। यहां की नाइट लाइफ, समुद्र का किनारा, क्लब सबको बहुत लुभाते हैं। यहां आप दोस्तों के साथ पूरी मस्ती कर सकते हैं। यहां के बीच बहुत फेमस हैं खासकर बागा बीच सबसे फेमस है यह एकदम शांत और बेहद खूबसूरत है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

सम्भल (बहजोई) कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा एवं शिक्षा विमर्श निपुण सम्भल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत 19 अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्ति करण के लिए विकासखंड वार चर्चा की गयी। नल जल आपूर्ति, दिव्यांगजन शौचालय, रसोई घर, कक्ष कक्षाओं के टायलीकरण, बालक बालिका मूत्रालय, मल्टीपल हैण्डवाश यूनिट, चहारदीवारी, फर्नीचर, को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दिव्यांगजन शौचालय को लेकर समस्त संबंधित खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि संतृप्ति करण कराना सुनिश्चित करें। कम जगह में बने विद्यालयों को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि लेखपालों के द्वारा विद्यालयों की भूमि की पैमाइश कराई जाए तथा समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन अध्यापकों को लगता है कि विद्यालय के लिए भूमि कम है या कोई भूमि से संबंधित विवाद चल रहा है उसकी जानकारी से शीघ्र अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।सबसे बड़ी ग्राम पंचायतों के अन्तर्गत आने वाले विद्यालयों में फर्नीचरों को प्राथमिकता पर रखा जाए।समस्त खंड विकास अधिकारी पीएम श्री एवं सम्भल श्री पर कार्य करना सुनिश्चित करें। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को लेकर भी समीक्षा की गई। ड्रॉप आउट बालिकाओं के पंजीकरण किया जाए, पंजीकरण के लक्ष्य में गुणवत्ता हो, छात्राओं को प्रार्थना सभा में सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को सुनाया जाए ताकि उनकी सामान्य ज्ञान की समझ बढ़ सके। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को नियमित रूप से प्रेरणादायक वीडियो दिखायी जाएं। आउटडोर एवं इंडोर गेम्स पर भी ध्यान दिया जाए,

छात्राओं को दिया जाने वाला खाना गुणवत्ता पूर्ण हो तथा भोजन की फोटो सुबह-शाम ग्रुप पर भेजी जाएं। हमारा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय के अंतर्गत कस्तूरबा की साफ सफाई भी सुनिश्चित की जाए। मिड डे मील को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गई तथा रसोइयों के भुगतान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पीएम श्री विद्यालयों को लेकर भी समीक्षा की गई जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि पीएम श्री स्कूलों की शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाया जाए।पीएम श्री विद्यालयों के बच्चों के हेल्थ कार्ड के विषय में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डिजिटल लॉकर के अंतर्गत पीएम श्री विद्यालय के छात्र-छात्राओं के खाता बैंक में खुले हैं या नहीं उसकी जानकारी लेते हुए संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि डिजिटल गुल्लक के अंतर्गत सभी छात्र छात्राओं के बैंक में खाते खुलवाए जाएं। पीएम श्री विद्यालय के अंतर्गत पढने वाले छात्र एवं छात्राओं के माता-पिता को शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है या नहीं उसके विषय में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए और संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कैम्प के माध्यम से उनको योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। पीएम श्री मिलन समारोह का भी आयोजन करना सुनिश्चित किया जाए तथा पीएम श्री विद्यालय में ज्यादा से ज्यादा छात्र एवं छात्राओं का पंजीकरण हो सके उसके लिए विद्यालयों से एडमिशन से संबंधित फार्म भी निकलवाए जाएं और विद्यालय की विशेषताओं के विषय में भी अभिभावकों को प्रचार प्रसार के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराई जाए। समेकित शिक्षा प्रशिक्षण को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी।समस्त पीएम श्री विद्यालयों में ट्राई साइकिल को लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त पीएम श्री विद्यालयों में ट्राई साइकिल उपलब्ध करायी जाए। ब्लैकबोर्ड ,ग्रीन बोर्ड को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वाला पेंटिंग को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पारित कराते हुए पीएम श्री पथ तैयार कराना सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक पीएम श्री विद्यालय में मंडलीय गजेटियर भी उपलब्ध कराया जाए। झूले को लेकर भी जिलाधिकारी न संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त पीएम श्री विद्यालयों में झूले भी लगाए जाएं । एजुकेशन पार्क को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों में हरिशंकरी वाटिका एवं मौल श्री का रोपण किया जाए। आई एस ओ सर्टिफिकेशन को लेकर भी जानकारी प्राप्त की रोबोटिक्स, ए आई को लेकर भी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साइंस लैब , एस्ट्रोनॉमी लैब थ्रीडी प्रिंटर को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देशित किया। पीएम श्री विद्यालयों के शिक्षकों की यूनिफॉर्म पर भी चर्चा की गई। पीएम श्री विद्यालय के बच्चों की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी फरवरी माह में करना सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेन्द्र कुमार पाण्डेय, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी सीपी सिंह, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त डीसी तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डन एवं समस्त पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रयत्न संस्था ने बाल अपराधों के खिलाफ किया लोगों को जागरूक

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया के निर्देश पर एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन के तहत प्रयत्न संस्था और जिला प्रोबेशन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के सहयोग से लगातार जिले में बाल अपराधों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में पंवासा ब्लॉक के सैफ खा सराय में प्रयत्न संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी की टीम के फील्ड कोर्डिनेटर सिराज अहमद ने लोगों को बाल अपराधों के विषय में जानकारी देते हुए बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई और बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल अपराध की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 और संस्था का मो नम्बर 8979980888 पर देनी है। जिससे की 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

हमारा लक्ष्य परिवार ने बांटे रजाई व वस्त्र

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। हमारा लक्ष्य परिवार ने ग्राम रघुनाथपुर ब्लॉक जखौरा में जाकर गरीब असहाय, विधवा, एवं सहरिया महिलाओं को रजाई एवं छोटे-छोटे बच्चों को मंकी कैप देकर हमारा लक्ष्य परिवार के साथी सहयोगी भाई श्री प्रशांत राजपूत जी (शिक्षक)का जन्मदिन मनाया ! हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जरूरतमंदों की हमारा लक्ष्य परिवार मानव सेवा करता आ रहा हैद्य लाभार्थी निम्नवत है। रामलाल जी कुरोरा बारी, बड़ी बहू, गज्जू भागीरथ बद्री प्रसाद बड़े बाई ,गुड्डी अप्जन, बच्चू लाल, हप्पू, गेंदाबाई, इंदौर वाली,, बालचंद, समरत कुशवाहा ,धंन्सू लंबरदार, कृष्ण कुशवाहा कल्लू प्रजापति लख्खी अहिरवार राजा बाबू पनारी आदि। कार्यक्रम में मुख्य रूप से

हमारा लक्ष्य परिवार के संरक्षक समाजसेवी श्री गंधर्व सिंह लोधी बाबूजी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा श्रीमती बसंती लारिया, राजाराम गोस्वामी, जयशंकर प्रसाद द्विवेदी, हमारा लक्ष्य परिवार के प्रबंधक डॉ.रक्षपाल सिंह, अध्यक्ष संतोष जैन मोदी उपाध्यक्ष वृंदावन पटेल क्षिक्षक, प्रवक्ता राम रक्षपाल सिंह शिक्षक, समाजसेवी नीरज जैन कॉमरेड, संतोष जी नवरत्न कोचिंग, राजेश तिवारी जी, राजीव त्रिपाठी जी, शिशुपाल सिंह राजपूत, जयपाल सिंह, आदि मौजूद रहे।

संभल हिंसा के दो और आरोपी गिरफ्तार किये गये

संभल। शाही जामा मस्जिद के सर्वो के दौरान 24 नवंबर को हुई हिंसा के दो और आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है जाना कारी के अनुसार हिंसा के बाद से गिरफ्तार किया गये हिंसा के आरोपी संभल से गयब थे सभल आने की सुचना मिलते ही पुलिस ने दोनों आरोपी गिरफतार कर लिये गिरफ्तार किए गए श शहर के मौहल्ला क़ोट गर्बी निवासी मौहम्मद आमिर और इमरान को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है पुलिस ने अब तक 60 आरोपी हिंसा के अरोप में जेल भेजा है पुलिस गिरफ्तारी की कार्रवाई फोटो और वीडियो के मुताबिक कर रही है हिंसा में शामिल शैष आरोपीयों की पुलिस तलाश कर रही है। 25 नवंबर को संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वो के दौरान हिंसा हुई थी जिसमें पांच युवकों की मौत हुई थी पुलिस कर्मियों समेत अन्य लोग घायल हुए थे हिंसा में शामिल लोगों की पहचान फोटो वीडियो से चिन्हित कर के पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की कार्यवाही की जा रही है।

प्रो. जे. पी. पांडे ने ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार संभाला

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज दोपहर प्रो.जे. पी. पांडे ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनकी नियुक्ति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा आगामी 06 माह एवं अग्रिम आदेशों जो भी पहले हो, तक के लिए की गई है।उनका कार्यभार ग्रहण की प्रक्रिया को कुलसचिव डॉ महेश कुमार द्वारा पूर्ण किया गया ।प्रो. पांडे वर्तमान में डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू), लखनऊ के कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

प्रो. जे. पी. पांडे अपने शिक्षण, प्रशासनिक अनुभव और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है और उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर प्रो. पांडे ने कहा, यह मेरे लिए जिम्मेदारी और सम्मान की बात है कि मुझे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा भाषा विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। मैं विश्वविद्यालय के समग्र विकास और उत्कृष्टता को सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा। विश्वविद्यालय समुदाय ने प्रो. पांडे का स्वागत किया और उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रो. मसूद आलम, प्रो. चन्दना डे, परीक्षा नियंत्रक डॉ भावना मिश्रा एवं डॉ पीयूष सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने की डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में ई श्रेणी आने पर सम्बंधित की जवाबदेही तय की जाये। नगर पालिका हरदोई में शिकायत निस्तारण में लापरवाही व बैठक में अनुपस्थिति को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई तथा शासन को रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण व पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना में ख़राब श्रेणी को लेकर कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द सुधार करने के निर्देश दिए। विद्यालयों से इस सम्बन्ध में निरंतर संवाद किया जाये। विद्यालयों के प्रधानाचार्यो द्वारा लापरवाही किये जाने पर उनकी जवाबदेही तय की जाये। धारा 34 व 116 के मामलों के निस्तारण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाल अपचारी करेंगे भगवद भजन एवं बालाजी महराज का पूजन

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के मार्गदर्शन में संस्था राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) हरदोई में निवास करने वाले किशोरों के मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु मकर संक्रान्ति की पावन बेला पर संस्था परिसर में स्थित मन्दिर में श्री हनुमान जी महाराज की मूर्ति स्थापना प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसकी शुरुआत 13 जनवरी को हुई थी। आज द्वितीय दिवस पर श्री हनुमान जी महराज की प्राण प्रतिष्ठा हेतु शोभा यात्रा निकाली गयी जोकि श्री शिव मन्दिर नुमाइश चौराहा होते हुए प्राचीन श्री शिव मन्दिर नयागांव व श्री बाला जी महाराज मन्दिर खेतुई से आदि मन्दिरों में पूजा याचना कर की गयी। प्राण प्रतिष्ठा का कार्य श्री बाला जी मन्दिर के मुख्य पुरोहित आचार्य राजेश मिश्र एवं आचार्य अभिमन्यु शरण के मंत्रोचारण में संस्थाधीक्षक सौरभ पाठक एवं संस्था के काफट प्रशिक्षक सर्वेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के अन्य कर्मचारियों एवं किशोरों द्वारा भी कार्यक्रम में बड़े हर्षोल्लास के साथ भाग लिया गया।

पूर्व प्रधानाचार्य अब्दुल समद खाँ किए गए सपुर्दे खाक

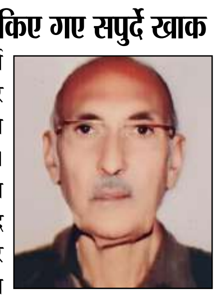

संभल। हिन्द इण्टर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य अब्दुल समद खां के निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों ने गहरा शौक व्यक्त किया है। नगर के मौहल्ला कोट गर्बी निवासी अब्दुल रऊफ खां के परिवार में जन्मे अब्दुल समद खां ने अपने केरियर की शुरूआत हिन्द इण्टर कालेज मे रसायन विज्ञान के प्रवक्ता के रूप मे की ओर वर्ष 1991 मे कार्यवाहक प्रधानाचार्य के रूप मे 1996 तक कार्य किया। अब्दुल समद खां पिछले कई साल से बीमार चल रहे थे। जिनका ईलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनो ने शौक सभा आयोजित कर उन्हे खिराजे अकीदत पेश किया गया। हिन्द इण्टर कालेज मे दोपहर को शिक्षकों ने भी शौक संवेदना व्यक्त की। देर रात उन्हे ग़मग़ीन माहोल मे कब्रिस्तान इमाम बारगाह रौशन खां मे सुपुर्देखाक किया गया। उधर अब्दुस समद खां के परिवार से जुड़े वदूद खां ने बताया कि अब्दुल समद खां के पिता कोतवाल रह चुके हैं उनके परिवार मे पत्नी व तीन पुत्र और एक पुत्री है।

18 जनवरी को बाबा-ए-कौम की पुण्यतिथि लेकर एआइपीएमएम ने की बैठक

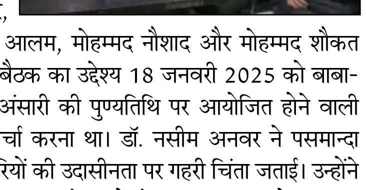

पटना। ऑल इंडिया पसमान्दा मुस्लिम महाज के बिहार कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ. नसीम अनवर, प्रदेश महासचिव शब्बीर आलम, मोहम्मद नौशाद और मोहम्मद शौकत अली ने भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य 18 जनवरी 2025 को बाबा-ए-कौम अब्दुल कय्यूम अंसारी की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाली सभा की तैयारियों पर चर्चा करना था। डॉ. नसीम अनवर ने पसमान्दा समाज के कुछ पदाधिकारियों की उदासीनता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब समाज के हितों के लिए एकजुट होकर काम करने की जरूरत है, कुछ लोगों की निष्क्रियता निराशाजनक है। इसके बावजूद उन्होंने सभा की सफलता को लेकर आशा व्यक्त की और सभी से अधिक सक्रियता की अपील की।

यूरोपीय पक्षी रोजी पेलिकन की जोधपुर झाल पर दस्तक

■ भरतपुर के घना और आगरा के सूरसरोवर के बाद पहली बार जोधपुर झाल पर पहुंचे प्रवासी पक्षी

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा विकसित किए जा रहे जोधपुर झाल वेटलैंड पर प्रवासी पक्षियों में सबसे बड़े आकार के पक्षी रोजी पेलिकन पहली बार नजर आए हैं। 38 की संख्या में दो समूह में यहां पहुंच कर इन प्रवासी पक्षियों ने जोधपुर झाल वेटलैंड के आकर्षण को और बढ़ा दिया है। अब देशी विदेशी विभिन्न प्रजातियों के ये पक्षी यहांआने वाले सैलानियों केलिए आकर्षण का केन्द्र बन रहे हैं।

आगरा और मथुरा जनपद के मध्य फरह क्षेत्र स्थित जोधपुर झाल का संरक्षण उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा किया जा रहा है। जोधपुर झाल पक्षियों का बेहतर ढिकाना बन गया है। देश विदेश से बड़ी संख्या में पक्षी यहाँ पहुँच रहे हैं। इसमें पहली बार सबसे बड़े प्रवासी पेलिकन ने भी जोधपुर झाल पर पहली दस्तक दी है। अभी तक यूरोप से आने वाली पेलिकन की प्रजातियां भरतपुर के घना और आगरा के सूरसरोवर में नजर आते थे। पहली बार प्रवासी पक्षी रोजी पेलिकन के दो समूह जोधपुर झाल पर देखे गए हैं।

बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसाइटी के पक्षी विशेषज्ञ डॉ. केपी सिंह ने बताया कि भारत में पेलिकन की तीन प्रजातियां मिलती हैं। इन में डालमेशन पेलिकन और ग्रेट-व्हाइट पेलिकन (रोजी पेलिकन) प्रवासी प्रजातियां हैं जबकि स्पॉट-बिल्ड पेलिकन प्रजनक आवासीय प्रजाति है। आगरा के सूरसरोवर और भरतपुर के घना में डालमेशन पेलिकन और ग्रेट-व्हाइट पेलिकन (रोजी पेलिकन) प्रजातियां अपने सर्दियों के प्रवास के दौरान डेरा डालती हैं। रोजी पेलिकन पक्षीवर्ग के परिवार पेलेकेनिडे में वर्गीकृत सबसे बडे आकार का पक्षी है। इसका वैज्ञानिक नाम पेलेकेनस ओनोक्रोटलस है। रोजी पेलिकन सेन्ट्रल एशियन फ्लाई-वे के अंतर्गत उत्तर पूर्व यूरेशियन क्षेत्र जॉर्जिया, अजरबैजान, कजाकिस्तान, यूक्रेन में प्रजनन करती हैं। इस क्षेत्र में प्रजनन करने वाली रोजी पेलिकन की जनसंख्या भारत के तराई क्षेत्र के अलावा तुर्कमेनिस्तान, इरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड में सर्दियों के प्रवास पर आती हैं। जलीय पक्षियों पर शोध कर रही निधि यादव बताती हैं कि स्वच्छ पानी की झील पेलिकन का हेविटाट होता है। पेलिकन का मुख्य भोजन मछलियां होती हैं। पेलिकन मछली का शिकार करके अपनी चोंच के निचले भाग में बनी थैली में संग्रहित करके रखता है।

झाल को विकसित करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ एसबी सिंह ने बताया कि जोधपुर झाल वेटलैंड को विकसित करने की प्रक्रिया अब अंतिम दौर में है। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माण संबंधी कार्य और वन विभाग को यहाँ पौधरोपण की जिम्मेदारी दी गई है। निर्माण कार्य पूरा हो रहा है, जबकि पौधरोपण होना है। इसे पक्षियों के अनुकूल और पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। इस बार अनेक स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की प्रजाति यहाँ देखने को मिली हैं। कई प्रजाति पहली बार पहुंची हैं। पिछले दिनों सफ़ेद गिद्ध यहां जोड़े में पहुंचा था, जो विलुप्तप्राय प्रजाति में है।

संभल में मनाया गया अली डे किया गया महफिल का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। मंगलवार को मुस्लिम समाज के लोगो ने हजरत अली का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया इस खुशी के मौके पर नूरियो सराय स्थित शिया जामा मस्जिद में अली डे की महफ़िल का आयोजन किया गया जिसमें शायरो ने मौला अली की शान मे कलाम पेश किये महफिल का आगाज कुरान ए पाक की तिलावत किया गया। शा़यर माजिद संभली ने कलाम पेश करते हुए कहा कि दोस्ती करनी है तो माजिद से पहले सोचलो ये अली को मानता है पहले सोच लो। अली अब्बास ने कलाम पेश किया कदम कदम पे अली को पुकारते रहना पुलेसीरत सुकू से गुजारते रहना कर्बला तुझको बुलाया है तेरे मौला ने जल्द तैयार हो कैफी जर चलने के लिए देखा सज्जाद को तो कहा लैला ने एक दिया बाकी है अभी घर मे जलने के लिए ! जैंन सम्भली ने पढा अभी तो थक के सोये थे आबिद किसी ने जंजीर को हिलाया है पाइती से आवाज आयी हुजूर दीन हंक मशवरे को आया है। डॉ मेराज ने कहा कि घर बार लुटा कर भी राहे खुदा मे हक ये है कि बिलकुल भी खसारे मे नहीं हम खंजर का न तलवार न तीर का डर है अब तक तो जुल्म को शब्बीर का डर हैः इस दौरान शाने अब्बास अली सादिक अली जहीर इंतजार हुसैन साजिद हुसैन हसन जहीर नैय्यर अब्बास गुफरान हैदर कैफी सम्भली सुहैल अब्बास मौहम्मद नईम हुसैन शमाईम रजा रहबर हुसैन सलीम मेहदी अता अब्बास कम्बर अब्बास शाहिद आदि मौजूद रहे।हजरत अली के जन्म दिन की खुशी में मस्जिद इमामबाडो मे सजावट के साथ चिराग़ रोशन किये गये घरो मे नजरो नियाज की गयी।

मकर संक्रांति पर ब्रज में बही आस्था की बयार

मथुरा। मकर संक्रांति पर मंगलवार को आस्था की बयार बहती रही। यमुना स्नान कर श्रीकृष्ण जन्मस्थान, द्वारिकाधीश के मंदिरों में दर्शन करके श्रद्धालुओं ने मनौती मांगी। वहीं बरसाना, गोवर्धन में मंदिरों में दर्शन किए परिक्रमा लगाई। फिर गरीबों-असहायों को गर्मवस्त्र, गजक, तिल के लड्डू आदि दान किए गए। जगह-जगह खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। ब्रज में मकर संक्रांति पर्व पर मंगलवार की सुबह से घरों में आस्था की बयार बहने लगी। जल्दी उठकर ब्रजवासियों ने स्नान आदि किया। श्रद्धालु मंदिरों में प्रभु के दर्शन करने पहुंचे। मथुरा महानगर में विश्रामघाट, स्वामी घाट और चक्रतीर्थ घाट, सतीबुर्ज घाट, बंगाली घाट पर पहुंचकर भोर में श्रद्धालुओं ने यमुना स्नान किये। इसके बाद यमुना की पूजा अर्चना करके मनौती मांगी। द्वारिकाधीश मंदिर में श्रद्धालुओं ने आठों झांकियों के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य किया। मीडिया प्रभारी एड. राकेश तिवारी ने बताया कि दिनभर श्रद्धालु दर्शन को आते रहे है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भी श्रद्धालुओं की कतारें टूटने का नाम नहीं ले रहीं थीं। पुण्य प्राप्त करने को लोगों ने गर्म वस्त्र, गजक, तिल के लड्डू आदि दान किए। सुबह से ही गजक की दुकानों पर भीड़ लगी रही।

यातायात पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

■ हाइवे पर ओवर स्पीड टेस्ट, प्रमुख चौराहों, तिराहों, स्थानों पर चैकिंग

■ बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, स्टंटिंग व बिना लाइसेंस की हुयी जांच

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात कृष्ण कुमार मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से एन.एच.-44 हाइवे पर स्पीड रडार गन से वाहनों के गति की जांच की गई और अनुमन्य गति सीमा से अधिक गति पाए जाने पर 30 वाहनों का एम.वी. एक्ट की सुसंगत धाराओं में चालान किया गया। वाहन चालकों, परिचालकों को यातायात के नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया, जिसमें फॉग लाइट का क्रियाशील होना और उचित प्रयोग, हाई बीम लो बीम का उचित प्रयोग, लेन ड्राइविंग, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन न चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करना एवं त्यौहार आदि के दृष्टिगत ट्रैक्टर ट्रॉलियों में सवारी आदि न बैठाने के लिए जागरूक किया गया। इसके अलावा यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात जागरूकता अभियान चला कर प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत 137 वाहनों का एम.वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं में चालान किया गया।

चौबीसवीं पुण्यतिथि पर याद किये गये स्वतंत्रता संग्राम के महानायक पं.बृजनन्दन शर्मा

अवधनामा संवाददाता

■ किशोर अवस्था में लिया था अंग्रेजों से लोहा, छह वर्षों तक जेलों में रहे थे निरूद्ध

ललितपुर। आजादी के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जनपद के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी पं. बृजनन्दन शर्मा की 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धाजंलि सभा बृजनंदन शर्मा सुपर मार्केट में स्थित उनके मूर्ति स्थल पर आयोजित की गयी। जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व नपाध्यक्ष अशोक पटैरिया के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पं. बृजनन्दन शर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शर्माजी का देश के लिए किया गया बलिदान अतुल्यनीय था जिन्होंने देश के लिए अपना संपूर्ण जीवन अर्पित कर दिया। वह एक ऐसे सेनानी थे जिन्होंने 14 वर्ष की किशोर उम्र में जेल जाकर अंग्रेजी सरकार के खिलाफ विगुल बजा दिया। वे अंग्रेजो की क्रूर यातनाओं के सामने नही झुके तथा पूरी ताकत से स्वतंत्रता संग्राम में अपना सक्रिय योगदान देते रहे। वे साढ़े छः साल जेलों में रहे। पूर्व नपाध्यक्ष ने कहा कि पं.बृजनन्दन शर्मा एक ऐसा व्यक्तित्व थे जो आज की पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी इसलिए एकत्र हुए हैं क्योंकि उनका जीवन हमें कर्मठ योद्धा बनने की प्रेरणा देता है। जो कोई भी उनके सानिध्य में आया उसमें सरलता और गलत का विरोध करने का गुण अपने आप आ गया। जनपद के विख्यात चित्रकार ओमप्रकाश बिरथरे ने कहा कि उनका जीवन युवाओं के लिए अनुकरणीय है। हम सभी को अपनी धरा पर मर मिटने वाले ऐसे सेनानी पर गर्व होना चाहिए। वह बुन्देलखण्ड के ऐसे सपूत थे जिन्होंने इस क्षेत्र का मान बढाया। सभा की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले ने की व संचालन लायंस क्लब के अध्यक्ष डी.एस विवेक ने किया।

इस दौरान नेहा तिवारी, प्रो.सुधाकर उपाध्याय, गोविन्द व्यास, पत्रकार पवन संज्ञा, महेन्द्र शुक्ला, विजय तिवारी, पत्रकार जसपाल बंटी, पत्रकार मनोज पुरोहित, असलम खान, मो. आसिफ, उवेश खान, प्रेम नामदेव, सचिन नामदेव, अजय तोमर, पवन विश्वकर्मा, राजकुमार नायक, अक्षय जैन, हरीबाबू शर्मा, शिवांश तिवारी, मोहित चौधरी, मोहित तिवारी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

अब मैच हारने पर होगी खिलाड़ियों की जेब ढीली, ऑस्ट्रेलियाई दौरे की हार के बाद बीसीसीआई सुना सकता है नया फरमान

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की हार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड काफी नाराज है। हाल में हुई बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को बढ़ाने को लेकर भी बात हुई। वहीं बीसीसीआई चाहता है कि खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी लें जिस कारण बोर्ड इस पर बड़ा फैसला ले सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक बोर्ड ने फैसला किया है कि अब टीम की हार का असर खिलाड़ियों की जेब पर भी होगा। बैठक में सुझाव दिया गया कि खिलाड़ी को अपने प्रदर्शन और हार की जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर किसी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा तो उनकी सैलरी में कटौती होगी। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ी इससे और जिम्मेदार होंगे। भारतीय टीम को बीते साल न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर ही टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब टीम ऑस्ट्रेलिया गई तो वहां भी सीरीज 1-3 से हारी। इस सीरीज में टीम के कई स्टार बल्लेबाज रन नहीं बना पाए।

पिछले साल टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए उन्होंने बड़ा फैसला किया था। बीसीसीआई ने साल में टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए इनसेंटिव देने का फैसला किया था। इसके मुताबिक जो खिलाड़ी सीजन के 50 प्रतिशत से ज्यादा मैच खेलते हैं तो उन्हें हर मैच के लिए 30 लाख रुपये का इनसेंटिव दिया जाएगा। ऐसे ही 75 प्रतिशत टेस्ट खेलने वालों को 4 लाख रुपये प्रति मैच रुपये दिए जाएंगे। उनकी कोशिश थी कि पैसों के कारण टी20 लीग की और आकर्षित हो रहे युवा खिलाड़ी टेस्ट की अहमियत भी समझें।

बोर्ड ने बैठक में चर्चा की कि, खिलाड़ियों का टेस्ट मैच को खेलने के लिए इच्छाशक्ति यानी इंटेंट कम हो रहा है। उन्हें टीम की हार से फर्क नहीं पड़ रहा है। खिलाड़ी टेस्ट की जगह लीग्स को तवज्जो देने लगे हैं। बोर्ड ऐसा नहीं चाहता है।

स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना और निकोलस बेरियेंतोस पहले दौर में हुए बाहर

भारत के स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना के लिए ऑस्ट्रेलिया ओपन की शुरुआत वैसी नहीं रही जैसी वह चाहते थे। जिस जगह पिछले साल उन्होने जीतकर इतिहास रचा उसी जगह उन्हें पहले ही मैच में हार झेलनी पड़ी। रोहन बोपन्ना और उनके पार्टनर कंबोडिया के निकोलस बेरियेंतोस ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल डबल्स के पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। बोपन्ना और बेरियेंतोस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को स्पेन के पेड्रो मार्तिनेज और जाउमी मुनार ने 7-5, 7-6 से हराया। बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि, धीरे-धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी।

ग्रेग चैपल को लेकर रॉबिन उथप्पा ने किए बड़े खुलासे, कहा वो ड्रेसिंग रूप की बातें लीक करते थे

रॉबिन उथप्पा ने टीम इंडिया के पूर्व कोच ग्रेग चैपल को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रेग चैपल के दौर में टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूप में क्या गलत हुआ था। ग्रेग चैपल टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम में जानकारी लीक कर देते थे। ग्रेग चैपल जब टीम इंडिया के कोच तब ही भारत 2007 के वनडे वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। रॉबिन उथप्पा ने द लल्लनटॉप को बताया कि, उस टीम का माहौल बहुत खराब था। क्रिकेट में सबसे दिलचस्प बात ये है कि अगल-अलग राज्यों, संस्कृति और घरों से 15-20 लोग एक ही लक्ष्य के लिए खेल रहे होते हैं और वह है भारत के लिए खेलना। वहीं उथप्पा ने कहा कि, इसमें एक जादू है। जब आप इसे सही कर लेते हैं तो क्रिकेट खेलने का मजा ही कुछ और होता है। हमने 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में एक-दूसरे की सफलता का आनंद लिया। हम एक इकाई की तरह खेले। भले ही मैं आउट हो जाऊं, लेकिन मैं चाहूंगा कि आप रन बनाएं। जाओ और हमारे लिए मैच जीतो। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन रन बना रहा है या कौन विकेट ले रहा है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बताया कि ग्रेग चैपल भारतीय ड्रेसिंग रूम में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को लागू करना चाहते थे और उन्हें वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। रॉबिन उथप्पा ने कहा कि, एक युवा खिलाड़ी के रूप में ग्रेग चैपल मेरे लिए बहुत अच्छे थे। मैं तब टीम में आया ही था। मैं युवा था और वह युवाओं का समर्थन करते थे। 20 साल के खिलाड़ी के रूप में मेरा सपना भारत के लिए खेलना, भारत के लिए जीतना था। उथप्पा ने कहा कि, मुझे उम्मीद थी कि मैं भारत के लिए एक वर्ल्ड कप जीतूंगा। जब आपको देश के लिए खेलने का मौका मिलता है तो आप बॉस की तरह महसूस करते हैं कि आपको किसी और चीज की आवश्यकता नहीं है। मैं अपनी टीम के लिए सब कुछ दूंगा। मैंने इसी मानसिकता के साथ खेला।

उथप्पा ने कहा कि, ग्रेग चैपल एक एजेंडा चला रहे थे। वह ऑस्ट्रेलियाई मानसिकता के साथ कोचिंग कर रहे थे, जैसे कि उनके यहां ऐसा चलता है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कभी भारतीय संस्कृति का सम्मान किया। वह आए और ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति लाने की कोशिश की। पूर्व क्रिकेटर ने ये भी बताया कि चैपल द्वारा फिटनेस पर जोर दिए जाने से भारतीय ड्रेसिंग रूप में कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं।

जसप्रीत बुमराह ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑप द मंथ अवॉर्ड, इन दो दिग्गजों को पछाड़ा

आईसीसी ने मंगलवार को दिसंबर 2024 महीने के आईसीसी प्लेयर ऑप द मंथ विनर का ऐलान कर दिया है। इस कड़ी में भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में महीने का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया है। बुमराह ने इस मामले में पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन को पछाड़कर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। उन्होंने दूसरी बार ये अवॉर्ड जीतने का कारनामा किया है।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर घातक गेंदबाजी की थी। उन्होंने दिसंबर में तीन टेस्ट में 14.22 के औसत से 22 विकेट चटकाए। उन्होंने चौथे और पांचवें मैच में 9-9 विकेट अपने नाम किए हैं। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बीजीटी में कुल 32 विकेट चटकाए। वह पीठ की जकड़न के कारण सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। भारत ने कमिंस की अगुवाई वाली टीम के हाथों 1-3 से सीरीज गंवाई।

कमिंस ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट में 17.64 की औसत से 17 विकेट झटके। दूसरी ओर, पेटरसन ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो टेस्ट में 16.92 के औसत से 13 विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में एंट्री कर चुके हैं, जो जून में लंदन के मैदान पर खेला जाना है।

वहीं बुमराह ने कहा कि मैं दिसंबर महीने का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर रोमांचित हूं। व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए चुना जाना सदैव विनम्र करने वाला होता है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अब तक की सबसे कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में से एक थी। मेरे लिए ऑस्ट्रेलिया में जाकर अपने देश के लिए प्रदर्शन करना सम्मान की बात थी।

इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारत ने सबसे बड़ा दल उतारा, सात्विक और चिराग पर नजरें

भारत ने मंगलवार से शुरू हो रहे सितारों से सजे इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपना सबसे बड़ा दल उतारा है लेकिन नजरें कुछ जाने पहचाने नामों खासकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर लगी होंगी। भारतीय खिलाड़ियों को पिछले दो सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है। भारत का 21 सदस्यीय दल इस कमी को पूरा करने के साथ छह महीने पहले पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के इरादे से उतरेगा। भारत को सात्विक और चिराग से काफी अपेक्षायें हैं चूंकि दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरूष युगल टीम ने 2022 इंडिया ओपन जीता था और 2025 सत्र में पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरूआत की।

रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए दिखेंगे शुभमन गिल, बीसीसीआई के कड़े एक्शन के बाद लिया फैसला

पहले घर में न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ हार और फिर बीजीटी 2024-25 में भारत की शर्मनाक हार के बाद बीसीसीआई एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड अब खिलाड़ियों को किसी भी तरह की छूट देने के मूड में नजर नहीं आ रहा है। कड़ा एक्शन लेने कीतैयारी भी हो रही है और प्रदर्शन का रिव्यू किया जा रहा है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक दिन पहले ही रणजी ट्रॉफी की मुंबई टीम के अभ्यास सेशन में जाकर खेलने का फैसला लिया था। बोर्ड के साथ हुई मीटिंग के बाद रोहित शर्मा ने ये फैसला किया। हालांकि, फिलहाल तय नहीं हुआ है कि वह रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे या नहीं।

रोहित शर्मा रणजी टीम के नेट सेशन में गए हैं, उसी तरह और खिलाड़ी हैं जो अब रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध हैं। युवा भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया के साथ था और प्रदर्शन के लिहाज से प्रभाव छोड़ पाने में नाकाम रहा है।

इसी कड़ी में टीम इंडिया के युवा खिलाड़ी शुभमन गिल भी रणजी सीजन में खेलने के लिए तैयार हैं। ये जानकारी सामने आई है। क्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन गिल ने खुद को कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के रणजी मैच के लिए उपलब्ध बताया है। बता दें कि, मुकाबला 23 जनवरी से होगा।

वहीं गिल ने अपना आखिरी रणजी मुकाबला साल 2022 में खेला था। उस समय उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शिरकत की थी। उस दौरान उनके बल्ले से 19 रन आए थे और पंजाब को 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

कौन हैं हर्षा रिछारिया? महाकुंभ की साध्वी जो अपनी उपस्थिति को लेकर ऑनलाइन चर्चा में हैं

इंस्टाग्राम पर लगभग दस लाख फॉलोअर्स वाली एक प्रभावशाली और पेशेवर होस्ट हर्षा रिछारिया ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में अपनी उपस्थिति के कारण सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। इंटरनेट के एक वर्ग ने उनकी पुरानी तस्वीरें और वीडियो खोज निकाले हैं, जिसमें उनकी आलोचना की गई है और कहा गया है कि वह साध्वी नहीं बल्कि एक पेशेवर होस्ट और मॉडल हैं।

30 वर्षीय रिछारिया प्रयागराज से अपने वीडियो साझा कर रही हैं, जिसमें उन्हें अलग-अलग जगहों पर और अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लेते हुए दिखाया गया है। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल की तस्वीरें और वीडियो उन्हें भारत के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर प्रार्थना करते और आध्यात्मिक गुरुओं से मिलते हुए दिखाते हैं। उत्तराखंड की प्रभावशाली व्यक्ति ने कहा कि वह दो साल पहले अध्यात्म में शामिल हुई थीं।

रिछारिया ने बताया कि वह आचार्य महामंडलेश्वर की शिष्या हैं। इंस्टाग्राम पर, जहां उनके अकाउंट हैंडल का नाम है, वह खुद को एक सामाजिक कार्यकर्ता/प्रभावशाली और हिंदू सनातन शेरनी बताती हैं। हर्षा ने अपने सोशल मीडिया पर इस मेले से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। पोस्ट में उन्होंने साड़ी और ड्रेस जैसे पारंपरिक भारतीय परिधान पहने हुए हैं और माथे पर टीका लगाया हुआ है। उनके फॉलोअर्स उनके इस देसी रूप को देखकर हैरान हैं। हर्षा ने अपने फॉलोअर्स को बताया कि अब वह साध्वी बन गई हैं। एक वीडियो में हर्षा रिछारिया ने खुलासा किया कि वह पिछले 2 साल से साध्वी हैं। जहां कुछ लोग उनके द्वारा चुने गए नए रास्ते के बारे में जानकर खुश हैं, वहीं कई लोगों ने उनकी आलोचना भी की। उनके कुछ फॉलोअर्स ने बताया कि कैसे उनकी तस्वीरें वेस्टर्न आउटफिट में हैं।

हर्षा एक सामाजिक कार्यकर्ता और इन्फ्लुएंसर हैं और निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री कैलाशानंद गिरि जी महाराज की शिष्या हैं। रिछारिया उत्तराखंड से हैं और खुद को हिंदू सनातनी शेरनी यानी हिंदू सनातनी शेरनी कहती हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनीं साधवी का जन्म 26 मार्च को हुआ था। इंस्टाग्राम पर उनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। महाकुंभ मेला 2025 से उनके हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं। जो महादेव और परम पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से 144 वर्ष की आयु में इस पूर्ण महाकुंभ का भाग बन गया और पहले शाही स्नान में शामिल हो गयी, खुद को तृप्त कर आशीर्वाद हर हर महादेव।

राहिल आज़म ने बताया रूपाली गांगुली के शो का हिस्सा बनना विडंबनापूर्ण क्यों है?

रूपाली गांगुली की मुख्य भूमिका वाले अनुपमा टीवी धारावाहिक में कुछ कलाकारों में बदलाव हो रहा है। शो से अलीशा परवीन के बाहर होने के बाद, अद्रिजा रॉय को नई राही के रूप में पेश किया गया। उनके अभिनय को प्रशंसकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। शो में शिवम खजूरिया प्रेम का किरदार निभा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दर्शक अब शो में और नए चेहरों की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि प्रेम का अमीर परिवार अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार है। जी हां, अभिनेता राहिल आज़म अब प्रेम के पिता की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में एक साक्षात्कार में, राहिल ने कलाकारों में शामिल होने के बारे में अपनी उत्तेजना साझा की और दर्शकों को अपने आगामी चरित्र के बारे में जानकारी दी।

टाइम्स ऑफ इंडिया के मनोरंजन समाचार अनुभाग के साथ एक साक्षात्कार में, राहिल आज़म ने खुलासा किया कि लंबे समय के बाद वह एक सामाजिक नाटक का हिस्सा बनने जा रहे हैं। उन्होंने साझा किया कि उन्हें एक्शन के साथ साहसिक भूमिकाएँ पसंद हैं। हालांकि, उन्होंने साझा किया कि उन्होंने अनुपमा के लिए एक अपवाद बनाया। उन्होंने कहा, यह भूमिका अलग है क्योंकि यह एक पिता और पुत्र के बीच के रिश्ते पर केंद्रित है। यह एक मजबूत और शक्तिशाली भूमिका है और इसलिए मैंने इसका हिस्सा बनना चुना।

राहिल आज़म ने यह भी साझा किया कि उनके लिए अनुपमा का हिस्सा बनना विडंबनापूर्ण क्यों है। उन्होंने समझाया÷यह विडंबना है कि जब मैं एक साल पहले धीरे-धीरे से की शूटिंग कर रहा था, तो सेट अनुपमा के सेट के ठीक बगल में स्थित था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इस शो का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। यह दिलचस्प है कि कैसे चीजें बदलती हैं और आपके जीवन में घटित होती हैं। राहिल आज़म के अलावा, दर्शकों को अनुपमा में जलक देसाई और अलका कौशल जैसे सितारे भी देखने को मिलेंगे। शीर्षा तिवारी प्रेम की बहन की भूमिका निभाएंगी। जलक देसाई प्रेम की माँ के रूप में नज़र आएंगी। जल्द ही यह पता चलेगा कि प्रेम, जिसने पहले कभी अपने परिवार के बारे में चर्चा नहीं की, एक बड़े परिवार से ताल्लुक रखता है जिसमें मोती बा भी शामिल हैं।

अक्षय कुमार की भूत बंगला का हिट होना तय, तब्बू बनेंगी वजह, कास्ट में शामिल हुए एक्ट्रेस!

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू की प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी भूत बांग्ला में एंट्री की पुष्टि हो गई है। उन्होंने खुद रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। गौरतलब है कि तब्बू इससे पहले अक्षय के साथ हेरा फेरी और तू चोर मैं सिपाही में काम कर चुकी हैं। दोनों वरिष्ठ कलाकार अब आगामी हॉरर-कॉमेडी में नजर आएंगे।

ड्यून: प्रोफेसी में शानदार प्रदर्शन के बाद, तब्बू ने आखिरकार खुलासा कर दिया है कि वह आगे क्या करने की योजना बना रही हैं। वह अगली बार अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी भूत बांग्ला में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर करके इसकी घोषणा की, जिस पर भूत बांग्ला लिखा हुआ था। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, हम यहां बंद हैं। तब्बू के इस पोस्ट के बाद उनके फैंस काफी खुश हैं कि भूल भुलैया 2 के बाद अब वे तब्बू को फिल्म भूत बंगला में कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का लगाते हुए देख पाएंगे। अक्षय और तब्बू ने 2000 में आई फिल्म हेरा फेरी में साथ काम किया है। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने किया था। पिछले कुछ समय से ऐसी अफवाहें थीं कि तब्बू भी इस ड्रामा का हिस्सा होंगी, लेकिन फैंस आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार तब्बू के इंस्टाग्राम पोस्ट से पता चला है कि वे भूत बंगला का हिस्सा हैं और वे इस हॉरर कॉमेडी में अहम भूमिका निभाने जा रही हैं।

2026 में आने वाली फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो तब्बू की आखिरी हिंदी फिल्म 2024 की क्रू थी। महिला प्रधान ड्रामा-कॉमेडी फिल्म में कृति सनोन और करीना कपूर खान भी थीं। दूसरी ओर, अक्षय को आखिरी बार 2024 में खेल खेल में देखा गया था। वह इस साल की पहली रिलीज़ स्काई फ़ोर्स के लिए तैयार हैं। यह फ़िल्म जनवरी के तीसरे शुक्रवार को रिलीज़ होगी।

नेहा कक्कड़ को घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया? पुलिस द्वारा पकड़े जाने की उनकी वायरल तस्वीर का सच क्या है!

नेहा कक्कड़ हिंदी फिल्म उद्योग की सबसे प्रतिभाशाली गायिकाओं में से एक हैं। खूबसूरत गायिका ने कई बॉलीवुड संगीत में अपनी आवाज़ दी है और अपनी प्रतिभा से संगीत की दुनिया में खुद को एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में, नेहा सुर्खियों में आई क्योंकि ऐसी खबरें थीं कि नेहा को एक घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया था, और उनका करियर खत्म हो गया है। जबकि गायिका की टीम ने अभी तक इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है, हाल ही में नेहा को पुलिस द्वारा घसीटे जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

हाल ही में, नेहा कक्कड़ की एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें वह रोती हुई दिखाई दे रही थीं और उन्हें एक पुलिस इंस्पेक्टर घसीट रहा था। इस तस्वीर के साथ कुछ अजीबोगरीब सुर्खियाँ भी आई जैसे कि गायिका का करियर खत्म हो गया है, जिसमें नेहा का एमारलाडो को बढ़ावा देने वाला एक फर्जी साक्षात्कार शामिल है। खैर, यह फोटो नकली थी और इसे ढ्ढ या फोटोशॉप की मदद से बनाया गया था।

हालाँकि नेहा की टीम ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन भ्रामक फोटो ने बाहर हंगामा मचा दिया है, जो कि पूरी तरह से झूठ है। यह पहली बार नहीं है जब के इस्तेमाल ने नेहा जैसी शीर्ष हस्ती के लिए हानिकारक परिणाम लाए हैं। इससे पहले, कई ए-लिस्टर्स भी तकनीकों के दुरुपयोग का शिकार हो चुके हैं।

नेहा कक्कड़ को अक्सर उनके अत्यधिक भावुक स्वभाव और किसी न किसी कारण से आंखों में आंसू आने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है। वैसे, गायिका इस बात से अनजान नहीं हैं। साथ एक साक्षात्कार में, नेहा कक्कड़ ने इसी बारे में बात की। उन्होंने खुलासा किया कि वह उन लोगों को बिल्कुल भी दोष नहीं देंगी जिनके लिए वह नकली लगती हैं क्योंकि वे लोग बिल्कुल भी भावुक नहीं हैं, जबकि वह बहुत अधिक संवेदनशील हैं। गायिका ने कहा कि उन्हें खुद में यह गुण होने का कोई पछतावा नहीं है।

नेहा कक्कड़ ने अपनी निजी जिंदगी के लिए काफी ध्यान आकर्षित किया है। उन दिनों हिमांश कोहली के साथ उनका रिश्ता चर्चा का विषय था। खैर, 2018 में, इस जोड़े ने इसे खत्म कर दिया और अपने-अपने निजी जीवन में आगे बढ़ गए। यह 2020 की बात है, जब नेहा कक्कड़ ने अपने जीवन के प्यार रोहनप्रीत सिंह से शादी की। खैर, उनके वैवाहिक आनंद के कुछ महीनों बाद, गायिका की गर्भावस्था के बारे में खबरें आने लगीं, जिसके बाद इस जोड़े के अलग होने की चर्चा शुरू हो गई। खैर, नेहा और रोहनप्रीत ने बार-बार अपने निजी जीवन के बारे में चर्चा को खारिज कर दिया। फ्री प्रेस जर्नल के साथ एक पुराने साक्षात्कार में, नेहा ने साझा किया कि वह अपने आस-पास की गपशप पर ज्यादा ध्यान नहीं देती, क्योंकि वह अपने बारे में सच्चाई जानती है।

मकर संक्रांति पर 2.50 करोड़ से अधिक लोगों ने लगाई डुबकी

अवधनामा संवाददाता

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के दूसरे स्नान पर्व मकर संक्रांति पर मंगलवार को सुबह से दोपहर तक 13 अखाड़ों के साधु संतों ने बारी-बारी अमृत स्नान किया। मेला प्रशासन के मुताबिक, अपराह्न तीन बजे तक 2.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अखाड़ों के अमृत स्नान में सबसे पहले सन्यासी अखाड़ों में पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी और शंभू पंचायती अटल अखाड़ा के साधु संतों ने 'हर हर महादेव' के घोष के साथ संगम पर अमृत स्नान किया।

अमृत स्नान के उपरांत महानिर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर चेतनगिरी जी महाराज ने कहा कि हर 12 साल में पूर्ण कुंभ प्रयागराज में होता है और 12 पूर्ण कुंभ होने पर 144 साल बाद यह महाकुंभ आता है। बहुत भाग्यशाली लोगों को महाकुंभ में स्नान का अवसर मिलता है।

अखाड़ों ने किया अमृत स्नान

महानिर्वाणी अखाड़े से 68 महामंडलेश्वर और हजारों साधु संतों ने अमृत स्नान किया। अमृत स्नान के अगले क्रम में तपोनिधि पंचायती निरंजनी अखाड़ा और आनंद अखाड़ा के साधु संतों ने अमृत स्नान किया जिसमें सबसे आगे अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी थे और उनके बाद अखाड़ा के झंडे और फिर आराध्य देवता कार्तिकेय स्वामी और सूर्य नारायण पालकी पर सवार थे। इनके पीछे नागा सन्यासियों की टोली थी और इन सभी के बीच निरंजनी के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि एक भव्य रथ पर सवार थे। अमृत स्नान के बाद निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि निरंजनी के 35 महामंडलेश्वरों ने और हजारों की संख्या में नागा सन्यासियों ने अमृत स्नान किया।

निरंजनी अखाड़े की साध्वी और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा? कि घाट पर युवाओं की भीड़ यह बताती है कि युवाओं में सनातन धर्म के प्रति कितनी आस्था है। जब भी किसी ने सनातन धर्म को चुनौती दी, युवा और संत समाज ने आगे आकर धर्म की रक्षा की। निरंजनी और आनंद अखाड़े के बाद जूना अखाड़े, आवाहन अखाड़े और पंचअग्नि अखाड़े के हजारों साधु संतों ने अमृत स्नान किया। जूना के साथ ही किन्नर अखाड़े के संतों ने भी गंगा में डुबकी लगाई। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि भव्य रथ पर सवार होकर स्नान घाट पर आए और उनके साथ हजारों की संख्या में नागा सन्यासी भी थे।

सन्यासी अखाड़ों के बाद तीन बैरागी अखाड़ों- पंच निर्मोही अनी अखाड़ा, पंच दिगंबर अनी अखाड़ा और पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा ने बारी बारी से स्नान किया। इनके बाद उदासीन अखाड़ों- पंचायती नया उदासीन और पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़े ने स्नान किया। सबसे आखिर में पंचायती निर्मल अखाड़ा के साधु संतों ने अमृत स्नान किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ÷यह हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत स्वरूप है। कड़ाके की ठंड और कोहरे के बावजूद प्रयागराज में हर दिशा से जनसैलाब सुबह से ही संगम की ओर जाता दिखाई दिया। आम श्रद्धालु स्नान के साथ ही संगम क्षेत्र में अखाड़ों के साधु संतों के भी दर्शन कर रहे हैं। इधर, संगम स्नान करके अपने गंतव्यों की ओर लौट रहे श्रद्धालुओं के लिए नगर के विभिन्न चौराहों और मुख्य मार्गों पर नगर वासियों द्वारा व्यापक स्तर पर सब्जी पूड़ी और खिचड़ी प्रसाद वितरण किया जा रहा है।

पूर्व मंत्री यशवंत ने लाई चूरा के साथ किया खिचड़ी भोंज का आयोजन

जहानागंज आजमगढ़। मन की मलीनता को दूर कर भाईचारगी एवं आपसी सौहाद्र बनाने के कारण ही मकर संक्रांति पर्व को योग का संयोग कहा जाता है मकर संक्रांति के दिन लोग एक दूसरे के यहा जाकर लाई चुरा एवं गुड़ का सेवन कर अपने से बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं जिससे समाज में एक बेहतर संदेश जाता है सिंह ने चंद्रशेखर स्मारक ट्रस्ट पर आने वाले प्रत्येक व्यक्तियों को स्वत अपने हाथों से लाई चुरा खिलाकर आपसी स्नेह प्यार साझा कर खिचड़ी का पर्व मनाया । इस अवसर पर जहानागंज ब्लॉक प्रमुख रमेश कनौजिया, जिला पंचायत सदस्य स्वतंत्र सिंह मुन्ना, उदय शंकर चौरसिया, ट्रस्ट के प्रबंधक बृजेश कांदु, कोषाध्यक्ष लाल बहादुर सिंह लालू,कमलेश राय, राहुल पाल, चंचल चौबे, अतुल चौबे, अशोक पांडेय, सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

चौकियां माई का श्रृंगार महोत्सव 23, 24 और 25 जनवरी को

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। देश की प्रसिद्ध मंदिरों में एक सिद्धपीठ माता शीतला मंदिर चौकियां धाम जी का श्रृंगार महोत्सव दिनांक 23,24,25 जनवरी को होगा जिसमें लाखों भक्त दर्शन करने आते है। प्रातः 5 बजे मंदिर खुलने से रात्रि 9 बजे तक दर्शन पूजन श्रद्धालु कर सकेंगें। श्रृंगार महोत्सव का शुभ उद्घाटन 23 जनवरी को शाम 6 बजे होगा। समस्त कार्यक्रम का आयोजन श्री शीतला जी मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा जिसमें मंदिर श्रृंगार , सजावट, संस्कृति कार्यक्रम भजन संध्या प्रसाद भंडारा आदि शामिल होगा। महोत्सव में प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह , राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद यादव सहित प्रदेश के कई मंत्री अधिकारी शामिल होंगे। चौकियां मंदिर के मंहत विवेकानंद विवेक गुरुजी ने बताया कि कोलकाता के अच्छे कारीगरों द्वारा दिव्य सजावट किया जाएगा। श्रृंगार महोत्सव का सारा खर्च श्री शीतला जी मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा किया जाता हैं। जो भी भक्त श्रृंगार महोत्सव भंडारा में सहयोग स्वेच्छा से करना चाहते हैं मंदिर ट्रस्ट के एकाउंट नंबर 924020035649198 एक्सिस बैंक में IFSC CODE UTIB000 5381 पर सहयोग कर सकते है या मंदिर में ट्रस्ट समिति के लोग से मिलकर कर सकते है । विदित हो कि कुछ वर्षो से देखा जा रहा है कि श्रृंगार महोत्सव भंडारा आदि के नाम पर कुछ लोग चंदा वसूली करते है जो ग़लत हैं। ट्रस्ट ने भक्तो से चौकियां धाम मंदिर के नाम पर किसी को भी किसी प्रकार का चंदा नहीं देने की अपील किया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष विकास पड़ा, प्रबंधक अजय पंडा, पुजारी लल्लन पंडा, माता के भक्त बच्चा भईया एडवोकेट, ने प्रदेश जिले के सभी चौकियां माई भक्तों से 23, 24 और 25 जनवरी को महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है। विकास पड़ा ने समस्त समस्त मीडिया बंधुओं से श्रृंगार महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।

किन्नर अखाड़े ने समाज कल्याण की कामना कर किया अमृत स्नान

आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में किन्नर अखाड़े के सदस्यों ने किया अमृत स्नान

अवधनामा संवाददाता

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 के पहले अमृत स्नान के पावन अवसर पर किन्नर अखाड़ा आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना। आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में किन्नर अखाड़े के सभी सदस्यों ने दोपहर में संगम नोज पहुंचकर अमृत स्नान किया। महासंक्रांति के पर्व पर किन्नर अखाड़े ने समाज के कल्याण और उन्नति की कामना की।

किन्नर अखाड़े के सदस्य हर हर महादेव का नारे लगाते हुए संगम की ओर बढ़े। बीच में छत्र के नीचे आचार्य महामंडलेश्वर चल रहे थे और उनके साथ अखाड़े के अन्य महामंडलेश्वर उपस्थित थे। इस दौरान किन्नर अखाड़े के साधु पारंपरिक शस्त्रों का प्रदर्शन कर रहे थे। तलवारें लहराते हुए और जयघोष करते हुए उन्होंने अमृत स्नान का शुभारंभ किया।

श्रद्धा के आगे हाड़ कंपाती ठंड बनी खिलौना

अवधनामा संवाददाता

- मकर संक्रांति पर महाकुम्भ में उमड़ा आस्था का जनसैलाब
- करोड़ों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई अमृत डुबकी
- महाकुम्भ के पहले अमृत स्नान में दिखा आस्था का प्रचंड वेग, साधुओं के दर्शन के साथ पवित्र डुबकी लगाकर प्राप्त किया पुण्य
- 12 किलोमीटर लंबे घाट क्षेत्र में गूंजते रहे हर-हर महादेव और जय श्री राम के जयघोष
- नागा साधुओं की राजसी शोभायात्रा ने खींचा ध्यान

महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज में जब उजाले की एक किरण तक नहीं निकली थी, हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच मकर संक्रांति के पावन पर्व पर महाकुम्भ नगर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अमृत स्नान के लिए देश-विदेश से करोड़ों लोग गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर पहुंचे। पवित्र स्नान का यह दृश्य भारतीय संस्कृति और परंपरा की गहराई को दर्शाता नजर आ रहा था। ब्रह्म मुहूर्त में ही लोगों ने पतित पावनी गंगा और संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाकर सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। पंचायती निर्वाणी अखाड़े के नागा साधुओं ने भाला, त्रिशूल और तलवारों के साथ अपने राजसी स्वरूप में अमृत स्नान किया। साधु-संत घोड़े और रथों पर सवार होकर शोभायात्रा में शामिल हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो गया। उनके साथ चल रही भजन मंडलियों और श्रद्धालुओं के जयघोष ने माहौल को और दिव्य बना दिया। नागवासुकी मंदिर और संगम क्षेत्र में तड़के से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। बुजुर्ग, महिलाएं और युवा, सभी अपने सिर पर गठरी लादे आस्था से भरे हुए संगम की ओर बढ़ते दिखे। स्नान के लिए श्रद्धा ऐसी थी कि लोग रात से ही गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाना शुरू कर चुके थे। महाकुम्भ नगर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए।

हर मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की गहन जांच की गई। चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रहा। डीआईजी कुम्भ मेला वैभव कृष्ण, एसएसपी राजेश द्विवेदी समेत पुलिस टीम ने घोड़े के साथ मेला क्षेत्र में पैदल मार्च किया और अमृत स्नान जा रहे अखाड़ा साधुओं का मार्ग प्रशस्त किया। 12 किलोमीटर क्षेत्र में फैले स्नान घाटों पर हर हर महादेव और जय श्री राम के जयघोष सुनाई दिए। साधुओं के अमृत स्नान के साथ ही आम श्रद्धालुओं ने भी अपनी आस्था की डुबकी लगाई। संगम के आसपास गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ चारों ओर से देखी गई। इस दौरान सभी ने हर हर महादेव और जय श्री राम के नारों से संगम क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

खेत की बाढ़ के करेंट से मृत दंपति के मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार

जौनपुर (खुटहन) बिशुनपुर ग्राम पंचायत के मलूकपुर गांव में दंपति का खेत की बाढ़ के नगें तार की चपेट में आकर हुई मौत के मामले में पुलिस ने एक और आरोपित सुनील सिंह निवासी अकबरपुर को मंगलवार की सुबह ब्लाक मुख्यालय के पास से गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हें आवश्यक लिखापढ़ी के बाद चलान न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस इसके पहले आरोपित पूर्व प्रधान कमलेश सिंह व अखिलेश सिंह को भी जेल भेज चुकी है। आरोपित ने स्वीकार किया कि उसके द्वारा फसल की सुरक्षा हेतु लगाए गए विद्युत करेंट प्रवाहित नगें तार की चपेट में आकर दंपति की मौत हुई थी। साक्ष्य छुपाने के लिए दोनों का शव वाहन में लाद शारदा सहायक नहर में फेंक दिया था। मामले में पुलिस ने चार के खिलाफ अपहरण व हत्या का केस दर्ज कर लिया है। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना के नवें दिन मृत पत्नी किसमत्ती देवी का शव तथा दशवें दिन मंगलवार को पति रामचरित्तर का शव सेंवई नाले से बरामद कर लिया है।

मकरसंक्रांति पर प्रधान ने जरूरतमन्दो में बांटे मिठाई और कम्बल

जौनपुर (खुटहन) दरना ग्राम प्रधान बृजेश कुमार पासवान ने मंगलवार मकरसंक्रांति के शुभ अवसर पर अपने पैतृक आवास पर सुबेदार यादव के द्वारा लगभग सात सौ जरूरतमंदो को कंबल व मिष्ठान वितरण किए जिसे पाकर उनके चेहरे खिल उठे।ग्राम प्रधान बृजेश कुमार पासवान ने कहा कि निर्बल,बीमार,बृद्ध, दिव्यांग व गरीबों की सेवा से बढ़कर दुनिया में कोई धर्म नहीं है। हमारे धर्मग्रंथों में भी कहा गया है कि किसी के अंतःकरण से निकली दुआ या बद्दुआ दोनों का असर अवश्य होता है। हम सेवा के बल पर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। वहीं उनका तिरस्कार करने से जो बद्दुआ मिलती है उसके लिए बाद में कोई प्रायश्चित का रास्ता भी नहीं होता। उसे इसी जीवन काल में खुद को ही भोगना पड़ता है। उन्होंने सभी सक्षम ब्यक्तियो को जरूरतमंदो की सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया।इस मौके पर राम अचल, सुनील, राम बचन हरगेन अमरावती , भानमती रामबकस फिरतू यादव दुलारी आदि लोग उपस्थित रहे।

शासन की प्राथमिकताओं का शत प्रतिशत होगा पालन : डॉ योगिता सिंह

जौनपुर (बदलापुर) नवागत उप जिलाधिकारी डॉ. योगिता सिंह ने सोमवार को तहसील बदलापुर में एसडीएम के पद पर कार्य भार ग्रहण किया। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही तहसील के विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया।और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि काम में शिथिलता एवं लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम डॉ योगिता सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि शासन की प्राथमिकताओं का शत प्रतिशत पालन करना उनका पहला कर्तव्य होगा। आम आदमी की समस्याओं का निस्तारण करना व तुरंत न्याय पर ध्यान दिया जाएगा। पीड़ित के लिए हमारे दरवाजे सदैव खुले रहेंगे। बहुत जल्द परिवर्तन नजर आने लगेगा। मूलतः जनपद अलीगढ़ की रहने वाली वर्ष 2023 की पीसीएस डॉ योगिता सिंह की पहली पोस्टिंग बीते वर्ष 11 सितम्बर को जिले के मड़ियाहूं तहसील में बतौर न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर हुई थी। इस दौरान तहसीलदार राकेश कुमार,नायब तहसीलदार बृजेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद थे। गौरतलब है कि एसडीएम के पद पर सदैव सुर्खियों में चर्चित रहे बदलापुर के एसडीएम संत वीर सिंह का तबादला जिले के मछलीशहर तहसील में न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर हुआ है।

मकर संक्रांति पर्व पर समरसता खिचड़ी भोज का आयोजन

मुबारकपुर,आजमगढ़। रेशमी नगरी मुबारकपुर के अमिलो स्थित महाजन कि बाग में डीह मंदिर, शिव मंदिर पर मंगलवार को खिचड़ी भोज भंडारे का आयोजन किया गया। खबर है कि डीह सेवा समिति ट्रस्ट के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें कस्बा सहित ग्रामीण अंचल के श्रद्धालु लोग खिचड़ी भोज में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं और जगत कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। उक्त आयोजन मंडल के अहम भूमिका निभाने वालों में विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि एक सामाजिक सेवा के अंतर्गत इस तरह का कार्यक्रम डीह सेवा समिति ट्रस्ट के तत्वाधान में अनवरत जारी है। जिसमें एक समूहों में सभी लोग मिलकर साथ में भोजन करते हैं और जगत कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर रामदर्शन यादव, विनोद कुमार शर्मा, प्रदुम्न प्रजापति ,रघुनंदन, विशाल, राकेश चौधरी, धर्मेंद्र राजभर,चन्दन चौहान, उमेश, सुनिता चौहान, इन्द्रू चौहान,पुनम, रामजीत गौड़ ,रामानंद कन्नौजिया ,रविकांत, राकेश,विशाल दूबे ,सुरेंद्र प्रजापति ,जयप्रकाश प्रजापति गोपाल पटवा,आदि लोग उपस्थित रहे।

शंकराचार्य गोवर्धन मठ पुरी उड़ीसा स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का आगमन कल

प्रयागराज। ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय जगद्गुरु शंकराचार्य गोवर्धन मठ पुरी उड़ीसा स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का आगमन दिनांक 16 जनवरी को महाकुंभ क्षेत्र में हो रहा है। शंकराचार्य कल दिनांक 15 जनवरी को हावड़ा से ट्रेन द्वारा चलकर 16 जनवरी को प्रयागराज जंक्शन(बड़े स्टेशन) पहुंचेंगे। शंकराचार्य के स्वागत एवं अभिनंदन को लेकर शिष्यों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शंकराचार्य महाकुंभ क्षेत्र के संगम लोअर मार्ग सेक्टर 19 मोरी मार्ग चौराहा स्थित अपने शिविर में 16 जनवरी से 6 फरवरी तक प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान प्रतिदिन सुबह 11:30 बजे से दर्शन, दीक्षा संगोष्ठी एवं शाम 5:30 बजे से धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। शंकराचार्य के शिविर की व्यवस्था देख रहे राजेश चैतन्य ब्रम्हचारी ने बताया कि शंकराचार्य के आगमन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश के कई प्रांतों से शिष्यगण शिविर में पहुंच रहे हैं।

इस्लाम धर्मावलंबियों ने भी महाकुंभ तीर्थ यात्रियों का किया स्वागत

प्रयागराज। आज मकर संक्रांति पर बहादुरगंज के मोहल्ले में गंगा जमुनी तहज़ीब की बेहतरीन मिसाल देखने को मिली। हिंदू मुस्लिम भाइयों ने मिलकर महाकुंभ में आए तीर्थ यात्रियों का इस्तकबाल किया। जीटी रोड बहादुरगंज में रामचंद्र साहू ने भंडारे का आयोजन किया जिसमें मुसलमान भाइयों ने भी सहयोग किया। स्नान करके लौट रहे श्रद्धालुओं को खिचड़ी, फुलकी, पापड़, हलवा, चाय का प्रसाद वितरण किया। रानी साहू, हर्ष साहू, विकाश साहू अनिल साहू, इरशाद उल्ला, असद जिया,नीलू खान, पप्पू खान नफीस खान मुन्ना भाई, बिलाल खान आदि लोग रहे।

बच्चो ने लव कुश मंचन ने किया भावविभोर

आजमगढ़। शहर के भंवरनाथ में चल रहे दो दिवसीय रामायण महोत्सव का समापन हुआ। जहां कार्यक्रम के दूसरे दिन मंच पर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने लव कुश मंचन, श्रीराम स्तुति और गीत के माध्यम से योग के शानदार प्रदर्शन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। जिसके बाद आए हुए अतिथियों के द्वारा विद्यालय की पूरी टीम को प्रशस्ति पत्र और पटका देकर सम्मानित किया है। विद्यालय के सहायक अध्यापक ने कहा कि इस तरह से छात्रों को सहयोग देने से उनका चारित्रिक और सामाजिक विकास होता है।आयोजक समिति ने बताया कि रामायण महोत्सव आयोजन करवाने का एकमात्र उद्देश्य है कि जन-जन में प्रभु रामचंद्र के चरित्र की स्थापना किया जाए। इस दौरान हरिहरपुर घराने से तबला के मर्मज्ञ राजेश मिश्रा, अंतर्राष्ट्रीय बैंजो वादक दीनानाथ वलीदपुरी, बृजेश यादव, दुर्ग विजय कुमार, रजनीश विश्वकर्मा, रितिक शर्मा, राकेश चौबे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये कामरेड कतवारू गोंड, व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। कामरेड कतवारू गोंड की पुण्यतिथि तकिया स्थित उनके आवास पर सादगी के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम उनके चित्र के समक्ष पुष्पाजंलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा किया गया। इस मौके पर 20 कम्बल का वितरण भी किया गया।

पुण्यतिथि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व मंत्री व सदर विधायक दुर्गा प्रसाद यादव ने कामरेड गोंड का पूरा जीवन गरीब, असहायों और वंचितों के लिए समर्पित रहा। समाज को आज ऐसे ही व्यक्तित्व की आवश्यकता है, उनके निधन से समाज को जो क्षति पहुंची है वह उसकी भरपाई आज तक नहीं हो सकी। अध्यक्षीय संबोधन में कामरेड बैजनाथ ने कहाकि कतवारू गोंड जैसे व्यक्तित्व बिरले ही पैदा होते है। उनके बताये रास्ते पर चलकर ही समाज की सच्ची सेवा हो सकती है। अंत में सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके पुत्र कैलाश प्रसाद गोंड ने कहाकि आजीवन बापू जी के आदर्शों पर चलकर ही हम इस मुकाम तक पहुंचे है। उन्होंने भी जीवन में कभी हार न मानने की जो सीख दिया बापू जी से मिला है उसी रास्ते पर सभी को चलना चाहिए। अन्य वक्ताओ में हरिकेश श्रीवास्तव, शिवमोहन शिल्पकार, लक्ष्मन गोंड, दीपक जायसवाल आदि शामिल रहें। वहीं इस अवसर पर शहजाद कुरैशी, ताज आजमी, सुनीता विश्वकर्मा, कामिनी गुप्ता, मीरा सिंह, सुनीता गोंड, उषा गोंड, रामलखन विश्वकर्मा, जयप्रकाश यादव, मंतराज यादव, जुल्फेकार बेग, जयप्रकाश यादव, मैरूल निशा, परवीन बानो, सुआल प्रसाद गोंड, अबुल कलाम अंसारी, चंद्रभूषण उपाध्याय, मुन्नू यादव आदि मौजूद रहे।

अमृत स्नान पर भी श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, लगे जयकारे

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ 2025 के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन मंगववार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुम्भ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है। प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 कुंतल गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करने की तैयारी है, जिसकी श्रृंखला में पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा स्नान पर सोमवार को श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई थीं।

मण्डलायुक्त ने अटल आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

मिली अनेक अनियमिततायें पर कार्यवाही के कारने को आदेशेशित

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। मण्डलायुक्त विवेक ने अपने औचक निरीक्षण के क्रम में सोमवार को तहसील सदर अन्तर्गत ग्राम गंभीरवन स्थिति अटल आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया जहॉ अनेक अनियमिततायें पाई गयीं। मण्डलायुक्त ने छात्र, छात्राओं से प्राप्त शिकायतों की पुष्टि के लिए पूरे टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफको प्रिन्सिपल के चौम्बर में एकत्र कर सम्पादित कार्यों की समीक्षा किया तो कई अनियमिततायें प्रकाश में आई तथा छात्र छात्राओं द्वारा की कई अधिकांश शिकायतों की पुष्टि हुई। उन्होंने भोजन के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों के परिप्रेक्ष्य में मेस में जाकर भोजन की गुणवत्ता को स्वयं परखा तो पाया कि चावल अत्यन्त खराब क्वालिटी का पकाया गया है। जिससे खराब महक आ रही थी तथा उसमें काफी मात्र में कंकर पत्थर भी पाये गये। इसी प्रकार सब्जी और दाल में बहुत अधिक पानी मिलाकर बिल्कुल पतला बनाया गया है। मण्डलायुक्त द्वारा भोजन की लाइन में बच्चों से भोजन के सम्बन्ध में जानकारी करने पर बताया गया कि मीनू में फल, दही, सलाद, पनीर, दूध आदि कई प्रकार की खाद्य सामग्री का प्राविधान है। परन्तु उन्हें मीनू के अनुसार भोजन कभी नहीं मिलता है। फल के नाम पर कभी कभी उन लोगों को केवल केला ही दिया जाता है। अन्य कोई फल नहीं दिया जाता है। सुबह जो चाय दी जाती है उसमें केवल पानी और चीनी ही रहती है, दूध और चाय पत्ती नाम मात्र की होती है। यह भी विदित हुआ कि लन्च का टाइम 1.40 बजे का है परन्तु निरीक्षण के समय बच्चे 2.25 बजे अर्थात आधा घण्टा से अधिक समय से लाइन में खड़े पाये गये।

मण्डलायुक्त द्वारा तीन घण्टे से अधिक समय तक उक्त अटल आवासीय विद्यालय के किए गये निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ कर विद्यालय के समस्त स्टाफ के समक्ष पुनरू छात्र छात्राओं से उनकी समस्याओं की जानकारी की तो उपस्थित समस्त छात्र छात्राओं द्वारा अपनी शिकायतों को पूरे स्टाफके सामने दोहराया गया। मण्डलायुक्त विवेक ने विद्यालय में पाई गयी अनियमितताओं पर गंभीर रुख अपनाया तथा नियमिति रूप से विद्यालय का निरीक्षण नहीं किए जाने, विद्यालय की व्यवस्थाओं के प्रति उदासीनता बरतने के कारण उप श्रमायुक्त राजेश कुमार तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी देवेन्द्र सिंह को इस सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने उप श्रमायुक्त को यह भी निर्देश दिया कि पाक्षिक रूप से विद्यालय का निरीक्षण करें तथा निरीक्षण आख्या के साथ स्वयं उपस्थित होकर वस्तुस्थिति से अवगत कराते रहें। इसी प्रकार नोडल अधिकारी होने के बावजूद विद्यालय का नियमित रूप से निरीक्षण नहीं किए जाने, निरीक्षण आख्या उच्च अधिकारी को समय प्रेषित नहीं किए जाने, छात्र छात्राओं की समस्याओं के प्रति गंभीरता नहीं बरते जाने, अनियमितताओं के प्रति उदासीनता बरतने, पर्यवेक्षणीय दायित्वों का शिथिल निर्वहन किए जाने आदि कारणों से सहायक श्रमायुक्त पवन कुमार सोनकर के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही किए जाने संस्तुति शासन को प्रेषित किए जाने का निर्देश दिया।

दुनिया की पहली रोबोटिक कार्डियक टेलीसर्जरी को 286 किलोमीटर की दूरी से दिया गया अंजाम, एसएसआई मंत्रा

नई दिल्ली। देश में पहली स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक टेक्नोलॉजी के डेवलपर और भारत में निर्मित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली कंपनी एसएस इनोवेशन्स ने मात्र दो दिनों में दुनिया की दो पहली रोबोटिक कार्डियक टेलीसर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर विश्वस्तरीय चिकित्सा जगत में इतिहास रच दिया है, कंपनी ने ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जो अब तक हासिल नहीं की गई थी। एसएसआई मंत्रा 3 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से यह संभव हो पाया, जिसमें 286 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरूग्राम में एसएस इनोवेशन्स का मुख्यालय और जयपुर में मणिपाल हॉस्पिटल्स कनेक्टेड बने रहे। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है, जहां आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी सुलभ एवं प्रभावी ग्लोबल हेल्थकेयर का अभिन्न हिस्सा बन जाएगी।

रिमोट के द्वारा टेलीरोबोटिक-

उपलब्धि

के मेड-इन-इंडिया सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

असिस्टेड इंटरनल मैमेरी आर्टरी हार्वेस्टिंग की प्रक्रिया को 58 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। गुरूग्राम में एसएसआई मुख्यालय से एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल, इंक के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में और मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर में चीफ़ ऑफ कार्डियक सर्जरी डॉ ललित मलिक ने जयपुर की रिमोट लोकेशन में विशेषज्ञों की टीम के साथ इस सर्जरी को अंजाम दिया।

इस सर्जरी मात्र 35-40 मिलिसैकण्ड की लो लेटेंसी के साथ

बेहतरीन सटीकता का प्रदर्शन किया है। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया के बाद एक और- दुनिया की पहली रोबोटिक बीटिंग हार्ट टोटली एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बायपास प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, इसे दुनिया की सबसे जटिल कार्डियक सर्जिकल प्रक्रियाओं में से एक माना जाता है; उसी साझेदारी में मात्र 40 मिलिसैकण्ड की लो लेटेंसी पर यह टेलीसर्जरी की गई।

दोनों सर्जरियों में गुरूग्राम और जयपुर के बीच कनेक्टिविटी बनी रही, यह उपलब्धि लम्बी दूरी पर टीम के तालमेल के द्वारा रिमोर्ट सर्जरी के नए मानक स्थापित करती है। इस उपलब्धि ने आने वाले समय में टेलीसर्जरी की बदलावकारी क्षमता की पुष्टि कर दी है, जो भोगौलिक सीमाओं के दायरे से परे, किसी भी दूरी पर स्थित मरीज़ उच्च गुणवत्ता की सटीम मेडिकल देखभाल का लाभ उठा सकेंगे।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी ज़ाहिर करते हुए एसएस इनोवेशन्स के संस्थापक, चेयरमैन और सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, ''हमें गर्व है कि हमने मानवता को लाभ पहुंचाने के लिए सर्जरी की क्षमता को आधुनिक बनाया है, इससे खासतौर पर सुदूर इलाकों के मरीज़ों को लाभ होगा, जो आधुनिक चिकित्सा सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। टेलीसर्जरी के द्वारा हम किसी भी इलाके में स्थित मरीज़ों को सर्वोच्च गुणवत्ता की देखभाल मुहैया कराना चाहते हैं। भारत जैसे देश में जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण आबादी है और भोगोलिक सीमाएं इलाज में रूकावट बन जाती हैं, यह इनोवेशन बदलावकारी साबित होगा। टेलीसर्जरी वंचित समुदायों के लिए विश्वस्तरीय सर्जिकल विशेषज्ञता को सुलभ बनाएगी। साथ ही ग्रामीण लोगों को इलाज के लिए लम्बी दूरी तय कर शहरों में आने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

रेकिट का डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया महाकुंभ में सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम में सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु रेकिट अपने प्रमुख अभियान डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के माध्यम से लगभग 15,000 सफाई कर्मचारियों को ट्रेनिंग और साबुन प्रदान करके मदद करेगा । अखाड़ों के सहयोग से यह अभियान, भोजन परोसने वाले क्षेत्रों में श्रद्धालुओं को लाखों साबुन उपलब्ध कराएगा, ताकि भोजन से पहले और भोजन के बाद में हाथ धोया जा सके, जिससे स्वस्थ आदतों को बढ़ावा मिले । इन प्रयासों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालु और सफाई कर्मचारी दोनों ही स्वस्थ और स्वच्छ कुंभ के आयोजन में मदद करें।

रेकिट, साउथ एशिया के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट गौरव जैन ने कहा, रेकिट में, हम मानते हैं कि समुदायों का स्वास्थ्य और कल्याण ही सच्ची प्रगति की नींव है। महाकुंभ मेला 2025 हमें भारत के सबसे सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण आयोजनों में स्वच्छता को बढ़ावा देने

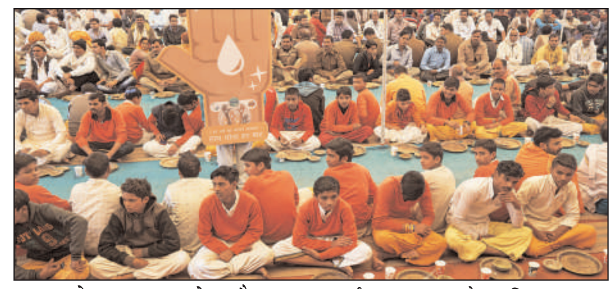

का अनोखा अवसर देता है। हम उत्तर प्रदेश सरकार और ग्लोबल इंटरफेथ वाश अलायंस के साथ अपनी लंबी साझेदारी को आगे बढ़ा करके काफ़ी प्रसन्न हैं। यह साझेदारी विकसित भारत @2047 के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। हम यह मानते हैं कि हाइजीन एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत की नींव है।

जागरण पहल के कोषाध्यक्ष समीर गुप्ता ने कहा, जागरण पहल को दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ 2025 में डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया का सहयोग करने पर बहुत गर्व है। महाकुंभ मेला सिर्फ़ एक समागम नहीं है; यह आस्था, भक्ति और एकता का एक बहुत बड़ा उत्सव है। अपने दूरगामी प्रभाव और सार्थक वकालत के ज़रिए हम इस पवित्र आयोजन की भावना को बढ़ाने और लाखों भक्तों के लिए इसके उद्देश्य और विरासत को बढ़ाने वाली पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रेकिट का डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया महाकुंभ मेला 2025 में सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आध्यात्मिक मूल्यों को स्वच्छता चेतना के साथ जोड़कर और अलग अलग स्टेकहोल्डर के साथ साझेदारी करके महाकुंभ मेला 2025 लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। यह महाकुंभ 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ऑफिस लखनऊ की वाइब्रेंट बिजनेस कम्यूनिटी के लिए लेकर आया इंटीग्रेटिड वर्कस्पेस सोल्यूशन्स

मुंबई। ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड भारत की पहली और एकमात्र सूचीबद्ध लचीली वर्कस्पेस सोल्यूशन्स प्रदाता है, गर्व के साथ लखनऊ में अपने पहले सेंटर के शुभारंभ की घोषणा करती है, जो 47,694 वर्ग फीट में फैला हुआ है। यह सेंटर रणनीतिक रूप से गोमती नगर में स्थापित किया गया है जो कि एक वाइब्रेंट बिजनेस डिस्ट्रिक्ट और शहर का संपन्न आईटी कॉरिडोर है जो प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। आईटी पार्कों, व्यावसायिक परिसरों और आवासीय परियोजनाओं में तेजी से विकास के साथ, गोमती नगर रियल एस्टेट निवेश के लिए एक प्रमुख स्थान के रूप में उभरा है। उत्तर प्रदेश के महत्वाकांक्षी .1-ट्रिलियन अर्थव्यवस्था लक्ष्य में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लखनऊ की हिस्सेदारी 3.85% है।

सेंटर की मुख्य विशेषताएं-

डिज़ाइन और निर्माण - सेंटर को सांझा और निजी स्थानों को एकीकृत करने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों के ग्राहकों की आधुनिक समय की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए सुसज्जित वातावरण प्रदान करता है।

रणनीतिक लोकेशनः यह सेंटर लखनऊ के केंद्र में स्थापित किया गया है, जो इंदिरा नगर मेट्रो स्टेशन से सुगम्य कनेक्टिविटी और अन्य प्रमुख सामाजिक बुनियादी ढांचा केंद्रों तक आसानी से आवागमन सुनिश्चित करता है।

ग्रेड-ए अवसंरचनाः यह सेंटर एक ग्रेड-ए अवसंरचना है, जो गुणवत्ता और कार्यक्षमता के उच्चतम मानकों पर पूरी तरह से खरा उतरता है।

अत्याधुनिक सुविधाएंः इसमें लाउंज क्षेत्र, ऑफिस कैफे, पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं और आधुनिक व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक आईटी अवसंरचना शामिल है।

व्यापक वर्कस्पेस सोल्यूशन्सः मीटिंग और कॉन्फ्रेंस रूम्स, को-वर्किंग स्पेसेज और आवश्यकतानुसार दूसरी अन्य सुविधाओं के साथ अनेक विकल्प प्रदान करता है।

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री अमित रमानी ने कहा-

हम लखनऊ में अपने पहले सेंटर के शुभारंभ की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, यह एक ऐसा शहर जो मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास, प्रगतिशील सरकारी नीतियों और आईटी और आईटीईएस उद्योगों के तेजी से विकास से प्रेरित उल्लेखनीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उल्लेखनीय कनेक्टिविटी और गतिशील निवेश क्षमता के साथ, लखनऊ वाणिज्य और नवाचार के लिए एक वाइब्रेंट केंद्र के रूप में उभरा है, जो घर खरीदारों, व्यवसायों और वैश्विक ब्रांडों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। हमारा यह नया सेंटर एक प्रोडक्टिव वर्कस्पेस प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है, जो स्टार्टअप, उद्यमियों और व्यवसायों को फलने-फूलने में मदद करेगा। निरंतर बुनियादी ढांचे के विकास, एक कुशल प्रतिभा पूल और मजबूत सुधारों के साथ, लखनऊ बड़े उद्यमों को आकर्षित करने, रोजगार सृजित करने और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अच्छी स्थिति में पहुंच गया है।

भारत का बीमा क्षेत्र अब तक के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों के लिए तैयार

नई दिल्ली। बजट 2025 में बीमा कंपनियां आगामी केंद्रीय बजट में खरीदारों को कर लाभ देने और पॉलिसी बेचने के लिए प्रोत्साहन की मांग कर रही हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार, भारत जी-20 के सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजार के रूप में उभरेगा। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) के अनुसार, 2023-24 में देश की बीमा पहुंच 2022-23 में 4 प्रतिशत की तुलना में 3.7 प्रतिशत रहेगी। बीमा सेक्टर की बजट से क्या अपेक्षाएं हैं, आइए समझने की कोशिश करें। बीमा कंपनियां आगामी केंद्रीय बजट में खरीदारों को कर लाभ देने और पॉलिसी बेचने के लिए प्रोत्साहन की मांग कर रही हैं। उनका अनुमान है कि भारत जी-20 के सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजार के रूप में उभरेगा। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) के अनुसार, 2023-24 में देश की बीमा पहुंच 2022-23 की 4 प्रतिशत की तुलना में 3.7 प्रतिशत रहेगी। जीवन बीमा उद्योग का विस्तार पिछले वर्ष के 3 प्रतिशत से मामूली रूप से घटकर 2023-24 के दौरान 2.8 प्रतिशत रह गया।

गैर-जीवन बीमा उद्योग के मामले में यह आंकड़ा 2023-24 के दौरान 2022-23 की तरह 1 प्रतिशत पर ही बना रहा। मंगलवार को जारी स्विस री की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2025-29 के दौरान औसतन 7.3 प्रतिशत प्रीमियम वृद्धि के साथ जी-20 में अग्रणी रहेगा और इस समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाला बीमा बाजार बन जाएगा। बजट से अपेक्षाओं के बारे में आईसीआरए लिमिटेड की उपाध्यक्ष और सेक्टर प्रमुख (वित्तीय क्षेत्र रेटिंग) नेहा पारिख ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों की कमजोर सॉल्वेंसी स्थिति को देखते हुए, उनके पुनर्पूंजीकरण के लिए बजट में आवंटन की घोषणा सकारात्मक होगी।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) (एसआईयू) ने सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट और एसआईटी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम 2025 के माध्यम से अपने अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। उम्मीदवार 12 अप्रैल 2025 तक ऑफिशियल पोर्टल के ज़रिए अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। इस टेस्ट में उम्मीदवारों को दो मौके मिलते हैं, जिसमें उनके सर्वश्रेष्ठ स्कोर को वैद्य माना जाता है। प्रवेश परीक्षा 5 मई 2025 और 11 मई 2025 को होगी, परिणामों की घोषणा 22 मई 2025 को की जाएगी।सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट और एसआईटी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम एक घण्टे की कम्प्यूटर-आधारित प्रवेश परीक्षा है जो विभिन्न विषयों में छात्रों के एप्टीट्यूड का मूल्यांकन करती है। सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट और एसआईटी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम में रजिस्टर करने के लिए उम्मीदवारों को www.set-test.org के ज़रिए 12 अप्रैल 2025 तक ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। हर परीक्षा के लिए रु 2250 का नॉन-रिफंडेबल शुल्क तथा प्रति प्रोग्राम रु 1000 का शुल्क देना होगा। भुगतान ऑनलाईन या 'सिम्बायोसिस टेस्ट सेक्रेटेरियट' के नाम पर डीडी के ज़रिए किया जा सकता है। पहले टेस्ट के लिए एडमिट कार्ड 25 अप्रैल 2025 को तथा दूसरे टेस्ट के लिए 30 अप्रैल 2025 को डाउनलोड किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए विज़िट करें।

सुरभि ज्योति ने डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहे 'गुनाह सीजन 2' में गशमीर महाजनी के साथ अपनी केमिस्ट्री पर की बात!

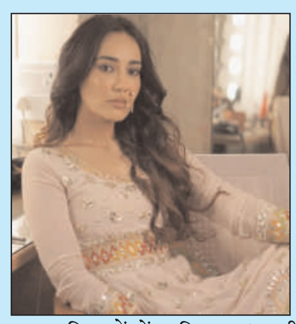

डिज़्नी+ हॉटस्टार के 'गुनाह' का दूसरा सीजन अब स्ट्रीम हो रहा है। इसमें बदले, धोखे तथा प्यार की वही दिलचस्प कहानी है, जिसने पहली किस्त में भी दर्शकों का दिल जीता था। हालांकि इस सीजन में ट्विस्ट्स ज्यादा हैं, इमोशनल ड्रामा और भी बेहतरीन है तथा कई चौंकाने वाले खुलासे हैं, जो दर्शकों को लगातार रोमांचित करेंगे। गुनाह सीजन 2 के शानदार किरदारों में अभिमन्यु (गशमीर महाजनी), तारा (सुरभि ज्योति), जेके (दर्शन पंड्या) और माइकल (शशंक केतकर) शामिल हैं। यह जज्बातों और दमदार कहानी की एक जबर्दस्त रोलरकोस्टर राइड है, जिसे इस जोनर के प्रशंसकों को जरूर देखना चाहिये। गशमीर महाजनी के साथ स्क्रीन पर अपनी केमिस्ट्री और अपने किरदार में जान डालने के बारे में सुरभि ज्योति ने कहा, ''जब आप अपने किरदार को गहराई से जानते हैं और यह समझते हैं कि वह क्या कह रहा है और क्यों कह रहा है और चीजें एक तय तरीके से ही सामने क्यों आ रही हैं, तब बाकी काम अपनेआप हो जाता है। अपने किरदार को लेकर स्पष्टता रखना महत्वपूर्ण है और गशमीर तथा मैंने उस स्पष्टता को साझा किया है। मुझे उन कलाकारों के साथ काम करने में सचमुच मजा आता है, जो अपनी कला को लेकर सच्चे हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम नहीं कर सकती, जो अधूरे दिल से काम करते हैं। गशमीर एक बेजोड़ कलाकार हैं। वह पूरी तरह से तैयार होकर सेट पर आते हैं। अपने काम के लिये हमारे साझा जुनून ने सब-कुछ स्वाभाविक बना दिया। और मुझे लगता है कि दर्शकों को इसीलिये हमारी केमिस्ट्री बहुत पसंद आई। उन्हें हमें देखकर वाकई खूब मजा आया।'' गुनाह सीज़न 2 एक ऐसा शो है जो आपको बांधकर रखेगा। इसमें कलाकारों के बेहतरीन परफॉर्मेंसेस और चौंकाने वाले ट्विस्ट्स से भरी एक कहानी है। यह जज्बातों के एक रोलरकोस्टर की तरह है, जिसे आप छोड़ना नहीं चाहेंगे।

पोंजी स्कैम मामले में ईडी ने दर्ज की ईसीआईआर

नई दिल्ली। ईडी ने टोरेस पोंजी स्कीम मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। ईडी के अनुसार इस मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। दूसरी ओर, डॉयचे बैंक ने फरवरी में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से ब्याज दरों में 0.25% की कटौती करने का अनुमान जताया है।

ईडी ने टोरेस पोंजी स्कीम मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। ईडी के अनुसार इस मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं, जहां निवेशकों को उच्च रिटर्न के वादे के साथ लुभाया गया। लेकिन बाद में इस योजना की धोखाधड़ी का पता चला।

एक जर्मन ब्रोकरेज ने मंगलवार को कहा कि आरबीआई को फरवरी में अगली नीति समीक्षा में प्रमुख दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती के साथ दर कटौती चक्र शुरू करनी चाहिए। डॉयचे बैंक (डीबी) के विश्लेषकों ने कहा कि ब्याज दरों में कटौती में देरी से विकास पर और अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कार्रवाई में देरी की गई तो आरबीआई के पिछड़ जाने का खतरा है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि आरबीआई फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगा, जिससे पहली छमाही में रेपो दर 6 प्रतिशत पर आ जाएगी। इसने कहा कि भारत में मौद्रिक संचरण कम से कम तीन तिमाहियों के अंतराल के साथ काम करता है। इसलिए, यह आरबीआई द्वारा फरवरी से दरों में कटौती शुरू करने के लिए उचित लगता है। इसमें कहा गया है, हमारा मानना है कि जितनी जल्दी ब्याज दरों में कटौती की जाएगी, विकास दर पर उतना ही कम प्रभावित होगा। बैंक ने ब्याज दरों में कटौती में देरी न करने की अपील की है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने पल्ले गंगा रेड्डी को इसका पहला अध्यक्ष घोषित किया।

आलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया और एमिटी यूनिवर्सिटी ने फिटनेस टैलेंट हंट के साथ राष्ट्रीय बादाम दिवस मनाया

लखनऊ। हर साल 23 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय बादाम दिवस बादाम के अनगिनत स्वास्थ्य लाभों और दैनिक आहार में शामिल किए जाने पर स्वास्थ्य और समग्र तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने में उनके योगदान पर प्रकाश डालता है। इस अवसर को मनाने के लिए, आलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया ने एमिटी यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी में फिटनेस टैलेंट हंट शो- हेल्थ एंबेसडर ऑफ द ईयर की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बादाम के अविश्वसनीय और व्यापक लाभों पर प्रकाश डालते हुए एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रमुख वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 200 से अधिक प्रकाशित शोधपत्रों द्वारा समर्थित, बादाम पोषण का एक पावरहाउस है, जिसमें विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन और स्वस्थ वसा जैसे 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये नट्स कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं जैसे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करना और हृदय को स्वस्थ

रखना, ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा देना, मांसपेशियों की रिकवरी में सहायता करना और वजन को नियंत्रित करना और त्वचा को लाभ पहुँचाना। एक सरल, पौष्टिक नाश्ता, बादाम उन लोगों के लिए एक स्मार्ट विकल्प है जो अपने समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं।

बहुप्रतीक्षित हेल्थ एम्बेसडर ऑफ द ईयर टैलेंट शो में कम से कम 100 छात्र भाग लेंगे और प्रत्येक कैंपस से 50 प्रतिभाशाली प्रतिभागी भाग लेंगे। एमिटी यूनिवर्सिटी के जयपुर/लखनऊ/नोएडा कैंपस में टैलेंट हंट के तीन आकर्षक राउंड आयोजित किए गए। फिटनेस चैलेंज में भाग लेने वाले छात्रों के बीच नियमित शारीरिक गतिविधि और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डाला गया। रेसिपी क्यूरेशन राउंड ने रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया, क्योंकि छात्रों ने स्वाद, प्रस्तुति और पोषण मूल्य के आधार पर मूल्यांकन किए गए अभिनव बादाम-आधारित व्यंजन तैयार किए। हेल्थ क्विज़ ने छात्रों को मज़ेदार और इंटरैक्टिव तरीके से एक साथ लाया, जिससे उन्हें एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जजिंग पैनल में मैक्स हेल्थकेयर - नई दिल्ली की रीजनल हेड-डाइटेटिक्स रितिका समद्दर, लोकप्रिय अभिनेत्री पंखुड़ी अवस्थी और एमिटी यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ़ नुट्रिशन साइंस के प्रोफेसर शेफ गौरव तिवारी शामिल थे। तीनों राउंड के मूल्यांकन के बाद, अविनाश कुमार को %हेल्थ एंबेसडर ऑफ द ईयर% का खिताब दिया गया। विजेता को ट्रॉफी दी गई और विजेता और उपविजेता को आलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया की ओर से उपहार हैम्पर्स भेंट किए गए।

मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की डायटेटिक्स की रीजनल हेड रितिका समद्दर ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, ÷युवा छात्रों के इतने ऊर्जावान और जिज्ञासु समूह को इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते देखना प्रेरणादायक था।

चार दिन की गिरावट के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स 170 अंक मजबूत हुआ, निफ्टी 23200 के करीब

नई दिल्ली। मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सूचकांक 169.62 (0.22%) अंक मजबूत होकर 76,499.63 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 90.10 (0.39%) अंकों की बढ़त के साथ 23,176.05 पर पहुंच गया। इस दौरान अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में चार प्रतिशत का उछाल आया, जबकि टाटा स्टील के शेयर 3त्न तक मजबूत हुए। आइए जानते हैं शेयर बाजार का विस्तृत हाल।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले चार दिनों की गिरावट के बाद मंगलवार को बढ़त दिखी और प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 169.62 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 76,499.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 505.6 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 76,835.61 अंक पर पहुंचा। एनएसई निफ्टी 90.10 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 23,176.05 पर पहुंच गया।

खुदरा महंगाई दर में कमी और वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण चार दिनों की तीव्र गिरावट के बाद मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल आया। व्यापारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण सूचकांक पर दबाव पड़ा और लाभ सीमित हो गया। पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 1,869.1 अंक या 2.39 प्रतिशत गिरा है।

30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में से, अदाणी पोर्ट्स ने 5 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। एनटीपीसी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, जोमैटो, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक और मारुति अन्य बड़े लाभ में रहे। 30 शेयरों वाले स्टॉक पैक में हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट अन्य पिछड़े हुए शेयर रहे।

दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद निवेशकों का उत्साह कम होने के कारण एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। आईटी कंपनी एचसीएल टेक ने सोमवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 5.54 प्रतिशत बढ़कर 4,591 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के सीईओ ने मांग के माहौल और विवेकाधीन खर्च में सुधार को लेकर आशा व्यक्त की तथा राजस्व वृद्धि अनुमान बढ़ा दिया।

खुदरा महंगाई दर चार महीने के निचले स्तर पर

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में घटकर चार महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई। इसका मुख्य कारण सब्जियों सहित खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी है। इससे रिजर्व बैंक को आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख ब्याज दर में कटौती की गुंजाइश मिली है।

बाजार के जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजार में तेजी और घरेलू सीपीआई मुद्रास्फीति में कमी ने व्यापक सूचकांकों को राहत प्रदान की। इससे आरबीआई को अपनी अगली नीति बैठक में कुछ राहत मिल सकती है; हालांकि, तेल की बढ़ती कीमतों और 10-वर्षीय उच्च प्रतिफल पर सावधानीपूर्वक नजर रखी जाएगी।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ÷चौथी तिमाही के लिए कमजोर आय अनुमान को लेकर चिंता के कारण आईटी क्षेत्र पर दबाव रहा।

क्रोमा ने किया सुपर एक्सचेंज पेशकश का अनावरण- अपने पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की तीन गुना लाभ के साथ करें अदला-बदली!

नई दिल्ली। टाटा समूह द्वारा समर्थित भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने नए साल के जश्न की शुरुआत करने के लिए अपनी सुपर एक्सचेंज पेशकश का अनावरण किया है। सुपर एक्सचेंज ग्राहकों के लिए अपने पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की जगह नए सामान लेना आसान बनाता है और साथ ही स्वच्छ, हरित भविष्य में योगदान देता है। 21 दिसंबर, 2024 से शुरू हुई इस सुपर एक्सचेंज पेशकश के तहत ग्राहकों को अपने पुराने गैजेट को बदल कर नए, कम ऊर्जा की खपत करने वाले उपकरण लेने पर आम तौर पर मिलने वाले लाभ के मुकाबले तीन गुना अधिक लाभ मिलता है। सुपर एक्सचेंज के तहत, चुनिंदा घरेलू उपकरणों और अन्य विभिन्न किस्म के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की अदला-बदली करने वाले ग्राहकों को 3 गुना तक एक्सचेंज (अदला-बदली) लाभ और नए उत्पादों पर विशेष पुरस्कार और छूट मिलेगी। इसके अलावा, वे पुराने लैपटॉप और मोबाइल को एक्सचेंज करने पर 21,000 रुपये तक बचा सकते हैं। ग्राहक इस अदला-बदली की पहल के तहत किसी भी पुराने डिवाइस को बदल कर नए उत्पाद ले सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अपने पुराने ग्राइंडर को बदल कर एकदम नया स्मार्ट टीवी खरीद सकते हैं! इसके अलावा, जिन ग्राहकों के पास ऐसे उत्पाद हैं जो अब काम नहीं करते, उनके लिए भी कुछ ख़ास है। वे भी ऐसे बेकार हो चुके उपकरणों को अपने नजदीकी क्रोमा स्टोर पर ले जाकर बदले में 500 रुपये के क्रोमा वाउचर पा सकते हैं। सुपर एक्सचेंज पेशकश देश भर में सभी 550+ क्रोमा स्टोर पर उपलब्ध होगी, जिससे देश के हर हिस्से में ग्राहकों के लिए अपने पुराने उपकरणों को ज़िम्मेदारी से बदलना पहले से कहीं ज़्यादा आसान हो जाएगा। हर क्रोमा स्टोर में एक निर्दिष्ट निपटान क्षेत्र है, जहां पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अधिकृत रीसायकल भागीदारों के साथ साझेदारी में नैतिक रूप से रीसायकल करने से पहले इकट्ठा किया जाता है।

इनफिनिटी रिटेल लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी, शिबाशीष रॉय ने कहा, हम नए साल का स्वागत कर रहे हैं, ऐसे में सुपर एक्सचेंज नई शुरुआत करने में मदद कर रहा है। एक्सचेंज का लाभ उठाकर लोग सिर्फ नए उपकरण नहीं पा रहे हैं, वे ज़िम्मेदारी से खरीदारी करने के बारे में सोच रहे हैं। वे उन

लोगों के में शुमार हो रहे हैं, जो जानते हैं कि छोटे-छोटे बदलाव धरती को हमारे रहने के लिए बेहतर जगह बनाते हैं।

क्रोमा इन-स्टोर प्रमोशन के अलावा, सोशल मीडिया, आउटडोर विज्ञापन और अन्य लक्षित संपर्क अभियानों के ज़रिये भी इस पेशकश का प्रचार करेगा। सुपर एक्सचेंज अपग्रेड और रीसायकल करना अधिक फायदेमंद बनाकर अपने ग्राहकों और ग्रह दोनों के प्रति क्रोमा की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, साथ ही यह साबित करता है कि अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अपनाना और पर्यावरण की देखभाल करना, दोनों काम एक साथ हो सकता है। सभी पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार तरीके से संसाधित और रीसायकल किया जाएगा।

मकर सक्रांति पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। मंगलवार को जिले में मकर सक्रांति (खिचड़ी का त्यौहार) हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर जिले के विभिन्न घाटों पर भोर में श्रद्धालुओं ने स्नान कर तील, चावल छूकर गौदान किया। इस दौरान घाटों पर डुबकी लगाने वालो की भीड़ पूरे दिन लगी रही। सूर्य आराधना का पर्व मकर सत्रांति के अवसर पर जिले के बांसी घाट, शिवा घाट, हेतिमपुर गंडक नदी, छितौनी के नारायणी घाटों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रो में रागडगंज, कसानगंज, हरपुर मुड़िला, सोहसा आदि घाटों पर एक दिन पूर्व से ही श्रद्धालू जुटने लगे और भोर में घाटों पर पहुंच कर डुबकी लगाई। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने तील, चावल छूकर गोदान किया गया।

मकर संक्रान्ति पर पतंगबाजी करते युवा

युवाओं ने की जमकर पतंगबाजी

इस दौरान जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस फोर्स तैनात भी तैनात किए थे। लोग अपने घरों में सुबह होते ही स्नान कर तील, चावल लाई, वस्त्र आदि छूकर दान किया।

वही जनपद के कई हिस्सो में युवाओं ने पतंगबाजी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया। इस दौरान शहर में स्थित दुकानों पर बच्चो और युवाओं की पतंग खरीददारी करने के लिए भीड़ लगी रही। इस मौके पर बच्चे व युवा अपने अपने छतों पर पतंगबाजी देर शाम तक करते नजर आए।

फलाहारी बाबा के अंतिम यात्रा में उमड़ा सैलाब, सबके आंखें हो गई नम

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। बरवा पट्टी थाना क्षेत्र के अमवाखास टोला कपरधिक्का में रविवार की रात एक शिव मंदिर के 75 वर्षीय पुजारी की हत्या कर दी गई थी। जिनका मंगलवार को अंतिम संस्कार में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा था।

बता दें कि पुजारी पिछले 30 वर्षो से उक्त मंदिर पर रहते थे। केवल फलाहार का सेवन करते थे जिसके वजह से फलाहारी बाबा के नाम से भी लोग जानते थे। उधर साधु की हत्या के बाद सियासत तेज हो गई है। साधु की अंतिम यात्रा में पहुंचे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और भाजपा के वर्तमान विधायक डॉ. असीम कुमार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर देखने को मिला। साधु की अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में पहुंचे लोग सरकार और प्रशासन पर भड़क उठे। ग्रामीणों ने

पुजारी के अंतिम यात्रा में उमड़े लोग

आरोप लगाया कि प्रशासन अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा सरकार में साधु संत भी सुरक्षित नहीं: अजय लल्लू

अजय कुमार लल्लू ने सरकार और पुलिस प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि 36 घंटे बीत जाने के बाद भी दोषियों की गिरफ्तारी न होना सरकार की विफलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, जब साधु-संत देशभर में गंगा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं, तब यूपी में साधु की हत्या का मामला

रविवार की रात पुजारी की गला रेतकर बदमाशों ने कर दी थी हत्या

बरवा पट्टी थाना क्षेत्र के अमवाखास टोला कपरधिक्का का मामला

दिखाता है कि कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने पुलिस पर साक्ष्य मिटाने और बिना सूचना के शव उठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पुलिस की संदिग्ध भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

विपक्ष बेवजह मामले को तुल पकड़वा रहे है : डॉ असीम

वर्तमान विधायक डॉ. असीम कुमार ने पुलिस प्रशासन का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा, पुलिस अपना काम सही तरीके से कर रही है, लेकिन सपा और कांग्रेस के नेता जानबूझकर पुलिस के काम में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों के आरोपों को खारिज करते हुए भरोसा दिलाया कि अपराधियों को 48 से 72 घंटे में पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा सरकार और प्रशासन पूरी मजबूती के साथ काम कर रहे हैं। विपक्ष बेवजह मामले को तूल देकर सियासत कर रहा है। विधायक ने साफ कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और न्याय जल्द मिलेगा।

जहरीला पदार्थ खाकर अधेड़ महिला ने दी जान

अहिरौली बाजार, कुशीनगर। अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित तेलगावा में सोमवार की रात जहरीला पदार्थ खाने से एक 45 वर्षीय अधेड़ महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्राप्त सूचना के मुताबिक़ स्थानीय थाना क्षेत्र के तेलगावा निवासी नूरजहां पत्नी रज्जाक पारिवारिक कलह की वजह से जहरीला पदार्थ खा ली जब इस बात की भनक परिजन को लगीं तो उन्होंने उसकी सूचना 112 नंबर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर नूरजहां को लेकर हाटा स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल पडरौना रेफर कर दिया जहां रास्ते में ही बीते सोमवार की देर शाम उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मकर संक्रांति के दिन भी नहीं हुए सूर्य का दर्शन, ठिठुरन बढ़ी

शकील अहमद

कुशीनगर (अवधनामा ब्यूरो)। जिले में भीषण ठंड का प्रकोप जारी है। ठिठुरन भरी ठंड से लोगों का दिनचर्या अस्त व्यस्त हो गया है।हर वर्ष की तरह मकर संक्रांति के दिन सूर्य भगवान का दर्शन तो हो जाता था लेकिन इस बार नही हुआ। आसमान में घने कोहरे छाए रहे। भारत मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से जारी मौसम के पूर्वानुमान की मानें तो आने वाले एक सप्ताह तक अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान सुबह शाम आसमान में बादल छाए रहने के साथ कोहरा रहने की संभावना है।

बता दें कि जिले में ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले दस दिनों से गलत भरी ठंड से लोग परेशान है। सोमवार को को धूप निकलने से आसमान साफ हुआ और लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली। इसके बाद लोगों

आम लोगों का दिनचर्या भी प्रभावित, पशु पक्षी भी बेहाल

को ठंड से कुछ राहत मिली। लेकिन दिन ढलते ही पुन~ लोग गलन भरी ठंड से परेशान हो गए। बाइक चलाने वाले चालक बिना दस्ताने के बाइक नहीं चला पा रहे थे। मंगलवार को अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से जिले के आने वाले एक सप्ताह का मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। उसके मुताबिक अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत और शाम को 70 फीसदी के बीच रहने की संभावना है। पूर्वानुमानित अवधि के दौरान 9 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ हवा चलने की संभावना है। इस अवधि में सुबह और

आने वाले एक सप्ताह तक मौसम का पूर्वानुमान

दिन	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
बुधवार	22.0 डिग्री सेल्सियस	08.0 डिग्री सेल्सियस
गुरुवार	22.0 डिग्री सेल्सियस	10.0 डिग्री सेल्सियस
शुक्रवार	22.0 डिग्री सेल्सियस	09.0 डिग्री सेल्सियस
शनिवार	22.0 डिग्री सेल्सियस	08.0 डिग्री सेल्सियस
रविवार	21.0 डिग्री सेल्सियस	07.0 डिग्री सेल्सियस
सोमवार	21.0 डिग्री सेल्सियस	08.0 डिग्री सेल्सियस
मंगलवार	22.0 डिग्री सेल्सियस	10.0 डिग्री सेल्सियस

शाम के समय आसमान में बादल छाए रहेंगे और घना कोहरा रहेगा। उन्होंने बताया कि तापमान में गिरावट के कारण पशुओं के दूध उत्पादन में आ सकती है। इसके लिए दुधारू पशुओं को नियमित रूप से 50 ग्राम नमक, 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण और अनाज के साथ-साथ हरा और सूखे चारे का मिश्रण खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास या राख का बिछान करें। कम तापमान को ध्यान में रखते हुए आलू, गेहूं, मक्का, पपीता, केला एवं सब्जियों की फसलों को कम तापमान से बचाने के लिए खेतों में उचित नमी बनाए रखें। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेश वर्मा ने बताया ठंड के मौसम में बच्चों में सर्दी, जुखाम, खांसी और निमोनिया जैसी बीमारियां होने की आशंका अधिक रहती है। इससे बचाव के लिए बच्चों को बाहर ले जाते समय गर्म टोपी पहनाएं। हाथ और पैरों को मिटन और मोजे से ढंक कर रखें। बच्चे गीले ना हों, क्योंकि ऐसा होने से उन्हें ठंड ज्यादा लग सकती है। हमेशा सबसे अंदर बच्चों को कॉटन के कपड़े पहनाएं, उनके ऊपर ऊनी कपड़े पहनाएं। ठंड में सबसे ज्यादा दिक्कत हृदय रोगों के लिए होता है।

सड़क दुघर्टना में बुजुर्ग महिला की मौत

अमेठी /बाजारशुकुल। थानाक्षेत्र के काजीपुर मर्दान गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान इसरतुल निशा (58) के रूप में हुई है। मृतका अपने नाती मोनिस के साथ बाइक पर सवार होकर उतेलवा गांव रिश्तेदारी में जा रही थीं। लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर उतेलवा मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने इसरतुल निशा और मोनिस को तुरंत ट्रॉमा सेंटर, जगदीशपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इसरतुल निशा को मृत घोषित कर दिया। मोनिस को मामूली चोटें आई और प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। इसरतुल निशा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

मकर संक्रांति के अवसर पर विधायक ने जरूरतमंदों में वितरित किया कम्बल

अवधनामा संवाददाता

कसया कुशीनगर। विधायक पीएन पाठक ने मकर संक्रांति के अवसर पर राम जानकी मंदिर कसया पर सहभोज कराया उसके बाद नरसर गांव में कम्बल वितरण किया।

उन्होंने कहा कि गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों में जीवन का बदलाव लाने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। उनको सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हमारी डबल इंजन की सरकार समाज के हर वर्ग तक विकास और राहत पहुंचाने के लिए संकल्पित है। समाज के सभी वर्ग के लोगों को एक समान योजना का लाभ दिलाया जा रहा है दोनों ग्राम सभाओं में तीन सौ

गरीबों में कम्बल वितरण करते विधायक पाठक

जरूरतमंदों को निशुल्क कम्बल वितरण किया गया। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि पूरे विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्य को गति प्रदान किया जा रहा है हर ग्राम सभाओं को सड़कों और विद्युतीकरण योजना से लाभान्वित किया जा रहा है कोई गांव विकास से वंचित नहीं होगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बाबू राम गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष किन्नरेश चौबे, आद्या पांडेय, अमरजीत कुशवाहा, अनिल प्रताप राव, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, कुंदन दुबे, प्रदीप कुशवाहा, संजीव दुबे, अनुराग पाण्डेय, मार्कंडेय राय, आदि मौजूद रहे।

दलित युवक की दबंगों ने पीट-पीटकर की हत्या

घटना को लेकर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। बीती सोमवार की रात आठ बजे के करीब महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के नाथगंज मजरे हलोर गांव में एक व्यक्ति की दबंगों ने पीट पीट कर हत्या कर दी। आरोपियों ने घटना को उस समय अंजाम दिया जब वह शौंच के लिए गया हुआ था। घटना के पीछे करीब दो महीने पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद हुई मारपीट से जोड़ा जा रहा है, हालांकि पुलिस घटना की कई एंगल से जांच कर रही है। गांव निवासी रामधनी 46 वर्ष पुत्र सत्य नारायण सोमवार की रात आठ बजे के करीब घर से खेतों की ओर शौंच के लिए जा रहे थे। तभी रास्ते में ही शराब के नशे में गांव का ही रोहित पुत्र राम अचल ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी । इस पर रामधनी ने विरोध किया तो रोहित ने अपने भाई अखिलेश पिता राम अचल और मां के साथ मिलकर उसकी पिटाई शुरू कर दी और इतना पीटा की वह मरणासन्न हो गया । अंततः आरोपी रामधनी को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंचे परिजनों द्वारा मरणासन्न अवस्था में उसे सीएचसी महराजगंज लाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया रात में ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के पुत्र रंजीत की तहरीर पर पुलिस ने चारों हत्यारोपियों राम अचल उसके बेटे रोहित व अखिलेश तथा राम अचल की पत्नी के विरुद्ध केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। करीब दो महीने पहले मृतक के पुत्र रंजीत और विपक्षी रोहित के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी हालांकि उस समय मामला शांत हो गया था। आरोपियों द्वारा पुराने विवाद को लेकर ही घटना को अंजाम दिए जाने की बात की सामने आ रही है, मामले में सीओ यादवेंद्र बहादुर पाल ने बताया कि घटना की गहनता से पड़ताल की जा रही है, जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

हनुमान मन्दिर पर हुआ खिचड़ी भोज का आयोजन

महाराजगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के पावन पर्व पर शांतिनगर स्थित हनुमान मंदिर पर खिचड़ी भोज का आयोजन हुआ। बताते चले कि हनुमान मंदिर की नींव रखने वाले स्वर्गीय विनोद धीमान उर्फ विनोद बाबा द्वारा हर वर्ष मकर संक्रांति के पावन पर्व पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया जाता था। उस परंपरा को बनाए रखने के लिए आज मकर संक्रांति पावन पर्व पर वार्ड के ही पूर्व सभासद विजय धीमान, जगजीत सरदार , मुन्नी देवी, अमित सिंह, योगेश तिवारी , प्रेम नाथ वैश्य, शत्रोहन धिमान, चौधरी ,स्यामू धीमान, प्रेमु धिमान, राहुल धिमान ,नीरज नाई ,राम प्रकाश नाई ,लक्ष्मी सोनकर संगिता धिमान, नाजिम अली, सोभनाथ वैश्य, ताजम्मुल ,अंकुर जायसवाल, के सहयोग से खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने खिचड़ी भोज का आनंद लिया।

जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने जुलूस निकाल कर मनाया हज़रत अली का जन्मदिन

अमेठी अवधनामा संवाददाता। हज़रत अली के जन्म दिन पर नगर में मुस्लिम युवाओं ने जुलूस निकाला। पुलिस की कड़ी चौकसी के बीच जुलूस का नगर भ्रमण शाम को सम्पन्न हुआ। जुलूस इमामबाड़े के पास से शुरु हुआ सगरा तिराहा, तोपखाना मुहल्ला, ककवा रोड होते हुए वापस गंगा गंज में जुलूस का समापन हुआ। जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी की ओर से फैजान खान के संयोजन में निकाले गए जुलूस में वरिष्ठ अधिवक्ता मो कुद्दूस खां,मो इश्तियाक, रेहान खां, परवेज खान, सोनू, मो रऊफ, अल्तमस, पिंटू खान, बबलू, मो सिद्दीक राइन आदि मौजूद रहे।

जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाएगा बसपा सुप्रीमो का 69वां जन्मदिन

अमेठी अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती का 69वां जन्म दिन आज देश भर में जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित समारोह में स्वयं मायावती भी शामिल होंगी। इस अवसर पर वे बी एस पी की ब्लू बुक -मेरे संघर्षमय जीवन और बी एस पी मूवमेंट का सफरनामा के बीसवें संस्करण जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित है,उसका विमोचन भी करेंगी। राष्ट्रीय महासचिव मेवालाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष विश्व नाथ पाल ने बताया कि बहन मायावती जी के जन्म दिवस पर देश के सभी राज्यों में बसपा की जिला इकाईयों की ओर से समारोह आयोजित किए जाएंगे।

व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था के रीढ़ है : आरपीएन

उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित व्यापारिक संवाद

व्यापारी संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते आरपीएन सिंह

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। व्यापार और व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की है किसी भी शहर व नगर में निर्बाध रूप से व्यापार का संचालन वहां के खुशहाली और नगर को विकसित करने में अहम भूमिका अदा करते हैं। यह कहना है पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं राज्यसभा सांसद कुंवर आरपीएन सिंह का। श्री सिंह उद्योग व्यापार मंडल पड़रौना द्वारा नगर के एक होटल में आयोजित व्यापारिक संवाद कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अब तक किए गए तमाम प्रस्तावित कार्यों की चर्चा करते हुए बताया कि जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए बाई पास रोड का निर्माण हो रहा है उसमें और गति लाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में इस कार्य को पूरा करा लिया जायेगा ताकि बरसात के पहले यह रोड चालू हो सके। उन्होंने बताया कि मैं सतत प्रयत्नशील हूं कि नगर खूबसूरत शहर के रूप में विकसित हो। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पासपोर्ट कार्यालय भी चालू हो जाएगा जिससे इस क्षेत्र को अत्यधिक लाभ होगा तमाम विकास की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए देश की मोदी और सूबे की योगी सरकार लगातार प्रयासरत हैं। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक मनीष जयसवाल ने शहर मे हो रहे विकास कार्यो की प्रगति से उपस्थित व्यापारिक समुदाय को अवगत कराते हुए बताया शीघ्र ही रोडवेज बस स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा तथा जेल का निर्माण का कार्य चल रहा है। हम लगातार प्रयास में है कि मंडी समिति का निर्माण कार्य भी जल्द पूरा हो जाए। सदर विधायक ने आश्वस्त किया कि पडरौना शहर के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा खिचड़ी भोज

महाराजगंज, रायबरेली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महराजगंज द्वारा स्वदेश सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में खिचड़ी समरसता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की सुरुवात डॉ हेडगेवर व गुरु गोल्वरकार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गयी इस अवसर पर मुख्य अथिति जिला समरसता प्रमुख सतीश सिंह ने की, खण्ड संघ चालक जगमोहन, सह संघ चालक ज्ञान प्रकाश जायसवाल, बौद्धिक प्रमुख गजेन्द्र, सम्पर्क प्रमुख प्रमुख अनुज, धर्म जागरण प्रमुख प्रमोद मिश्रा, सह धर्म जागरण संजय, शारीरिक प्रमुख आदित्य, मण्डल प्रमुख यस सिंह, समाजिक कार्यकर्ता अवधेश मिश्रा, जिला प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश वर्मा, मण्डल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, शिवम, प्रधानाचार्य नरेन्द्र मिश्रा, अंकित शुक्ल, उत्तम, खण्ड कार्यवाह धर्मेंद्र कुमार ने बताया की आने वाली 26 जनवरी से एक सप्ताह तक भारत माता पूजन सम्पूर्ण भारत में किया जायेगा उसी कड़ी में महराजगंज के सभी 53 ग्रामसभाओं में स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम किये जायेंगे।

श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मना मकर संक्रांति का पर्व

अमेठी अवधनामा संवाददाता। मकर संक्रांति का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। खिचड़ी भोज के आयोजन किए गए गांवों में सभी परिवारों में गृहणियों ने खिचड़ी के साथ अन्य स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए। हनुमानगढ़ी मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख आकर्ष शुक्ल ने खिचड़ी वितरित की और लोगों को सुखी और समृद्ध जीवन की शुभकामनाएं दीं। खिचड़ी वितरण के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और मकर संक्रांति की खुशियां साझा कीं। ब्लॉक प्रमुख आकर्ष शुक्ल ने कहा मकर संक्रांति का पर्व हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। हनुमान गढ़ी में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी को इस पर्व की खुशियों में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं। यह आयोजन धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मैं सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देता हूं और कामना करता हूं कि, यह पर्व सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लाए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दिवाकर पांडेय, अशोक शुक्ल, पूर्व प्रधान गौरव पाठक, ऋषभ शुक्ल, और विपिन आदि लोगों ने योगदान दिया। **बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगम में शाही स्नान किया -** मकरसंक्रांति के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुबह भोर में प्रयाग पहुंचकर संगम स्नान किया। एआरएम काशी प्रसाद के साथ अमेठी डिपो के आधा दर्जन से अधिक रोडवेज कर्मी मेला ड्यूटी में कैम्प कर रहे हैं।

682 सामुदायिक शौचालय और 503 आरआरसी सेंटर बनकर तैयार, फिर भी स्वच्छ नहीं हैं सार्वजनिक स्थल

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत कूड़ा संग्रह कर गांवों की गलियों को स्वच्छ रखने के लिए जिले में 503 आर आर सी सेंटरों का निर्माण पूरा हो गया है। 186 निर्माणाधीन हैं। एक दर्जन ग्राम पंचायतों में निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। व्यक्ति गत शौचालयों का निर्माण मांग के आधार पर कराया जा रहा है। जिन बड़ी ग्राम पंचायतों ने कूड़ा कलेक्शन के लिए ई रिक्शा खरीदे हैं वहां निर्धारित रुट चार्ट के अनुसार सभी मुहल्लों में कूड़ा संग्रह का काम नहीं हो रहा है।

सामुदायिक शौचालय भी ठीक से संचालित नहीं हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत करोड़ों रुपए की धनराशि खर्च किए जाने के बावजूद अभी भी खुले में शौच की प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई है। जिले के तेरह विकास खंडों में 682 ग्राम पंचायतें हैं।

इन ग्राम पंचायतों में कचरा प्रबंधन के लिए आर आर सी सेंटर बनाए गए हैं। पिछले तीन सालों के भीतर 503 ग्राम पंचायतों में आर आर सी सेंटर का निर्माण हुआ है। बड़ी आसानी की ग्राम पंचायतों में लगभग डेढ़ लाख रुपए की लागत से ई रिक्शे खरीदे गए हैं। रुट चार्ट बनाकर कूड़ा कलेक्शन का काम करने की योजना बनाई गई है, परंतु यह योजना किसी भी ग्राम पंचायत में ठीक से लागू नहीं हो पाई है। जिले की सभी ग्राम पंचायतों को ओ डी एफ घोषित किया जा चुका है, फिर भी खुले में शौच की प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई है। जिले की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय बन चुके हैं, परंतु इनका भी संचालन ठीक से नहीं हो रहा है।

मांग के अनुसार दिए जा रहे व्यक्तिगत शौचालय - जिले में बसने वाले सभी परिवार दो साल पहले व्यक्तिगत शौचालय से संतृप्त किए जा चुके हैं। बड़ी संख्या में पूर्व में बने शौचालय टूट चुके हैं। शौचालयों को आवंटित धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग भी हुआ है।

शासन के निर्देश पर अब डिमांड के अनुसार शौचालय दिए जा रहे हैं। चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से दिसम्बर तक 5713 लाभार्थियों को शौचालय दिए जा चुके हैं।

जिले में 186 आर आर सी सेंटर निर्माणाधीन हैं। निर्माण पूरा होने के बाद एक बार फिर से सभी कूड़ा कलेक्शन केन्द्रों का स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। सामुदायिक शौचालयों को सुचारु रूप से संचालित करने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी गई है। व्यक्तिगत शौचालयों का आवंटन मांग के आधार पर किया जा रहा है।

मनोज कुमार त्यागी
जिला पंचायत राज अधिकारी, अमेठी

वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा कार्यालय में हुआ तीन करोड़ का घोटाला, मुजरिम खुद मुंसिफ बना

अमेठी अवधनामा संवाददाता। वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा कार्यालय में एरियर की लगभग एक करोड़ रुपए की धनराशि के गबन के मामले की जांच कमेटी को लेकर पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ने सवाल उठाए हैं। एरियर की धनराशि शिक्षकों के खाते में भेजने के बजाय कनिष्ठ लेखा लिपिक मनोज कुमार मालवीय के चहेतों के खाते में भेजी गई है। घोटाले के समय वर्तमान वरिष्ठ कोषाधिकारी रामेन्द्र कुमार शर्मा प्रभारी वित्त एवं लेखाधिकारी भी थे। मुजरिम खुद मुंसिफ वाली स्थिति बनी हुई है। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी में श्री रामेन्द्र कुमार शर्मा को शामिल किए जाने पर सवाल उठाए है और इस मामले में जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट किया है। संगठन के जिला अध्यक्ष अब्दुल रसीद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयराम कनौजिया, महामंत्री रमाकांत मौर्य और कोषाध्यक्ष देवी शरण कनौजिया ने इस लूट की निष्पक्ष जांच हेतु वरिष्ठ कोषाधिकारी को जांच कमेटी से हटाकर किसी अन्य अधिकारी को जांच समिति में शामिल करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि एरियर की धनराशि की लूट नियोजित ढंग से रणनीति बनाकर की गई है। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा और अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा को पत्र भेज दिया है। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल 15 जनवरी को डी एम से मुलाकात करेगा।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। सोमवार को देर शाम चकबन्दी कार्यों की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने निर्देश दिया कि आने वाले समय में ग्रामों का कार्य मानक कार्यगुजारी के अनुसार करते हुए लक्षित समय में पूर्ण करायें तथा चकवन्दी न्यायालयों में लम्बित वादों में पुराने वादों/अपील/निगरानी का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरुप प्राथमिकता के आधार पर करते हुए निर्णित वाद पत्रावलियों को राजस्व अभिलेखागार में संचित करें। कब्ज़ा परिवर्तन से सम्बन्धित प्रकरणों के सम्बन्ध में निर्देश दिया गया कि सम्बन्धित अधिकारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर भौतिक रूप से कब्ज़ा परिवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित करायें। बैठक के दौरान बताया गया कि जनपद बहराइच में चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत कुल 11 ग्राम प्रचलित हैं। जिसमें ग्राम इमिलियागंज, वेलामकन, मनिकापुरकला में मा. उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश/विचाराधीन रिट से प्रभावित होने के कारण चकबन्दी कार्य बाधित है। तहसील कैसरगंज के अन्तर्गत ग्राम मीरपुरकोनिया में धारा 8

के स्तर पर पड़ताल कार्य पूर्ण हो गया है तथा जोत चकबन्दी आकार पत्र-4 की तैयार चल रही है। इसी प्रकार ग्राम मंझारा तौकली में धारा 9 के स्तर पर जोत चकबन्दी आकार पत्र 5 की तैयारी का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार तहसील महसी के अन्तर्गत आने वाले ग्राम बभनौटी शहर उर्फ गोलागंज, मैकूपुरवा धारा 10 के स्तर पर है, धारा 1 के अन्तर्गत वादों का निस्तारण किया जा रहा है। तहसील पयागपुर के अन्तर्गत ग्राम लक्खारामपुर धारा 10 के स्तर पर है, वादों का निस्तारण किया जा रहा है। ग्राम उधरानाठकुराइन धारा 20 के स्तर पर है, जिसमें चक निर्माण का कार्य किया जा रहा है। ग्राम गांगूदेवर कब्जा परिवर्तन स्तर पर है, जिसका कब्जा परिवर्तन नियत समय माह अप्रैल से जुलाई के बीच में किया जायेगा जबकि ग्राम राजापुरगिरन्ट धारा 27 के स्तर पर है, जिसमें जोत चकबन्दी आकार पत्र 45 की तैयारी की जा रही है। बैठक का संचालन बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी सुखेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी/उप संचालाक चकबन्दी देवेन्द्र पाल सिंह, चकबन्दी अधिकारी अशोक कुमार सिंह व रामसजीवन, सहायक चकबन्दी अधिकारी दीपेन्द्र कुमार, कौशल कुमार श्रीवास्तव, गया प्रसाद व राम कुमार वर्मा, कार्यालय के पी.के. दशरथ प्रसाद सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

भारतीय किसान ने मकर संक्रांन्ति पर्व पर वितरित की खिचड़ी

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर भारतीय किसान (अ) ने संयुक्त रूप से खिचड़ी भोज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य रूप से गणमान्य सम्मिलित रहे। 14 जनवरी मकर संक्रांति पर्व पर भारतीय किसान (अ) की ओर से खिचड़ी भोज/वितरण कार्यक्रम आयोजन नगर के स्टेशन रोड स्थित गुप्ता लॉज पर किया गया। भारतीय किसान के जिला अध्यक्ष ताहिर सिद्दिकी ने मुख्य रूप से खिचड़ी वितरण की साथ ही बालकिशन यादव, शमशाद मुल्ला, साहब सुशील पिथोरा सुरेश राठौर आरिफ सिद्दिकी जाकिर करीम मौजूद रहे।

बिजली विभाग के मजदूर युवक की करंट लगने से मौत

करेंट लगने के बाद तीन घंटे तक खंभे पर लटकता रहा शव

अवधनामा संवाददाता

चंदा, सुल्तानपुर। चांदा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बिजली विभाग की लापरवाही से ये हादसा हुआ है।लाइन की फाल्ट ठीक करने पोल पर चढ़े प्राइवेट बिजली मिस्त्री युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक सोनावा गांव में सोमवार शाम को एक प्राइवेट बिजली मिस्त्री की 11 हजार वोल्ट के करंट से मौत हो गई। सोनावा मालियान निवासी 36 वर्षीय सुनील दूबे की करंट लगने से मौत हो गई।

घटना उस समय हुई जब सुनील बिजली के खंभे पर फॉल्ट ठीक करने के लिए चढ़े थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, संविदा लाइनमैन ने फॉल्ट ठीक कराने के लिए ब्रेकडाउन की सूचना दी थी, लेकिन बिना पुष्टि किए एसएसओ ने बिजली सप्लाई चालू कर दी। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद दो अन्य लाइनमैन वहां से फरार हो गए।करीब तीन घंटे तक मृतक का शव बिजली के खंभे पर लटका रहा। सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह और चौकी प्रभारी कोइरीपुर वेद प्रकाश शर्मा मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से शव को नीचे उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।घटना की जानकारी के लिए जब बिजली विभाग के अवर अभियंता कोइरीपुर राम ललन पाल और एसडीओ चांदा अमित द्विवेदी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनका फोन नहीं लगा। मौके पर नायब तहसीलदार अभयराज पाल, राजस्व निरीक्षक फालूलाल, हल्का लेखपाल शिव बालक और प्रधान प्रतिनिधि संतोष पांडेय सहित पलिस बल मौके पर पहुंच गई।एक्सईएन लम्भुआ ने बताया कि घटना की विभागीय जांच की जा रही है।किसी घटना के होने पर विभाग जांच करता है जांच करने के बाद देखा जाएगा कि क्या कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह व्यक्ति विभागीय नहीं था ना ही संविदा कर्मी था। किस प्रकार वह खंभे तक चढ़ा यह जांच का विषय है।उक्त घटना को लेकर गांव वालों में रोष व्याप्त है।

इज़राइल, जापान एवं जर्मनी में युवक युवतियों के लिए नौकरी के अवसर

बहराइच। भारत सरकार एवं एनएसडीसी के संयुक्त प्रयास से इजराइल, जापान एवं जर्मनी में प्रदेश के प्रशिक्षित युवक-युवतियों के लिए होमबेस्ड केयरगीवर, पेशेन्ट केयर, केयरगीवर एवं नर्सिंग के पदों पर भेजा जायेगा। इजराइल में होमबेस्ड केयरगीवर के 5000 पदों के लिए 25 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवक युवतियां जिनके पास न्यूनतम एक वर्ष से अधिक का अनुभव, अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, तीन वर्ष का वैध पासपोर्ट, शैक्षिक योग्यता एएनएम/आग्जेलरी नर्स मेडवाइफरी में डिप्लोमा अनिवार्य होगा। चयनित अभ्यर्थी को रू. 1,31, 818=00 प्रतिमाह वेतन देय होगा व समयावधि 02 वर्ष होगी। इसी प्रकार जापान में केयरगीवर एवं केयर टेकर के 50 पदों के लिये वॉछित अर्हता तीन माह से चार वर्ष का अनुभव रखने वाले 20 से 27 वर्ष आये वर्ग के युवक युवतियां जिन्हें अंग्रेजी भाषा का ज्ञान (लिखना, पढना, बोलना जानते हो), बीएससी नर्सिंग, एएनएम/ आग्जेलरी नर्स मेडवाइफरी में डिप्लोमा अनिवार्य है।

जिलाधिकारी ने किया वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

पानी की गुणवत्ता की जांच टीडीएस व पीएच मीटर से करायी जाए: डीएम

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने सैलई स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का औचक निरीक्षण किया, इस प्लांट की स्थापना सन 2008 में की गई थी, इस वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 120 एमएलडी है, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि पानी की टीडीएस व पीएच वैल्यू मानक के अनुरूप है विगत कुछ दिनों से यहां के लोगों को पेयजल समुचित तरीके से उपलब्ध नहीं हो पा रहा था यहाँ प्लांट की विद्युत आपूर्ति वाधित थी क्योंकि विद्युत सप्लाई का इंसुलेटर का फ्यूज उड़ गया था, इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसी समस्या दोबारा ना हो, इसके लिए नगर निगम और विद्युत विभाग संयुक्त रूप से आपातकाल के लिए समांतर विद्युत की व्यवस्था करेंगे, जिससे मुख्यतः विद्युत के बाधित होने पर यहां विद्युत की आपूर्ति हो सके। जिलाधिकारी ने इस दौरान पानी की गुणवत्ता परखने हेतु प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता की जांच टीडीएस व पीएच मीटर से कराई जाए जो की सही पाई गई, इसी के साथ नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी वार्डो में लीकेज पाइपलाइन को तत्काल प्रभाव से ठीक कराये, जिससे पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा सके। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट राजेंद्र कुमार, अपर आयुक्त नगर निगम, अधिशासी अभियंता सिविल, अधिशासी अभियंता यांत्रिक, विशेष सिंह, अशोक कुमार गौतम आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों की सहायता सबसे बड़ी सेवा: डॉ. गीता

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कोमल फाउंडेशन द्वारा एवं जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद के सहयोग से कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन नगर के शनिदेव मन्दिर के निकट जलेसर रोड़ पर किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद महिलाओं व वृद्ध माताओं को जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद की वाइस चेयरपर्सन डॉ. गीता यादव और विवेकानंद राज्य युवा पुरस्कार विजेता उप्र सरकार व कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार राजौरिया तथा कोमल फाउंडेशन की निर्देशिका नीतू राजौरिया द्वारा गजक, चावल व कम्बल वितरण किये गये। कार्यक्रम के दौरान डाबर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से डाबर रेड टूथपेस्ट, नहाने का साबुन, हेयर ऑयल का भी वितरण किया गया। कम्बल व अन्य सामग्री पाकर सभी जरूरतमंद महिलाओं व वृद्ध माताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद की वाइस चेयरपर्सन डॉ. गीता यादव ने कहा कि मनुष्य के जीवन की सार्थकता तब है, जब वह गरीब, असहायों तथा जरूरतमंद लोगों की मदद व सेवा करें। ठिठुरन भरी सर्दी के इस मौसम में जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण करना सच्ची मानव सेवा है। इस गलन भरी ठंड में कंबल वितरण से बड़ा पुनीत कार्य कुछ नहीं हो सकता। गरीब व जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण करना एक बेहतर और परोपकारी कार्य है। इस कार्य के लिए कोमल फाउंडेशन के समस्त पदाधिकारी प्रशंसा के पात्र हैं। विवेकानंद राज्य युवा पुरस्कार विजेता उप्र सरकार व कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार राजौरिया ने कहा कि गरीब व जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए हमारी संस्था हमेशा प्रतिबद्ध है तथा मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कोमल फाउंडेशन ने जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद के सहयोग से सर्दी से बचाव हेतु जरूरतमंद महिलाओं एवं वृद्ध माताओं को कम्बल वितरण किये है और आगे भी यह सेवा जारी रहेगी। कार्यक्रम में कोमल फाउंडेशन की निर्देशिका नीतू राजौरिया, वॉलिंटियर अनिल कुमार वर्मा, लाखन सिंह, नारद शंखवार, सौरभ यादव, अर्पित कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति के पर विशाल भंडारे का आयोजन

अलीगंज,सुलतानपुर। विकासखंड कुड़वार के अंतर्गत अलीगंज क्षेत्र के ग्राम ऊंच गांव मे हनुमान ज़ी का विशाल मंदिर बना हुआ है।जिस पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 घंटे तक हरे रामा हरे रामा रामा हरे हरे,हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे का सांकीर्तन अखंड पाठ, हवन आदि के बाद,मकर संक्रांति के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर नीरज चित्रांश, कमलेश श्रीवास्तव, रूपनारायण शर्मा, दिनेश श्रीवास्तव, धीरज श्रीवास्तव, राकेश यादव, प्रदीप यादव, दूधनाथ यादव, कान्हा यादव,भरत यादव, अरविंद यादव, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, जयप्रकाश सिंह, लालमणि शर्मा आदि ग्रामवासी का सहयोग रहा है।सभी ने एक दूसरे को मकर संक्रांति पर बधाई दी।

गोमती मित्रों ने मकर संक्रांति के पवन पर्व पर किया प्रसाद का वितरण

सुल्तानपुर। प्रमुख स्नान पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर गोमती मित्र मंडल ने एक बार फिर स्वतः अपनी जिम्मेदारी महसूस करते हुए प्रातः 5:00 बजे से ही सीता कुंड धाम पर मौजूद रहकर आने वाले श्रद्धालुओं को सहयोग प्रदान करते हुए उचित मार्गदर्शन किया।महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था व बच्चों को नदी में बहुत आगे तक जाने से रोकने के लिए युवा मंडल के तीन सदस्य बराबर मौजूद रहे।स्नान के पश्चात सभी श्रद्धालुओं को गरमा गरम तहरी प्रसाद रूप में वितरित की गई।बीच-बीच में गोमती मित्र स्वच्छता बनाए रखने के लिए झाड़ू लगाते हुए भी दिखे।धाम पर पहुंचे हुए प्रशासनिक अधिकारियों व श्रद्धालुओं ने गोमती मित्र मंडल के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।सहयोग करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, मीडिया प्रभारी रमेश महेश्वरी, राकेश प्रताप सिंह दद्दू, आलोक तिवारी, मुन्ना सोनी, मुन्ना पाठक, विकास शर्मा, राजेंद्र शर्मा, अजय वर्मा, सुजीत कसौधन, अनुज प्रताप सिंह, प्रदीप कसौधन, अरविंद सोनी, सुनील कसौधन, अर्जुन यादव, प्रांजल, अंश, आभास आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ से गुणवत्ताविहीन इंटरलॉकिंग निर्माण की लिखित शिकायत, लगायी जांच की गुहार

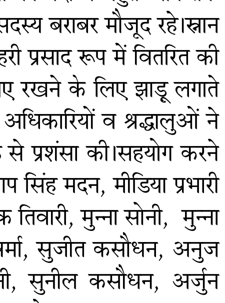

कूरेभार, सुल्तानपुर। जिले के ब्लाक कूरेभार के अंतर्गत ग्राम सभा भरथीपुर में निर्माणाधीन इंटरलॉकिंग के घटिया निर्माण की शिकायत सीडीओ से की गई है। शिकायतकर्ता विजय शंकर पाण्डेय ने ग्राम प्रधान अनारा देवी व प्रधान प्रतिनिधि अब्दुल जब्बार पर निर्माणाधीन इंटरलॉकिंग में घटिया ईट व सफेद बालू से निर्माण कराने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के पास घटिया ईंट और सफेद बालू का फ़ोटो साक्ष्य भी मौजूद है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत में निर्मित पंचायत भवन की शिकायत की गई थी लेकिन मामले को दबा दिया गया और कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसी के चलते ग्राम प्रधान अनारा देवी और प्रधान प्रतिनिधि अब्दुल जब्बार के हौसले बुलंद है और खुलेआम भ्रष्टाचार करके सरकार की मंशा पर पानी फेरा जा रहा है। शिकायतकर्ता की मानें तो पूर्व में भी ऐसी कई शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायतकर्ता ने पुनः सीडीओ से उक्त मामले की शिकायत की है और उचित कार्रवाई की मांग की है।

पॉक्सो एक्ट व अवैध असलाह सहित दो गिरफ्त में

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा पॉक्सो एक्ट में वांछित को गिरफ्तार किया, वहीं थाना रामगढ पुलिस टीम द्वारा एक शातिर को अवैध असलहा एवं जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु जनपद मे चलाये जा रहे चैकिंग अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निकट पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के कुशल नेतृत्व में थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा थाना मक्खनपुर पर मु0अ0सं0 010/2025 धारा 354/354डी/376डी भादवि व धारा 7/8/5ह/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित रोहित कुमार पुत्र मुन्नेश निवासी चौकी के सामने वाली गली जिजौली थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए रोहित कुमार को विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। वहीं थाना रामगढ़ पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त विक्रम दिवाकर उर्फ विक्की पुत्र स्व0 श्यामलाल दिवाकर निवासी गली नं0 6 दुर्गानगर थाना रसूलपुर जनपद फिरोजाबाद को फैक्ट्री ऐरिया से आने वाले रास्ते पर हाईवे के किनारे थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद से से 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 36/2025 धारा 03/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। संयुक्त रूप से गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में व0उ0नि0 सुनील चन्द्र, उ0नि0 यशपाल सिंह, का0 1362 भूपेन्द्र सिंह थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद, प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार दुबे, उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार, है0का0 545 प्रहलाद सिंह, का0 720 चन्द्रशेखर थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी की परिचालन अवधि में विस्तार

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित महाकुम्भ विशेष रेलगाड़ी की परिचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित अवधि	कुल फेरे
04601	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	फाफामऊ जं.	तिथि के अनुसार	24.01.2025	07.02.2025 एवं 14.02.2025 को	02
04602	फाफामऊ जं.	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	तिथि के अनुसार	25.01.2025	08.02.2025 एवं 15.02.2025 को	02

अन्य सभी विवरण पूर्ववत रहेंगे।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

पर हमें फॉलो करें

154/2025

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ

सं0-247/ई-टेण्डर/2024-25 दिनांक : 10-01-2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु श्रेणी ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं ''डी'' में रजिस्टर्ड ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमों से अवगत हो लें।

क्र. सं.	जनपद	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य + स्टेशनरी + जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन करने हेतु अधिशासी अभि. का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि. का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	लखनऊ	बी0के0टी0 बाबागंज से मल्हीपुर मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	18.20	1.82	रू. 300.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
2	लखनऊ	सीतापुर मार्ग एन0एच0-24 से न्याय बिहार सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	8.10	0.81	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
3	लखनऊ	घैला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	22.70	2.27	रू. 300.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
4	लखनऊ	लुधमऊ मार्ग से दुग्गौर मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	29.10	2.91	रू. 300.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
5	लखनऊ	कुम्हरावां महिगवां सुवंशीपुर से खजुरी सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	6.40	0.64	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
6	लखनऊ	पट्टी सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	0.70	0.07	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
7	लखनऊ	सीतापुर मार्ग से देवरी रूखारा मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	23.00	2.30	रू. 300.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
8	लखनऊ	बी0के0टी0 बाबागंज से उनई देवी मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	2.40	0.24	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
9	लखनऊ	इटौंजा शिवपुरी मार्ग से भीखमपुर मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	4.50	0.45	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
10	लखनऊ	पालपुर श्रमदान मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	1.50	0.15	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
11	लखनऊ	बनगाँव सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	0.60	0.06	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
12	लखनऊ	ऊमरिया सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	6.90	0.69	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
13	लखनऊ	सरायदामू सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	1.40	0.14	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
14	लखनऊ	चक बनकट सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	0.60	0.06	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
15	लखनऊ	लखनऊ सीतापुर मार्ग से बी0के0टी इन्टर कॉलेज मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	1.80	0.18	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
16	लखनऊ	सरदारपुर सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	1.30	0.13	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
17	लखनऊ	रैथा से पलेसर मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.10	0.91	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
18	लखनऊ	जुत्ती सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	4.10	0.41	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
19	लखनऊ	सीतनपुरवा सम्पर्क मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	8.50	0.85	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
20	लखनऊ	कुम्हरावां महिगवां से रेवामऊ मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	1.60	0.16	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
21	लखनऊ	कुर्सी मार्ग से बरखुरदारपुर मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	2.30	0.23	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
22	लखनऊ	बी0के0टी0 बाबागंज मार्ग से दरीयापुर मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	5.10	0.51	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
23	लखनऊ	उसरना मार्ग से अकबरपुर झाला महोना मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	3.70	0.37	रू. 150.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 767.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
24	लखनऊ	उसरना मार्ग से अकबरपुर मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	5.70	0.57	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
25	लखनऊ	बी0के0टी0 अस्ती बेहटा मार्ग से अचरामऊ मार्ग पर विभागीय प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य	10.10	1.01	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
26	लखनऊ	बगहा से नेवादा मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य।	14.70	1.47	रू. 225.00+ 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी.एस.टी. @18%=रू. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ

➢ बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनांक 16.01.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 22.01.2025 की अपरान्ह् 12:00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 22.01.2025 की अपरान्ह् 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 22.01.2025 को अपरान्ह् 12:30 बजे खोली जायेगीं। शासनादेश सं0- 1/2018/3070/78-2-2018/42 आई0टी0/2017 (22) दि0 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(इं. सत्येन्द्र नाथ)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ
For on behalf of Governor of UP

UPID-226212 Dated-13-01-2025
विज्ञापन आदेश के अनुसार www.upgov.in पर उपलब्ध

एक माह में दो वरिष्ठ पत्रकारों का निधन

पत्रकारिता जगत में अपूरणीय क्षति

अवधनामा ब्यूरो

करहल, मैनपुरी। पत्रकारिता जगत के लिए यह समय गहरी पीड़ा और शोक का है। एक माह के अंदर दो वरिष्ठ पत्रकारों, डॉ.जहीर रहीमी और डॉ.बदरुल हसन का असामयिक निधन क्षेत्र के पत्रकारिता समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। इन दोनों ही पत्रकारों ने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा समाज की सेवा और सत्य के संचार में व्यतीत किया।

डॉ.जहीर रहीमी: पत्रकारिता और चिकित्सा का संगम- डॉ.जहीर रहीमी, करहल के एक सम्मानित चिकित्सक और अमर उजाला के तहसील प्रतिनिधि थे। उनका अचानक दिल का दौरा पड़ने से सोमवार को उनका निधन हो गया मंगलवार को करहल के कब्रस्तान में हज़ारों चाहने वालों की मौजूदगी में गमगीन माहौल व नम आंखों के बीच सुपुर्दे ख़ाक किये गए। डॉ.रहीमी न केवल एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि पत्रकारिता में उनकी गहरी रुचि और निष्ठा ने उन्हें क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित चेहरा बना दिया। डॉ.रहीमी का जीवन दूसरों के प्रति समर्पित था। चिकित्सा के क्षेत्र में वे मरीजों की सेवा में हमेशा तत्पर रहते थे, तो वहीं पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं और सच्चाई को उजागर करने में भी उतने ही सक्रिय थे। करहल क्षेत्र के मुद्दों पर उनकी लेखनी ने कई बार प्रशासन को जागरूक किया और समाधान की दिशा में प्रेरित किया। उनका सैफई और इटावा से गहरा लगाव था। उनके सहयोगियों का कहना है कि वे हमेशा इन क्षेत्रों की समस्याओं और संभावनाओं पर चर्चा करते रहते थे। उनकी सहजता, विनम्रता और गहरी समझ ने उन्हें अपने पत्रकार साथियों और समाज के बीच प्रिय बना दिया।

डॉ.बदुरुल हसन- पत्रकारिता के सच्चे प्रहरी- कुछ ही दिन पहले, दैनिक जागरण के तहसील प्रतिनिधि डॉ.बदरुल हसन का भी दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वे पत्रकारिता के माध्यम से न केवल समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे, बल्कि अपने व्यवहार और कार्यशैली से अपने साथियों और क्षेत्र के लोगों के दिलों में विशेष स्थान रखते थे। उनकी रिपोर्टिंग में समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाता था, जिससे उनकी लेखनी को विशेष पहचान मिली।

प्रेस क्लब सैफई ने दी श्रद्धांजलि- दोनों वरिष्ठ पत्रकारों के निधन पर प्रेस क्लब सैफई ने गहरा शोक व्यक्त किया। प्रेस क्लब सैफई से बीपी सिंह यादव, प्रदीप यादव, अवनीश यादव, दिलफूल दिवाकर और अन्य सदस्यों ने इस अपूरणीय क्षति पर दुख जताया। प्रेस क्लब के सदस्यों ने कहा कि पत्रकारिता जगत ने दो ऐसे व्यक्तित्व खो दिए हैं, जिन्होंने अपने जीवन को सत्य, निष्ठा और समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। पत्रकारिता जगत के लिए एक कठिन समय-एक माह के भीतर दो वरिष्ठ और समर्पित पत्रकारों के निधन ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है। इन दोनों ने न केवल पत्रकारिता को समृद्ध किया, बल्कि अपने कार्यों से समाज पर भी गहरा प्रभाव डाला। उनके योगदान को शब्दों में समेटना कठिन है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाईक सवार की मौत, दूसरा गंभीर

अवधनामा संवाददाता

मुस्करा हमीरपुर। सोमवार रात करीब 9:30 बजे घर से जटाशंकर धाम मकर संक्रांति स्नान के लिए निकले दो बाइक सवारों की ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ंत हो गई। जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना मुस्करा में दामूपुरवा गांव निवासी प्रकाश अहिरवार ने लिखित तहरीर देते हुए बताया कि उनका बेटा आकाश 19वर्ष और परिवार का भतीजा रघुवीर 20वर्ष पुत्र दयाल अहिरवार मोटरसाइकिल से छतरपुर के जटाशंकर धाम मकर संक्रांति स्नान के लिए निकले थे कि तभी बसवारी के मौदहा मोड पर बसवारी निवासी देवेंद्र पुत्र पंचम के ट्रैक्टर से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पीआरबी डायल 112 और एंबुलेंस 108 की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां पर इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात डॉ मनोज ने आकाश की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उरई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। जिसे आनंन-फानन में एंबुलेंस 108 के पायलट मगन सिंह और एमटी संदीप ने तत्परता दिखाते हुए उरई मेडिकल कॉलेज पहुंचा। जहां पर डॉक्टरों ने देखते ही आकाश को मृत घोषित कर दिया। और दूसरे घायल रघुवीर को सीएससी से प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दोनों में से कोई बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाये थे और शराब के नशे में चूर थे। उक्त घटना के संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश तिवारी ने बताया कि पीड़ित द्वारा तहरीर प्राप्त हुई है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दूसरे सेमीफाइनल में हिंडालको को गाजीपुर टीम ने हराया

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 क्रिकेट मैच के मंगलवार को दूसरा सेमीफाइनल हिंडालको और गाजीपुर के बीच देवेश मिश्रा गुरु के द्वारा टास करा कर मैच का शुभारंभ किया हिंडालको की टीम टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 20 ओवर में 128 रन पर पूरी टीम ढेर हो गई,हिंडालको की तरफ से 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 22 बाल पे 32 रन तो वहीं अजय ने 3 चौके और एक छक्के की मदद से 18 बाल पे 24 रन बना का अपनी टीम का स्कोर 128 रनों पर पहुंचाया,गाजीपुर की तरफ से आदित्य मिश्रा 2 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट तो वही मोहम्मद आमिर 4 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट चटकाए। जवाब में गाजीपुर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 13 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया,गाजीपुर की तरफ से संदीप मौर्य 2 चौके और 5 छक्के की मदद से 28 बाल पर नाबाद 50 रन तो वहीं मोहम्मद आमिर आलराउंडर प्रदर्शन करने हुए मोहम्मद आमिर 4 छक्के और

5 चौके की मदद से 26 बाल पर नाबाद 53 रन की पारी खेल कर अपनी टीम को विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 के फाइनल में पहुंचाया, हिंडालको की तरफ से विपुल तिवारी ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 सफलता प्राप्त किया। अतः आलराउंडर प्रदर्शन करने वाले मोहम्मद आमिर को,भाजपा उपाध्यक्ष रमेश सिंह पटेल, विधायक भूपेश चौबे, के द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।इस अवसर पर,संतोष शुक्ला अनूप तिवारी, आशुतोष चौबे, सुनील सिंह, मनोज सोनकर, रजनीश रघुवंशी, बलराम सोनी, पंकज मिश्रा, नवल वाजपेई, राजेश चौबे, अरविंद पांडे, आशुतोष शुक्ला, विनीत तिवारी, खेल प्रेमी उपस्थित रहे। अतः कल 15.01.2025 दिन बुद्धवार सुबह 10 बजे से ओवरा और गाजीपुर के बीच विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 का फाइनल मैच खेला जाएगा।

हिण्डाल्को में आज खेला जाएगा जिलास्तरीय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप

सोनभद्र/रेणुकूट। हिण्डाल्को द्वारा आयोजित जिलास्तरीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन बड़े उत्साह के साथ आज दिनांक 15-16 जनवरी को हिण्डाल्को फुटबॉल मैदान में किया जाएगा। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में पूरे जिले से लगभग 12 टीमें हिस्सा लेंगी व अपनी प्रतिभाशाली क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का उद्घाटन हिण्डाल्को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। दर्शकों के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था के साथ सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है। इस प्रतियोगिता के दौरान रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद है, जहां हर टीम अपनी सर्वश्रेष्ठ खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करेगी। यह चैंपियनशिप क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और सामुदायिक एकता को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ शाम 4 बजे फुटबॉल ग्राउंड में किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में मैच देखने के लिए खेल प्रेमियों की भीड़ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए मौजूद रहेगी।

लगे श्री साईं नाथ के जयकारे

- साईं पालकी को उठाने को हर कोई दिखा बेताब
- पालकी यात्रा में भजनों की धुन पर झूमे श्रद्धालु
- श्री साईं नाथ के जयकारों से गूंज उठा पूरा नगर

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/ राबर्ट्सगंज। नगर स्थित साई मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर श्री साईं सेवा संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष के भाती इस वर्ष भी श्री साईं पालकी यात्रा नगर में बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। यह पालकी यात्रा साई मंदिर से प्रारंभ हुआ और शीतला मंदिर चौक से होते हुए महिला थाने से होते हुए पूरब माहौल, उत्तर माहौल होते पुनः साई मंदिर पहुंचा जहां पर भव्य भजन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस दौरान यात्रा में शाई भक्त डीजे की धुन पर नाचते गाते साई बाबा के जयकारे लगाते हुए शमिल हुए तो वहीं महिलाएं अपने सर पर कलश लिए हुए शामिल हुई। बताते चलें कि साई भक्तों द्वारा 2007 में मंदिर की नींव रखी गई और 14 जनवरी 2014 को शिरडी के प्रधान पुजारी अमित देशमुख के कर कमलों से तीन दिवसीय पूजन अर्चन के साथ मंदिर में मूर्ति की स्थापना हुई।

सांई मंदिर में स्थापित सांईनाथ के मूर्ति के साथ सिध्दि विनायक गणेशजी, राधाकृष्ण, दक्षिणेश्वर हनुमानजी भी स्थापित हुए थें। वही शंकर परिवार में शंकर जी, माँ पार्वती, कार्तिकेय, गणेश जी व नंदी भगवान, माँ दुर्गा के मंदिर का जिर्णोद्धार हुआ था।

श्री साई सेवा संस्थान द्वारा शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मंदिर में स्थापित सभी देवी देवताओं को फूलों से सुसज्जित किया गया और उनकी भव्य झांकी सजा कर भक्तों द्वारा दिव्य आरती उतारते हुए पूजा अर्चना किया गया। इसके बाद भोग का प्रसाद चढ़ाया गया।

तथा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक संजीव शर्मा, सूरज गुप्ता, राजन अग्रहरि व शालनी जयसवाल ने श्री साई नाथ की एक से बढ़कर एक भजनों का गायन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ठाकुर प्रसाद अग्रहरी, महामंत्री विमल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न जायसवाल, अजीत जायसवाल, आनंद जायसवाल, सुधीर जैन,सगम गुप्ता, परमेश जैन, मुकेश जायसवाल, हरिशंकर सिंह, गीता, सुलोचना, अंकित केजरीवाल, दीपक केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एनसीएल के निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण ने ककरी परियोजना का किया रात्रि दौरा

सोनभद्र/सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण ने सोमवार को ककरी परियोजना का रात्रि दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के कर्मियों से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा आपकी मेहनत, समर्पण और नवाचार हमारे संचालन को और अधिक उत्पादक और सुरक्षित बना रहा है। मैं आपकी कड़ी मेहनत की सराहना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे भी काम करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि कर्मियों की मेहनत और प्रतिबद्धता से कंपनी के लक्ष्यों को प्राप्त करना संभव हुआ है। इस अवसर पर ककरी परियोजना के महाप्रबंधक राजेंद्र वर्मा, परियोजना के श्रमिक संघ प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण, निदेशक वित्त के तकनीकी सचिव राजेश कुमार एवं अन्य परियोजना कर्मी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया हजरत अली का जन्मदिन

हमीरपुर। मौदहा नगर सहित क्षेत्र के मुस्लिम गांवों में आज इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगम्बर मोहम्मद साहब के भाई एवं दामाद हजरत इमाम अली शेरे खुदा की यौमे पैदाइश जन्मदिन बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया है।कस्बा के कजियाना मोहाल स्थित इरशाद रिज़वी पत्रकार के आवास पर विलादत ए इमाम अली के मौके पर अली डे का आयोजन किया गया जिसमें छोटे बच्चों एवं युवाओं ने हजरत अली शेरे खुदा की शान में कसीदे पढ़े एवं केक काटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर गले लग विलादते हजरत अली की मुबारकबाद दी है।वही बीती रात कजियाना मोहाल में मुस्लिम युवकों ने केक काटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया है साथ ही राहगीरों को सर्दी के मौसम में चाय पिलाकर हजरत अली के जन्मदिन की मुबारकबाद दी है। इस मौके पर सलाम खान,इरशाद रिज़वी पत्रकार,असद अब्बास गुड्डू,अफजल अंसारी,फैजान रिज़वी,हसन रिज़वी,असद खान,शफी खा,अदब रिज़वी,एम्ब्रोज अंसारी, छोटे,अज्जू सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे है।

मकान में आग लगने से एक लाख का सामान जला

सुमेरपुर हमीरपुर। कस्बे के वार्ड संख्या 2 में मंगलवार को बंद मकान में आग लग जाने से एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर खाक हो गई। घर में धुआं उठता देख लोगों ने गृह स्वामी को सूचित किया। आशंका है कि आग बिजली के शार्ट सर्किट के चलते लगी है। इमिलिया थोक निवासी संपत अनुरागी मकान में ताला बंद करके पुत्रों संग ईट भट्टा में मजदूरी करने चली गई थी। मंगलवार को सुबह घर से धुआं उठता देखकर पड़ोसियों ने संपत को सूचित किया। सूचना पाकर संपत का पुत्र विनोद कुमार घर आया। जब तक वह घर आया तब तक सब कुछ खाक हो गया था। विनोद ने आशंका व्यक्त की है कि बिजली के शार्ट सर्किट से आग लगी है। आग से एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर खाक हुई है। घटना से सभासद ने कस्बे के लेखपाल को अवगत कराया है।

भीषण ठंड में गरीबों को बांटे कम्बल

मौदहा हमीरपुर। ताज गुरूप के तत्वावधान में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें तीन हज़ार निराश्रित लोगों को कंबल वितरण किए गए। मंगलवार को कस्बे के हुसैनगंज स्थित हाजी मोहम्मद इसराइल बिल्डिंग पर ताज गुरूप के बैनर तले कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें ताज गुरूप के आनर डॉ मुहम्मद नसीम व मुहम्मद वसीम ने अपने माता बदरूनिशा के करकमलों द्वारा नगर सहित क्षेत्र के लगभग तीन हजार गरीब निराश्रित लोगों को कंबल वितरण किए गए। वहीं मुहम्मद वसीम ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ठंड को देखते हुए ताज गुरूप के द्वारा जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण का आयोजन किया गया है। जिसमें मंगलवार को सुबह से ही नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग तीन हज़ार निराश्रित लोगों को कंबल वितरण किए हैं।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-V के अंतर्गत जनपद पुलिस की कार्यशाला

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-V के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों/ मिशन शक्ति टीम के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में जागरुक किया जा रहा है। इसी क्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच / बैड टच तथा उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया। महिलाओं / बालिकाओं को बताया गया कि बस/रास्तों/सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफआईआर के लिए जागरुक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि) का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निर्देशों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। महिला एवं बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया व स्वयं नियमें का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइबर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

मकर संक्रांति में लगाई आस्था की डुबकी

हमीरपुर। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर यमुना और बेतवा नदी के संगम तट पर हजारों श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया, जिन्होंने पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रशासन ने त्योहार को देखते हुए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की है। एसडीएम और सीओ के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किया गया है। नगर पालिका के कर्मचारी भी व्यवस्थाओं में जुटे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह अलाव की व्यवस्था की गई है। संगम तट पर पूजा सामग्री की दुकानें भी सजी हुई हैं, जहां से श्रद्धालु पूजन के लिए आवश्यक सामग्री खरीद रहे हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश होता है। इस दिन किए गए दान-पुण्य और सूर्य देव की पूजा का विशेष महत्व है।

सहुरापुर पंप केनाल में 25 दिन से नहीं आ रहा पानी

अवधनामा संवाददाता

भरुआ सुमेरपुर। सहुरापुर पंप कैनाल के गत 20 दिसंबर से पानी नहीं छोड़े जाने से उजनेड़ी मौजा के किसान परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि शिकायत करने पर पंप केनाल का ऑपरेटर अभद्रता करता है। उजनेड़ी के किसान कुलदीप पाल, राजू प्रजापति,रामरतन, देवलाल,भूरा पाल, चुन्नू प्रजापति, बाबा प्रजापति, रामदास, रामकुमार, विजयपाल, मुकुल पाल, राघवेंद्र पाल आदि किसानों का आरोप है कि सहुरापुर पंप केनाल में बीते 20 दिसंबर से पानी नहीं आ रहा है। इससे किसानों की फैसले बर्बाद हो रही है। किसानों का आरोप है की पंप केनाल का ऑपरेटर पल्लू सिंह शिकायत करने पर अभद्रता करता है। किसानों ने बताया कि इस समस्या के शिकायत 1076 में कर चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। किसानों का कहना है कि अगर पंप केनाल में तत्काल पानी नहीं छोड़ा जाता है। तो उनकी फसलें सूख सकती हैं। किसानों ने कहा कि अगर तीन दिवस में पानी नहीं मिलता तो मुख्यालय जाकर प्रदर्शन करते हुए समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराएंगे। पंप केनाल के अवर अभियंता प्रकाश पटेल ने बताया कि विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं मिलने से केनाल चलाने में समस्या आ रही है।बताया कि बार बार की ट्रिपिंग की वजह से पानी ऊपर तक नहीं चढ़ पाता है। ऑपरेटर ने किसानों के आरोपों को निराधार बताया है।

पाइप लाइन लीकेज के चलते गंदे पानी की हो रही सप्लाई

सुमेरपुर हमीरपुर। कस्बे के अमिलिया थोक में नलकूप के समीप पाइप लाइन में हुए लीकेज से दो वार्डो में दूषित जल की आपूर्ति हो रही है। वार्ड के सभासद का आरोप है की शिकायत के बाद जल संस्थान समाधान नहीं कर रहा है। इससे लोग परेशान है। वार्ड संख्या दो के सभासद देव सिंह यादव ने बताया कि वार्ड संख्या दो में पेयजल के लिए नलकूप लगा हुआ है। नलकूप के समीप पाइप लाइन में लीकेज होने से गहरा गड्ढा हो गया है। जिससे गड्ढे में गंदा पानी भरा रहता है। सप्लाई शुरू होते ही पाइपलाइन में गंदा पानी जाता है। इससे लोग परेशान है। सभासद ने बताया कि इस नलकूप से वार्ड संख्या नौ को भी जलापूर्ति होती है। दोनों वार्डो में गंदा पानी जाने से लोग परेशान हैं। सभासद ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत जल संस्थान से की है। लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया गया। जल संस्थान के अवर अभियंता विश्वलेंद्रनाथ ने बताया कि वह बुधवार को मौके पर जाकर समस्या का समाधान कराएंगे। उधर जल संस्थान के तमाम प्रयासों के बाद स्टेशन मार्ग में बदबूदार गंदे पानी की आपूर्ति नहीं बंद हो रही है।

भीषण ठंडः सूरज निकलने से मिली राहत

मौदहा हमीरपुर। रात में हाड़ कपाऊ ठण्ड और सुबह तक रहे भीषण कोहरे के बाद दोपहर में सूरज निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली हालांकि रात में फिर से भीषण कोहरा और ठण्ड का अनुमान लगाया जा रहा है। क्षेत्र में चल रहे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण इस समय पूरा क्षेत्र हाड़ कपाऊ ठण्ड और भीषण कोहरे की चपेट में आ गया है।और दिन का तापमान लगभग 17? जबकि रात का तापमान 10? के आसपास रहने के कारण लोगों को कंपकपाने पर मजबूर होना पड़ रहा है जिसके चलते जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं सोमवार रात से ही क्षेत्र कोहरे की चादर में ढक गया था मंगलवार की सुबह भीषण कोहरे के चलते जहां पशु पक्षी बेहाल रहे तो वहीं दृश्यता लगभग दस मीटर के आसपास रहने के चलते दिन में भी वाहनों के पहिए थमे रहे और नेशनल हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए।

संक्षिप्त समाचार

फोटोग्राफर आसू को डीएम, एसएसपी ने किया सम्मानित

इटावा,अवधनामा ब्यूरो। इटावा महोत्सव के कार्यक्रमों के दौरान कवरेज के लिये प्रसिद्ध फोटोग्राफर आसू को नुमायश कमेटी के अध्यक्ष जिलाधिकारी अध्यक्ष अवनीश कुमार राय एवं एसएसपी संजय कुमार वर्मा तथा प्रदर्शनी के जनरल सेक्रेट्री विक्रम राघव द्वारा सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने आसू यादव द्वारा लगाई गई टीम द्वारा की गई फोटोग्राफी की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुये कहा कि 115 साल पुरानी प्रदर्शनी में यह अनूठा अनुभव रहा है और आसू ने बेहतरीन फोटोग्राफी की एक मिसाल पेश की है।

पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल में खिचड़ी भोज एवं अन्न-वस्त्र दान का हुआ आयोजन

इटावा। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल में भारत विकास परिषद, तुलसी शाखा के तत्वावधान में खिचड़ी भोज एवं अन्न-वस्त्र दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इटावा जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीलम राय वर्मा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ.कैलाश चंद्र यादव एवं उनकी पत्नी रश्मि यादव ने की। इस अवसर पर तुलसी शाखा के सदस्य पंकज, समीम, ध्रुव कुमार गुप्ता और मौसमी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी सहभागिता की। सभी ने मिलकर खिचड़ी भोज में हिस्सा लिया और जरूरतमंदों को अन्न व वस्त्र दान किए। मुख्य अतिथि संजय वर्मा ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए भारत विकास परिषद और स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सहयोग और सेवा की भावना को बल मिलता है। इस अवसर पर पवन एवं नीतू यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ.कैलाश चंद्र यादव ने सभी अतिथियों और सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन मकर संक्रांति के पर्व को समाजसेवा के माध्यम से मनाने का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। 9न मिलने पर आसू को लोगों ने प्रसन्नता जाहिर की और बधाई दी।

उधारी आटा नहीं देना चक्की संचालक को पड़ा भारी

सुमेरपुर,हमीरपुर। थाना सुमेरपुर क्षेत्र के ग्राम मुंडेरा में उधार आटा न देने पर आटा चक्की मालिक को गांव के पांच लोगो ने बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया और मारपीट की। ग्राम मुण्डेरा निवासी हरेन्द्र सिंह पुत्र स्व बलदेव सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव में आटा चक्की लगाये है विगत 13 जनवरी को जब वह चक्की में था तभी शाम को गाँव निवासी अंकित उर्फ बन्दर पुत्र कामता, पवन उर्फ छोटू यादव व तीन अज्ञात लोग आये और उधार आटा मांगने लगे न देने पर बाहर खड़ी बाइक में तोड़ फोड़ की और जान?माल की धमकी दी। घटना की सूचना 112 नम्बर को दी लेकिन पुलिस नहीं आयी। आरोप है दुबारा उक्त लोग फिर से आये और मेरे साथ मारपीट करने लगे शोर सुनकर मेरी पत्नी पूजा व पुत्री श्रेया व श्रद्धा बचाने आई तो उनको भी मारा पीटा। पुलिस से कार्यवाही किये जाने की मांग की पुलिस ने जांच के बाद कार्यवाही करने के बात कही है।

सभासद सहित परिवार मारपीट के मामले में नामजद

मौदहा हमीरपुर। महिला के साथ हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने सभासद सहित आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। कस्बे के मोहल्ला देवी चौराहा निवासी सबिस्ता बानो ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते मंगलवार को दोपहर करीब साढे तीन बजे वह अपने बच्चों के साथ बाजार से वापस लौट रही थी तभी मोहल्ला मांदा निवासी रमजानी सभासद, सोनू,अकबर और रमजानी की पत्नी सहित अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सभासद सहित आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है वहीं सभासद रमजानी ने बताया कि महिलाओं के बीच विवाद हुआ था और वह घर पर नहीं थे लेकिन उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है जल्द ही वह और उनके भाई जहां मौजूद थे उसकी सीसीटीवी फुटेज लेकर मीडिया के सामने आएंगे।

युवक को गंभीर करने के मामले में दो नामजद

मौदहा हमीरपुर। युवक को गंभीर रूप से मारपीट कर घायल करने के मामले में भाई की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिहरका निवासी गंगादीन पुत्र राजाराम ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते सोमवार को जब वह कार्यक्रम में सुमेरपुर गया था उसे फोन पर सूचना मिली कि तुम्हारा भाई गंभीर हालत में बेहोश और घायल पड़ा हुआ है।पीड़ित ने बताया कि वह तत्काल वापस आया और पुलिस को सूचना दी जिसे पुलिस इलाज के लिए मौदहा के सरकारी अस्पताल ले गई।जब पीड़ित के भाई जीतेंद्र कुशवाहा को होश आया तो उसने बताया कि बिहरका निवासी श्याम सुंदर और मवई बुजुर्ग बांदा निवासी रोहित ने उसके साथ मारपीट की है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सामान लेने जा रहे व्यक्ति को अज्ञात लोगों ने पीटा

मौदहा हमीरपुर। घर से सामान लेने बाजार जा रहे व्यक्ति को तीन अज्ञात बाईक सवारों ने बेवजह पीट दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिंवार कस्बे निवासी नारायण दास पुत्र साधूराम ने थाने में दिए शिकायती पत्र में बताया कि सोमवार करीब साढे चार वह सामान लेने बाजार जा रहा था तभी बांधुर रोड पर तीन अज्ञात लोगों ने रोककर बेवजह उसके साथ मारपीट की।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

चादरपोशी के साथ कमरुद्दीन बाबा का उर्स संपन्न

भरुआ सुमेरपुर। कस्बे के ईदगाह में कमरुद्दीन बाबा निजामी का 16वां उर्स कुरआनखानी, कव्वाली चादरपोशी के साथ संपन्न हुआ। प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी कस्बे के बांकी मार्ग स्थित हजरत कमरुद्दीन बाबा निजामी की मजार में 16वां उर्स अकीकतमंदो ने जोशोखरोश के साथ मनाया।सुबह कुरआनखानी के बाद दोपहर में जुहर की नमाज के बाद कव्वाली के साथ हुई चादरपोशी हुई। इसके बाद मजार में फातिहा पढ़ा गया। इसके बाद अकीकतमंदो के मध्य लंगर का वितरण किया गया। इस मौके पर रहमत खान वारसी,बशीर अहमद निजामी, हाफिज जुल्फिकार,नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे, तुफैल अहमद,बाकर खान, सुजात खान, शहजाद,शरीफ खान,जमील खान, इसरार खान, राफिस सिद्दीकी, इदरीश अहमद, मौलाबक्श, रफीक खान,नईम अख्तर, शानू खान आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री कराए बिना नहीं मिलेगी प्रधानमंत्री सम्मान निधि

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। बिना फार्मर रजिस्ट्री कराए लाभार्थियों को किसान सम्मान निधि नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसलिए किसान जल्द से जल्द गांवों में कैंप, जनसेवा केंद्र या फिर खुद से मोबाइल पर फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री में किसानों का फायदा है। जिन्हें आधार कार्ड की तर्ज पर उनकी अलग-अलग भूमि की एक आइडी मिलेगी। इससे योजनाओं का लाभ पाना आसान रहेगा और अन्य कार्यों के लिए जमीन के अलग-अलग अभिलेख नहीं देने पड़ेंगे। फार्मर रजिस्ट्री सभी किसानों को बनवानी है। इसके लिए सरकार द्वारा गांव-गांव कैंप लग रहे हैं। फार्मर रजिस्ट्री किसान सम्मान निधि का लाभ पा रहे किसानों के लिए भी अनिवार्य है। यदि नहीं बनाते तो दिसंबर 2024 से सम्मान निधि नहीं मिलेगी।

प्रक्रिया में दिक्कत, 75वें स्थान पर लखनऊ

फार्मर रजिस्ट्री की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। शिविर के दौरान तकनीकी समस्या के कारण परेशानी है तो कहीं जनसेवा केंद्र द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है। सभी जिलों में यह स्थिति है। इस कारण पंजीयन तेजी से नहीं हो पा रहे हैं। लखनऊ की बात करें तो प्रदेश में 75वें स्थान पर है। 8 जनवरी तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 1,90,207 किसानों के सापेक्ष 11,351 (5.97 फीसदी) रजिस्ट्री हो पाई है। जिला प्रशासन की तरफ से कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। वहीं, प्रदेश में 2,22,96,269 के सापेक्ष 40,20,975 फार्मर रजिस्ट्री हुई हैं।

फार्मर रजिस्ट्री की ये विधि

- किसान स्वयं upfr.agristack.gov.in पोर्टल पर पंजीयन करके किसान फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। इसके लिए खतौनी, आधार कार्ड और उससे लिंक मोबाइल नम्बर पर आने वाली ओटीपी आवश्यक है।
- किसान जन सुविधा केंद्र से फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। पंजीयन के लिए आधार लिंक मोबाइल नंबर, गाटा संख्या के लिए खतौनी की प्रति देनी होगी या फिर संख्या बतानी होगी।
- फार्मर रजिस्ट्री पंचायत सहायक, लेखपाल, प्राविधिक सहायक (कृषि) से कराई जा सकती है।

फार्मर रजिस्ट्री के ये मुख्य लाभ

- किसान सम्मान निधि की किस्त नहीं मिलेगी
- बार-बार ईकेवाईसी कराये जाने की जरूरत नहीं
- बिना किसी दस्तावेज के बैंकों से डिजिटल केसीसी से अधिकतम दो लाख का ऋण
- कृषि सम्बन्धित योजनाओं में सब्सिडी का लाभ
- फसली ऋण, फसल बीमा की क्षतिपूर्ति व आपदा राहत प्राप्त करने में सुगमता
- सरकारी खरीद के लिए पंजीकरण और भुगतान में आसानी
- कोई भी डाटा, रियल टाइम खतौनी के माध्यम से अपडेट मिलता रहेगा
- धोखाधड़ी के मामलों में सहायता प्राप्त होगी

मजा-ए-सर्दी कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

कवियों और शायरों ने सर्दी की चादर ओढ़े अपनी कविताएं पेश कर माहौल को गर्माया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। नक्षत्र फाउण्डेशन की ओर से मंगलवार को गोमती नगर स्थित शीरोज हैंगआउट में मजा-ए-सर्दी कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में शामिल कवियों और शायरों ने सर्दी की चादर ओढ़े अपनी कविताएं पेश कर माहौल को गर्माया। प्रियांशु तिवारी वत्सव के संचालन में हुए कवि सम्मेलन में कवियों ने बेहतरीन रचनाएं सुनाईं। हास्य कवि पंकज प्रसून ने ठण्ड में शहर और शायरों के हालात पर चुटकी लेते हुए पढ़ा, शहरे अदब जब हमें अलाव सिटी लगता है, हर तरफ रैन बसेरे ही नजर आते हैं, इतना कोहरा है कि खुद को भी देखना मुश्किल, इतनी सर्दी है कि अशआर भी जम जाते हैं तो तालियां गूंज उठीं। पंकज प्रसून ने अपनी कविता पढ़ते हुए कहा, मां की स्वेटर ने सिखाया है कि बुने हुए और बने हुए में बड़ा अंतर होता है, बना हुआ सलीके से बनता तो है, लेकिन उधड़ता बेतरतीब है, बुना हुआ उधड़ता भी सलीके से है। कवि मुकुल महान ने ठण्ड के मौसम को उकेरते हुए पढ़ा, मौसमों के काफिले में आ गयी हैं सर्दियां, निकल पड़े हैं सब पहन ऊन वाली वर्दियां, कुछ नये से रास्तों पे प्यार ने पकड़ लिया तो जश्न के खुमार में ये चढ़ रही हैं हल्दियां। कवियत्री प्रतिभा श्रीवास्तव ने सर्द मौसम बड़ा ही प्यारा है, इन नजारों पे दिल ये हारा है, फूल पे हंसीं बूंदें, ये मोहब्बत का एक इशारा है। डॉ. संदीप शर्मा ने सुनाया, लिपटती थी कभी जो शाल बन मुझसे, मुझे वो छोड़ अब कुछ और गाती है। डॉ. निशा नवल ने नाम जब पूछा किसी ने मैं ही भारत हूं कहां, रोटियों में चाह में जो दरबदर होता रहा। डॉ. सुभाष चंद्र रसिया ने पढ़ा, मौसम ने रंग बदला, पुरवाई के संग, होले-होले कांपते नाजुक नाजुक अंग जैसी रचनाओं से शाम को यादगार बना दिया।

खादी फैशन का आयोजन आज

लखनऊ। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किये जा रहे खादी महोत्सव-2025 में बुधवार को खादी फैशन शो होगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर हॉल में खादी फैशन शो आयोजित होगा। वहीं मंगलवार को मकर संक्रांति की छुट्टी के चलते महोत्सव में भारी संख्या में भीड़ उमड़ी और लोगों ने जमकर खरीदारी की। प्रदर्शनी में अब तक 1.04 करोड़ रुपये की बिक्री हो चुकी है। खादी प्रदर्शनी 17 जनवरी तक चलेगी। खादी महोत्सव में बाराबंकी के श्री गांधी आश्रम स्टॉल पर ऊनी और सूती खादी की बिक्री सर्वाधिक रही। सीतापुर के ग्रामोदय संस्थान के स्टॉल पर लोगों ने अचार, मुरब्बा, हर्बल उत्पाद और जड़ी-बूटियों की जमकर खरीदारी की। खादी और रेशम के परिधानों से लेकर हस्तशिल्प उत्पादों के स्टॉल पर लोगों की भीड़ नजर आई। दूर-दराज से आए उद्यमी और हस्तशिल्पी अपने उत्पादों की बिक्री से उत्साहित दिखे। उत्तर प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. उज्ज्वल कुमार ने बताया कि खादी अब स्टेटस सिम्बल बनता जा रहा है। खादी आधुनिक फैशन में अपनी जगह बना रहा है।

मकर संक्रांति पहला पवित्र स्नान करते सूचना निदेशक शिशिर सिंह और मुख्यमंत्री मीडिया सलाहकार मृत्युंजय सिंह

कैफ़ी आज़मी की 106वीं यौमे पैदाइश कार्यक्रमों का आयोजन

- प्रो0 रेशमा परवीन की सरपरस्ती में लड़कों और लड़कियों ने बैतबाजी की

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। विख्यात शायर कैफी आजमी की 106वीं जयंती मंगलवार को निशातगंज स्थित आल इंडिया कैफी आजमी अकादमी में मनायी गयी। अकादमी परिसर में जयंती पर विविध आयोजन किये गये, जिसमें बैतबाजी के साथ शबाना आजमी और जावेद अख्तर के प्ले कैफी और मैं की वीडियो रिकार्डिंग दिखायी गयी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कैफी आजमी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर रोशनी डाली। इस मौके पर कैफी की याद में खिचड़ी भोज भी हुआ। कार्यक्रम में तरक्की पसंद तहरीक कल और आज रोशनाई की रोशनी में विषय पर सेमिना हुआ। सेमिनार की अध्यक्षता प्रो. कमर जहां ने की। सेमिनार में जेएनयू के प्रो. अनवर पाशा ने कहा कि तरक्की पसंद तहरीक सज्जाद जहीर और रोशनाई की तारीखी अहमियत है। आज भी इस तहरीक के असरात हमारे अदब पर दिखते हैं। लेखक शकील सिद्दीकी ने कहा कि तरक्की पसंद तहरीक सज्जाद जहीर और रोशनाई एक-दूसे से इतने मजबूती से गुंथे हैं कि उन्हें अलग नहीं किया जा सकता। तहरीक को बनाने उसे दूसरी भाषाई इलाके में ले जाने में और एक मजबूत तरक्की पसंद अदबी नजरिए में खास भूमिका रही है। प्रो. नलिन रंजन सिंह ने कहा कि प्रगतिशील साहित्य की अहमियत पहले भी थी और आज भी है और आगे भी रहेगी। प्रगतिशीलता किसी दौर की मोहताज नहीं होती। व्यक्ति मानसिक रूप से अपने कर्मों से किसी भी दौर में प्रगतिशील हो सकता है। समीना खान ने कहा कि तरक्की पसंद का नजरिया हिन्दुस्तान के गांव, शहर, किसान, मजदूर, मर्द और औरत तक अपनी पहुंच बनाता चला गया। यह तहरीक आम जन को उनके अधिकारों से जोडने के साथ गुलामी के खिलाफ हिम्मत जुटाने का काम भी कर रही हैं। इससे पहले प्रो. रेशमा परवीन की सरपरस्ती में लड़के-लड़कियों ने बैतबाजी की। कार्यक्रम में सभी युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर अकादमी सचिव सईद मेहदी, प्रो. खान अहमद फारुख सहित अन्य लोग शामिल थे।

मनाया गया जश्ने आमदे मौलाए कायनात हज़रत अली अ.स. व तकसीम की गई मिठाई

अवधनामा ब्यूरो

बाराबंकी/लखनऊ। 13 रजब आमदे मौलाए कायनात हज़रत अली इब्ने अबुतालिब अ.स. के मौके पर इलाके के संगौरा मोड़ चौराहा पर हर साल की तरह इस साल भी विलायती ब्रदर्स संगौरा की जानिब से जश्ने आमदे मौलाए कायनात हज़रत अली इब्ने अबुतालिब अ.स. मनाया गया व लोगों में शीरनी (मिठाई) तकसीम की गई। प्रोग्राम में सबसे पहले नज़्रे मौला अली अ.स. हुई जिसको मौलाना ज़ायर आबिद आलमपुरी ने अंजाम दिया। मौलाना ने हज़रत अली अ.स. के किरदार पर रौशनी डालते हुए लोगों बताया कि मौला का किरदार हम सभी के लिए नमूनाए अमल है। जश्न की निज़ामत अली जाफ़र संगौरवी ने की और शोराए एकराम में शुजा आलमपुरी, आमिर बाराबंकवी, ज़ामिन आलमपुरी, सालिम संगौरवी, काशिफ़ संगौरवी , रेहान अब्बास संगौरवी, अली सादिक सल्लमहू ने नज़राने अक़ीदत पेश किया। जश्न के बाद लोगों ने आपस में गले मिलकर एक दूसरे को मुबाराबाद पेश की। इस मौके पर मो.अकील ज़ैदी (साबिक प्रधान असंद्रा), सफ़ीर हैदर (प्रधान आलमपुर), मास्टर मो. आबिस, मास्टर असद अब्बास, शोज़ब ज़ैदी, अली अम्मार ज़ैदी, मो. जर्रार , बुरैर हसन, एडवोकेट अब्बास हुसैन, शिफाउल हसन, वसी ज़ैदी, मो. जाफ़र, मो शहीर, खादिम हसन, हिलाल हसन, सैफ़ हसन, मुजाहिद हुसैन, आनन्द यादव (प्रधान संगौरा), अज़ीज़ुल हसन, ज़कीउल हसन के अलावा इलाके के तमाम लोगों ने शिरकत की। विलायती ब्रदर्स संगौरा सैय्यदवाड़ा बाराबंकी के सद्र अली जवाद ज़ैदी ने आने वाले सभी लोगों को मुबारकबाद देते हुए शुक्रिया अदा किया।

अकीदत के साथ मना हजरत अली अलैहिस्सलाम की विलादत

लखनऊ। अमीरुल मोमेनीन हजरत अली अलैहिस्सलाम की विलादत की खुशी में मंगलवार को 13 रजब का त्यौहार बड़ी खुशी व अकीदत के साथ मनाया गया। इस मौके पर होने वाली महफिलों में देर रात तक नारा-ए-हैदरी-या अली की सदाएं गूंजती रही। शायर हजरत अली (अ.स) की शान में कसीदे पढ़ते रहे। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। अकीदतमंदों ने एक-दूसरे के गले लगकर इमाम (अ.स.) की विलादत की मुबारकबाद दी। इस विशेष मौके लोगों ने घरों, इमामबाड़ों, कर्बलाओं-दरगाहों व इलाकों में बिजली आदि की भव्य सजावट की। इस मौके पर घरों में तरह-तरह के पकवान बनाये गये और बाजार से मिठाईयां खरीद कर विशेषकर खीर पर नज़्र दी। पुराने शहर के इलाकों में सुबह से ही लोग नज़्रों में शिरकत करने के लिए निकल पड़े। सुबह तड़के नज़्र के साथ शुरू हुआ सिलसिला देर रात जश्न में बदल गया। इस मौके पर बड़ों के साथ बच्चों में त्योहार को लेकर काफी उत्साह था वह नये-नये कपड़े पहने नज़्रों में शरीक हुए। विलादत की खुशी में आतिशबाजी भी की गई।

शिया यतीमखाने में मना यौम-ए-अली

- इमामबाडा कसरे हुसैनी में भी सजी महफ़िल

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। हजरत अली (अ.स.) की यौमे विलादत के मौके पर इदारा-ए-वारिसे काबा ने शिया यतीमखाना काजमैन रोड में यौमे अली शीर्षक से राष्ट्रीय एकता पर आधारित अखिल भारतीय महफिले मकासिदा का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना अम्मार काजिम जरवली ने की। महफिल का आगाज कारी नदीम नजफी ने तिलावते कुराने पाक से किया। महफिल को मौलाना सैयद हमीदुल हसन ने खिताब किया।महफिले में शायर बिलाल काजमी, आग़ा सरोश हैदराबादी, नायाब बलियावी, रज़ी बिसवानी, फराज वास्ती, आजम सुल्तानपुरी, मुनव्वर जलालपुरी, नजफ मुज़फ़्फ़रनगरी, सज्जाद हल्लौरी, हसन वास्ती, आमिर फ़ैज़ाबादी, आरिफ सुल्तानपुरी ने मौला अली की शान में अपने कलाम पेश किये। जिसे लोगों ने सुनकर खूब दाद दी। इस खुशी के अवसर पर आतिशबाजी का प्रदर्शन भी किया गया व शिया यतीमखाने में भव्यरूप से सजावट की गयी। रौजाए उम्मूल बनीन दरगाह वज़ीरबाग में महफ़िले मक़ासिदा का आयोजन किया गया। महफिल को मौलाना बाकर मशहदी ने खिताब किया। इसके बाद शायरों ने मौला अली की शान में कसीदे पढ़े। जिसके बाद जुलूस ए मौलूदे काबा निकला। जश्न का आयोजनविलायत फाउंडेशन ने किया था। इमामबाड़ा कसरे हुसैनी बिल्लौचपुरा में महफिल को मौलाना कल्बे जव्वाद ने खिताब किया। उन्होंने कहा कि हजरत रसूले खुदा (स) के जानशीन थे मौला अली। इसके बाद अजहर हुसैन,जफर बनारसी, सैफी नकी,कौसर जरवली,नकी मोहम्मद आदि ने कलाम पेश किये।

विलादत पर लंगर व सबीलों का आयोजन

हजरत अली (अ.स) की विलादत पर विभिन्न इदारों की तरफ से सबीलों व लंगर का आयोजन किया गया। शहर के विक्टोरिया स्ट्रीट, नूरबाड़ी, हसनपुरिया, दरिया वाली मस्जिद, कश्मीरी मोहल्ला बुनियादबाद, सरफराजगंज, मौला नगरी व मुफ्तीगंज सहित अन्य इलाकों में सबील लगाकर लोगों तक इमाम का पैगाम पहुंचाया गया, वहीं इन सबीलों पर बिरयानी, पूड़ी-सब्जी, छोला-चावल के साथ मिठाईयां, चाय-काफी का वितरण किया गया।

स्टेशन	गेट नं.	यात्री आश्रय नं.	कलर कोडिंग	दिशा (की ओर)
प्रयागराज जं.	1	1	लाल	लखनऊ, वाराणसी
	2	2	नीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	3	3	पीला	मानिकपुर, सतना, झाँसी
	4	4	हरा	कानपुर
	5	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएँ
नैनी जं.	1	1	हरा	कानपुर
	1	2	नीला	मानिकपुर-झाँसी
	1	3	लाल	मानिकपुर-सतना
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएँ
	3	4बी	पीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	4	4ए	पीला	
प्रयागराज छिवकी	1ए	2	लाल	मानिकपुर, सतना, झाँसी
	1बी	1	हरा	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएँ
सुबेदारगंज	1	1	--	कानपुर
	3	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएँ

डिजिटल एंव स्वच्छ महाकुम्भ
महाकुम्भ-2025 को पूरी तरह से डिजिटल बनाने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारतीय रेल ने कई पहल की हैं।
डिजिटल महाकुम्भ: यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने ऐप, वेबसाइट और क्यूआर-कोड आधारित टिकटिंग एप्लिकेशन लॉन्च किया है। इसके अलावा, सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रा संबंधी जानकारी भी प्रसारित की जा रही है।
स्वच्छता और पर्यावरण: प्लास्टिक को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं एवं स्टेशनों पर सफाई कर्मचारी तैनात किए गए हैं।
"इस बार 13,000 से अधिक विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई है, जो पिछले कुंभ के दौरान चलने वाली रेल की संख्या से करीब चार गुना ज्यादा है। प्रयागराज में वॉर रूम को तैयार किया गया, जिससे सप्ताह में सातों दिन 24 घंटे निगरानी की जा रही है। यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए 22 भारतीय भाषाओं में एक पुस्तिका लॉन्च की गई है। बेहतर पहुंच के लिए स्टेशन पर सभी घोषणाएं 12 भाषाओं में की जाएंगी।"
अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री